

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं 0 43 वर्ड दिल्ली, शनिवार, अक्तबर

नई दिल्ली, शनिवार, अक्तूबर 25, 1975 (कार्तिक 3, 1897)

No. 43] NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 25, 1975 (KARTIKA 3, 1897)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1 PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयद्वारा चारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 30 सितम्बर 1975

सं० ए० 31014/1/75-प्रशा०-II—सचिव, संघ लोक सेवा ग्रायोग एतद्ढारा संघ लोक सेवा ग्रायोग में भाषा एकक की ग्रस्थायी कनिष्ठ अनुसंधान भिधकारी (मराठी) श्रीमती इन्दुमती शैयड़े को 1 मई 1975 से कनिष्ठ श्रनुसंधान श्रधकारी (मराठी) के स्थायी पद पर मूलरूप से नियुक्त करते हैं।

प्र० ना० मुखर्जी, श्रवर सचिव इन्हे सचिव, संघ लोक सेवा श्रायोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 22 सितम्बर 1975

सं० ए० 35017/1/75-प्रणा०-II—प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति के लिये चयन किए जाने पर महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्य, नई विल्ली के कार्यालय के अनुभाग अधिकारी श्री एच० आर० सिंह को 9 सितम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से प्रथमतः दो वर्ष की अविध के लिये अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा सेवा आयोग के कार्यालय में सामान्य केन्द्रीय सेवा के राजपत्नित क्लास-II पद पर लेखा अधिकारी के रूप में स्थानापन्न आधार पर कार्य करने के लिये नियुक्त किया गया है।

पी० एन० मुखर्जी श्रवर सचिव संघ लोक सेवा श्रायोग मंत्रिमंडल सचिवालय (कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग) केन्द्रीय स्त्रन्वेषण ब्यूरो

SHOWETERED NO. D-(D)-78

नई दिल्ली, दिनांक 26 सितम्बर 1975

सं० सी-8/72 प्रशासन-5—निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर, श्री सी० एम० राघवन, पुलिस उप-अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने दिनांक 12 सितम्बर, 1975 के अपराह्न में पुलिस उप-अधीक्षक (सूचक अनुभाग), केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के पद का कार्यभार त्याग दिया और दिनांक 15 सितम्बर, 1975 से 108 दिन की सेवा-निवृक्ति पूर्व छुट्टी पर चले गए। उन्हें छुट्टी के साथ दिनांक 13 व 14 सितम्बर, 1975 वाला वितीय शनिवार तथा रिववार जोड़ने की अनुमित है।

गुलजारी लाल श्रम्भवास प्रशासन ग्रधिकारी (स्था०) केन्द्रीय अन्त्रेषण ब्यूरो

गृह मंत्रालय

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 24 सितम्बर 1975 सं पी VII-4/74-स्थापना—इस महानिदेशालय के सम संख्या ग्रिधिसूचना दिनांक 17 मई, 1975 में कम संख्या 15 नाम "शिव नारायन सिंह" के स्थान पर "शेग्रो नारायन सिंह आएं।

(8919)

दिनांक 25 सिलम्बर 1975

सं० एफ०-2/33/75-ईस्ट० (सी० भ्रार० पी० एफ०)---राष्ट्रपति, निम्नलिखित उप श्रधीक्ष्क पुलिस (कम्पनी कमांडर/क्वार्टर मास्टरों) को उनकी तदर्थ पदोक्षति के फलस्यरूप भ्रागामी भ्रादेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में सहायक कमाडेंट के पद पर श्रस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

2. इन भ्रधिकारियों के पदस्थापन स्थान ग्रीर उनके पद छोड़ने तथा ग्रहण करने की तिथियां उनके नामों के सामने दी गई हैं:---

क्रम सं०	नाम		पद तथा यूनिट जिसका कार्यभार छो ड़ा	कार्यभार छोड़ने की तिथि	पद तथा यूनिट जिसका कार्यभार सम्भाला	पद ग्रहण करने की तिथि
(1)	(2)	- 	(3)	(4)	(5)	(6)
ांशीबीः	० बी० शर्मा		उप घ्र० पुलिस/ कं० कर्मांडर 5 बटा० सी० घार० पी० एफ०	1 7~ 7~ 7 5 (भ्रगराह्न)	सहायक कमाडेंट 45 बटा० सी० ग्रार० पी० एफ०	2 4- 7- 7 5 (पूर्वाह्म)
2. श्री एस	० कन्सटेनटाईन		उप-ग्र० पुलिस/ कं० कमांडर (ऐडम०) ग्रुप सैन्टर, सी०श्रार०पी० एफ०, पूना	1 1-8-7 5 (ग्रवराह्म)	सहायक कमाडेंट 56 बटा० सी० स्नार० पी० एफ०	26-8-75 (पूर्वाह्म)
3. श्री एम	० के० धगत		उप भ्रा० पृलिस/ कं० कमांडर 51 बटा० सी० मार० पी० एफ०	25-7-75 (भ्रपराह्न)	सहायक कमाडेंट 23 बटा० सी० श्रार० पी० एफ०	26-7- 7 5 (भ्रपराह्न)
∞ श्री एस	० एन० माथुर		सहायक प्रिसिपल ग्रार० टी० सी'० I सी० ग्रार० पी० एफ० बरवाह	9-8-75 (भ्रपराह्न)	सहायक कमाडेंट 19 बटा० सी० ग्रार० पी० एफ०,	21-8-7 (श्रपराह्म)
5. श्री रंमेन	द्धा दिक्षिक		कं० कमांडर/ उप-ग्रधीक्षक, पुलिस ग्रुप सैन्टर-2, सी० ग्राप्त पी० एफ०, ग्रजमेर	7-8-75 (पूर्वाह्न)	सहायक कमाडेंट 14 बटा० सी० ग्रार० पी० एफ०	7-8 - 7 (पूर्वाह्न
6. श्रो ग्रार	८० के० वतस	•	उप० ग्रधीक्षक पु० कं० कमांडेंट, ग्रुप सैन्टर, सी० म्रार० पी० एफ० दुर्गापुर	1 6-8-75 (श्रपराह्न)	सहायक कमांडेंट 3 4 बटा० सी० भ्रार० पी० एफ०	21-8-7 (पूर्वाह्न
7. श्री राम	चन्दर		उप० म्रयीक्षक पु० कम्पनी कमान्डर, ग्रुप सैन्टर, सी० म्रार० पी० एफ० गोहाटी	7-8-75 (भ्रपराङ्ग)	सहायक कमान्डेंट, 55 बटा०, सी० म्रार० पी० एफ०	8-8-7 (श्रपराह्म
8. श्री जीत	। सिंह राजपूत		उप० म्रधीक्षक पु० कम्पनी कमान्डर 31 बटा०, सी० भ्रार० पी० एफ०	2-8-75 (पूर्वाह्म)	सहायक कमाडेंट, 31 बटा० सी० म्रार० पी० एफ०	2-8-7 (पूर्वाह्न
9. श्री सी०	• एम० ब ह गुणा		उप० अधीक्षक पु० कम्पनी कमांडर, 37 बट।लियन, सी० श्रार० पी० एफ०	19-8-75 (ग्रपराह्न)	सहायक कमां डेन्ट 47 बटालियन, सी०ग्रार० पी० एफ०	2 2- 8- 7 १ (स्रपराह्न)

2		3	4	5	6
10. श्री राजेन्द्रपाल सिंह		. उप० ग्रधीक्षक पु०, कम्पनी कमान्डर, 9 बटालियन, सी० ग्रार० पी० एफ०	8-8-75 (भ्रपरा <i>ह</i> ह)	सहायक कमांडेंट, 48 बटा० सी० भ्रार० पी० एफ०	19-8-75 (पूर्वाह्न)
11. श्री बलवन्त सिंह ग्राजाद		उप० श्रधीक्षक पु० कम्पनी कमान्डर, 22 बटालियन, सी० श्रार० पी० एफ०	1 3-8- 7 ⁵ 5 (श्रपराह्म)	सहायक कमाडेंट 54 बटा०, सी० श्रार० पी० एफ०	24-8-75 (पूर्वाह्स)
12. श्री मोलक सिंह सिधू	, .	उप० श्रधीक्षक पु०, कम्पनी कमान्डर, 43 बटालियन, सी० श्रार० पी० एफ०	2-8-75 (पूर्वाह्म)	सहायक कमांडेंट 43 बटालियन, सी० भ्रार० पी० एफ०	2-8-75 (पूर्वाह्न)
13. श्री कें० डी० पचोरी		उप० प्रधीक्षक पु०, कम्पनी कमान्डर, ग्रुप सँन्टर, सी० ग्रार० पी० एफ०, नागपुर	11-8-75 (भ्रपरा ह्म)	सहायक कमाडेंट, 29 बटालियन, सी० म्रार० पी० एफ०	1 3-8-75 (पूर्वाह्म)
14. श्री ए० न० श्रीनियासन		सहायक प्रिसिपल, ग्रार० टी० सी०-2, सी० भ्रार० पी० एफ० श्रवादी	13-8-75 (भ्रपराह्म)	सहायक कमान्डेंट, 50 बटालियन, सी० म्रार० पी० एफ०	26-8-75 (पूर्वाह्न)
15. श्री एन० वेन्कटा स्वामी		. उप० भ्रधीक्षक पु०, कम्पनी कमान्डर, ग्रुप सैन्टर, सी० भ्रार० पी० एफ०, भुवनेश्वर	27-8-75 (श्र परा ह्म)	सहायक कमोडेंट, 87 वटालियन, सी० ग्रार० पी० एफ०	30-8-75 (भ्रपराह्न)
16. श्री भूपेन्दरसिंह .		उप० घ्रधीक्षक पु०, कम्पनी कमांडर, 20 बटालियन, सी० घ्रार० पी० एफ०	6-8-75 (श्रपराह्न)	सहायक कमान्डेंट, 2 बटालियन, सी० घ्रार० पी० एफ०	7-8-75 (म्रपराह्न)
17. श्री एम० सी० जोसफ		उप० मधीक्षक पु०, कम्पनी कमान्डर, 10 बटा०, सी० म्रार० पी० एफ०	6-8-75 (पूर्वाह्न)	सहायक कमार्डेट, 10 बटा०, सी० ग्रार० पी० एफ०	6-8-75 (पूर्वाह्न)
18. श्री एस० बी० एल० खेरे		उप० ग्रधीक्षक पु०, कम्पनी कमांडर/ क्यू०एम० 33 बटालियन, सी० श्रार०पी० एफ०	2-8-75 (पूर्वाह्न)	सहायक कमांन्डेन्ट, 33 बटालियन, सी० घ्रार० पी० एफ०	2-8-75 (पूर्वाह्म)
19. श्री एन० पी० दत्ता	. ,	उप० ग्रधीक्षक पु०, कम्पनी कमान्डर, 56 बटालियन, सी० ग्रार० पी० एफ०	25-8-75 (भ्रपराह्म)	सहायक कमांडेंट, 26 बटालियन, सी० भ्रार० पी० एफ०	9- 9- 7 5. (पूर्वाह्न)

दिनांक 26 सितम्बर 1975

संब्र्मोर्बेII/1022/75-स्थापना—महानिबेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल डाक्टर सनातन व्रिपाठी को तदर्थ रूप में पहले एक वर्ष के लिये केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में कनिष्ठ चिकित्सा मधिकारी के पद पर उनको 30 जुलाई, 1975 पूर्वाक्क्र से नियुक्त करते हैं।

 डाक्टर सनातन त्रिपाठी को 51 बटालियन केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में नियुक्त किया जाता है।

सं० डी० 1-3/74-स्थापना—भारत सरकार, मंत्रीमंडल सचिवालय के मधीन निम्नलिखित केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल के मधिकारियों की सेवायें, उनके मागे लिखी हुई तारीख से दी गयी हैं:—

 श्री एच० एस० मर्नेजा, सहायक पुलिस	19-6-75
मधीक्षक	(भ्रपराह्न)
 श्री एम० एस० राठौर, सहायक पुलिस	30-4-75
ग्रधीक्षक	(श्रपराह्न)
 श्री पी० एन० शर्मा, सहायक पुलिस	30-4-75
मधीक्षक	(भ्रपराह्न)
4. श्री एस० पी० गेहरोहल्ला, सहायक पुलिस	1 5- 3- 7 5

दिनांक 1 भक्तूबर 1975

ग्रधीक्षक

सं श्रो । II-1038/72-स्थापना—राष्ट्रपति, खेद प्रकट करते दुये यह श्रधिसूचित करते हैं कि श्री एस० एम० श्रवस्थी, उप-पुलिस श्रधीक्षक, 19 बटालियन, के । रि० पु० दल की मृत्यु दिनाक 22 श्रगस्त, 1975 को हुई।

> ए० के० बन्द्योपाध्याय सहायक निवेशक (प्रशासन)

(भपराह्म)

समन्वय निदेशालय (पुलिस बेतार)

नई दिल्ली-1, दिनांक 29 सितम्बर 1975

सं० ए० 21-26-71-वायरलैंस—स्थी एल० डी० गुप्ता के रक्षा मंत्रालय/संयुक्त बीजलेख ब्यूरो में प्रत्यावर्तित होने पर दिनांक 19 सितम्बर, 1975 के प्रपराह्न में समन्वय निदेशालय (पुलिस बेतार) में प्रतिरिक्ति सहायक निदेशक (बीजलेख)के पद का कार्य-भार छोड़ा।

छत्नपति जोशी निदेशक, पुलिस दूर संचार

महानिरीक्षक का कार्यालय केन्द्रीय भौद्योगिक सुरक्षा बल

नर्ध दिल्ली-110003, दिनांक 2 सितम्बर 1975

सं० ई०-38013(3)/21/75-प्रशा०-I----आसंसी को स्था-नान्तरित होने पर, श्री एम० के० चोपड़ा ने दिनांक 1 सितम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय भौद्योगिक सुरक्षा बल, नई दिल्ली, के पुलिस उपाधीक्षक/खुपिया इन्हेंध के पद का कार्यभार छोड़ दिया भौर उन्होंने, जब वे नई दिल्ली में कैम्प पर थे, उसी दिनांक के पूर्वाह्म से केन्द्रीय भौद्योगिक सुरक्षा बल, भारत भारी विद्युत् लि०, झांसी के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार संभाल लिया।

दिनांक 3 सितम्बर 1975

सं० ई-38013(3)/11/75-प्रशा०-1—हरिद्वार को स्था-नान्तरित होने पर, श्री मार० के० भगत ने दिनांक 1 सितम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय भौद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, भारत भारी विद्युत् लि० (भारी विद्युत उपस्कर प्लांट) हरिद्वार, के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया जिनका मुख्यालय नई दिल्ली में था।

दिनांक 22 सितम्बर 1975

सं० ई०-38013(3)/8/75 प्रशा०-I—खेतरी को स्था-नान्तरित होने पर, श्री बी० डी० बहुखण्डी ने दिनांक 1 सितम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय श्रौद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, बोकारो स्टील लिमिटेड, बोकारो स्टील सिटी के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार छोड दिया।

सं० ई० 38013 (2)/11/75-प्रणा०-I—हिरद्वार को स्थानान्तरित होने पर, लै० कर्नल जी० सी० एस० बिष्ट ने दिनांक 1 सितम्बर 1975 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय धौद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, भारी ग्रिभियंत्रण निगम लिभिटेड, रांची के कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-31013 (2)/5/74-प्रशा० I—-राष्ट्रपति, निरीक्षक ग्रार० बी० कुरुविल्ला को दिनांक 24 ग्रगस्त 1975 के पूर्वाह्म से ग्रागामी ग्रादेश जारी होने तक. केन्द्रीय ग्रोधोगिक सुरक्षा बल यूनिट, सलेम स्टील प्लांट, सलेम का स्थानापन्न रूप से सहायक कमांडेंट नियुक्त करते हैं जिन्हों उसी दिनांक से उक्त पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० ई० 38013 (3)/18/75-प्रणा० I—झरिया से स्थानान्तरित होने पर, श्री बी० दलाई, ने दिनांक 23 भगस्त 1975 के पूर्वाह्म से केन्द्रीय भौद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, पारादीप पोर्ट ट्रस्ट, के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया। उनका मुख्यालय पारादीप में होगा।

सं० ई० 31013 (2)/5/74-प्रशा० I—राष्ट्रपति, निरीक्षक एच० सी० पंवार को दिनांक 8 जुलाई 1975 के पूर्वाह्न से भागामी भावेश जारी होने तक, केन्द्रीय भौशोगिक सुरक्षा बल यूनिट, भारी भभियन्त्रण, निगम गंची का स्थानापन्त रूप से सहायक कमांडेंट नियुक्त करते हैं, जिन्होंने उसी दिनांक से पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

दिनांक 25 सितम्बर 1975

सं० ई० 16014 (3)/17/73-प्रणा० I—केन्द्रीय भोद्यो-गिक सुरक्षा बल में प्रतिनियुक्ति की भवधि समाप्त होने पर, श्री एस० एस० भवानन्दम ने दिनांक 31 भ्रगस्त 1975 के भपराह्न से केन्द्रीय भौद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, मद्रास पोर्ट ट्रस्ट, मद्रास, के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार छोड दिया।

> एस० एस० बिष्ट, महानिरीक्षक

पहिले उक्त पद की पूर्ति नियमित रूप से हो जाए, तब तक धारे बढ़ाई जाती है।

वि० ज० जोशी, महाश्रबन्धक भारत प्रतिभृति मुद्रणासव

वित्त मंद्रालय

(भायिक कार्य विभाग)

भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

नासिक रोड, दिनांक 22 सितम्बर 1975

सं० $990/(ए\circ)$ —िष्टनांक 29 मार्च 1975 की प्रधि-सूचना सं० $3950/(ए\circ)$ ग्रीर दिनांक 5 ग्रप्रैंल 1975 की ग्रिधसूचना सं० $29/(ए\circ)$ के कम में निम्नांकित ग्रिधका-रियों को उप नियंत्रक ग्रिधकारियों के पद पर तदर्थ नियुक्ति उन्हीं ग्रतों के साथ 31 दिसम्बर 1975 तक ग्रथवा इसके पहले उक्त पद की पूर्ति नियमित रूप से हो जाए तब तक भागे बढ़ाई जाती है:—

- (1) श्री एफ० एच० कोल्हापुरवाल
- (2) श्री एस० व्ही० चांदव इकर
- (3) श्री एच० के० शोजवाल
- (4) श्री एन० सी० सेनगुप्ता
- (5) श्री बी० एस० पाटिल
- (6) श्री व्ही० वाई० देशपांडे
- (7) श्री जे० सी० लोध
- (8) श्री टी० एन० वलवी

सं० 991/(ए०)—दिनांक 18 मार्च 1975 की म्रधि-सूचना सं० 3595/(ए०) के कम में निम्नांकित म्रधिकारियों को उप नियंत्रक म्रधिकारियों के पद पर तदर्थ नियुक्ति उन्हीं भार्ती के साथ दिनांक 31 दिसम्बर 1975 तक मथवा इसके पहिले उक्त पद की पूर्ति नियमित रूप से हो जाए तब तक भागे बढ़ाई जाती है:——

- (1) श्री डी० एम० पत्की
- (2) श्री व्ही० श्रीनिवासन
- (3) श्री ए० जे० माऊस्कर
- (4) श्री बी० एम० मंडल

सं० 992/(ए०)—दिनांक 18 मार्च 1975 की ग्राधि-सूचना सं० 3596/ए०) के कम में श्री डी० पी० जांबोटकर मुद्रांक पूर्ति भिधिकारी के पद पर तदर्थ नियुक्ति उन्हीं गर्तों के साथ दिनांक 31 दिसम्बर 1975 तक भथवा इसके

बैंक मोट मुद्रणालय

देवास, दिनांक 27 सितम्बर 1975

पत्न सं० बी० 'एन० पी०/ई०/स्पे०/27—विस मन्त्रालय, मार्थिक कार्य विभाग के अनुभाग मधिकारी भी राम अनन्त मिश्र का वैंक नोट मुद्रणालय देवास में कनिष्ठ प्रशासन मधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्ति पर की गई तदर्थ नियुक्ति दिनांक 1 जुलाई 1975 से 21 दिसम्बर 1975 तक या पद के नियमित तौर पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, पूर्ववत् शतौं पर निरंतर की जाती हैं।

डी० सी० मुखर्जी, महाप्रयन्धक

प्रतिभृति कामज कारखाना

होशंगाबाद, दिनांक 22 सितम्बर 1975

चूं कि श्री ए० के० घोष, सहायक कार्य प्रबंधक 24 सितम्बर 1975 से 23 मक्तूबर 1975 तक 30 दिन के माजित भवकाम पर आ रहे हैं, श्री पीटर जाय फोरमैंन, प्रोडक्शन को रू० 840-40-1000-ई० बी०-40-1200 के वेतनमान में सहायक कार्यप्रबंधक के रूप में तदर्थ माधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

स० रा० पाठक,महाप्रबंधक

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग महालेखाकार, घांध्र प्रदेश-I का कार्यालय

हैदराबाद, 500004, दिनांक 1 भक्यूबर 1975

सं० ई० बी०- I/8-312/74-75/264--महासेखाकार, भान्न्न प्रदेश, हैदराबाद कार्यालय के प्रधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री बी० नटेश गत वो महालेखाकार भान्न्न प्रदेश, हैदराबाद द्वारा वेतन-मान ६० 840-40-1000-ई० बी०-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा भिधिकारी के पद पर 26 सितम्बर 1975 के पूर्वाह्न से जब तक भागे भावेश न दिये जाएं, नियुक्त किया जाता है यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकृत प्रभाव डालने बाली नहीं है।

एस० **धार० मुखर्जी,** प्रवर उप-महालेखाकार (प्रशासन)

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय रक्षा लेखा महा नियन्त्रक नई दिल्ली, दिनांक 25 सितम्बर 1975

सं० 40011 (2)/75-प्रशा०-ए०--(1) वार्धक्य निवर्तन की म्रायु प्राप्त कर लेने पर निम्नलिखित लेखा म्रधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने लिखी तारीख के स्रपराह्न से पेन्शन स्थापना को म्रन्तरित-कर दिया जायेगा:---

क्रम नाम, रोस्टर संख्या सहित सं०	ग्रेड	पेंशन स्थापना को स्रन्तरण की तारीख	संगठन ्
सर्वश्री	خطر ساز در ساخت در	<u>۔ بر او منظ سے سے بہر را ب ا</u> کی کا انتخاب	م هم مدير حد مصر مصر مدير سرم جما <u>مسر</u> حدد ب—ا مصر مسر مسر حدد ب—ا معام مستخطف
1. सूरज प्रकाश एस० मलिक (पी०/1)	स्थायी लेखा श्रधिकारी	31-10-75	रक्षा लेखा नियन्त्रकः, (पेंशन) इलाहाबाद
2. एम० के० मंजुमदार (पी०/98)	स्थायी लेखा श्रधिकारी	30-11-75	रक्षालेखानियन्त्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता
3. बी॰ एस॰ ढ़ंड (पी॰/215)	स्यायी लेखा ग्रधिकारी	30-11-75	रक्षा लेखा नियन्त्रक, (श्रक्तसर) पूना ।
4. एन० सिव सुब्रामनियन (धी०/228)	स्यायी लेखा म्रधिकारी	3 0-1 1-7 5	रक्षा लेखा नियन्त्रक, (श्रकसर) पूना
5. पिगोरी लाल गौहरी	स्थायी लेखा श्रधिकारी	31-12-75	रक्षा लेखा नियन्सक (वायु सेना) देहरादुन

- (2) रक्षा लेखा नियन्त्रक (ग्रन्थ रैंक) उत्तर, मेरठ के संगठन में सेवारत श्री डी॰ जानकी राम शर्मा, स्थायी लेखा श्रिधकारी (रोस्टर सं॰ पी॰/214) को 8 श्रगस्त, 1975 के पूर्वाह्म से श्रीनिवार्य रूप से सेवा-निवृत्त कर दिया गया है।
- (3) रक्षा लेखा महा नियन्त्रक श्री ए० के० सुन्नामनियम, स्थायी लेखा श्रधिकारी (रोस्टर सं० पी०/429) जो कि रक्षा लेखा नियन्त्रक, दक्षिणी कमान, पूना के संगठन में सेवारत थे, के 7 श्रगस्त 1975 को हुए निधन को खेद के साथ श्रक्षिसूचित करते हैं। तदनुसार श्री ए० के० सुक्रामनियम को विभाग की नफरी से 8 श्रगस्त 1975 के पूर्वाह्न से निकाला जाता है।
- (4) इस कार्यालय की श्रधिसूचना सं० 40011(2)/74-श्रणा० ए० तारीख 24 जुलाई 1975 में निम्नलिखित को पैरा (3) के रूप में जोड़ा गया है:---

"श्री के० रामास्वामी, स्थायी लेखा ग्राधिकारी (रोस्टर सं० पी०/213) को सेवा निवृत्ति पूर्व 14 जुलाई 1975 से 30 सितम्बर 1975 तंक 79दिन की श्राजित छुट्टी मंजूर की गई है।"

(5) इस कार्यालय की अधिसूचना स० 40011(2)/74/प्रशा०ए० तारीख 27 जून, 1975 में निम्नलिखित की पैरा (4) के रूप में जोड़ा जाता है:--

'श्री पी० एम० सिद्धे, स्थानापन्न लेखा अधिकारी (रोम्टर सं० ग्री०/268) को निम्न छुट्टी मंजुर की गई है :---

- 21 दिन की म्रजित छुट्टी--- 5-7-75 से 25-7-75 तक
- 63 दिन की श्रद्ध वेतन छुट्टी---26-7-75 से 26-9-75 तक
 - 4 दिन की ग्रसाधारण छटटी——27-9-75 से 30-9-75 तक"

एस० के० सुन्दरम, रक्षा लेखा श्रपर महा नियन्त्रक (प्रशासन)

रक्षा मंत्रालय भारतीय श्रार्डनेन्स फैक्टरियां सेवा

कलकत्ता-700016, दिनांक 27 सितम्बर 1975

सं० 37/75/जी--58 वर्ष की ग्रायु प्राप्त कर, निम्नलिखित ग्रिधिकारीगण प्रत्येक के सामने दर्शायी गई तारीख से सेवा निवृत्त हुए:---

नाम व पद

दिनांक

- 1 श्री जी० जी० बागले स्थानागन्न उप- 31 जुलाई, 1975 प्रवन्धक (स्थायी फोरमैंन) (श्रवराह्न)
- 2 श्री जी० पी० फारनाडेज, स्थानापन्न 31 मई, 1975 सहायक प्रबन्धक (स्थायी स्टोरहोल्डर) (अपराह्म)
- 3 श्री जी० राजाराम, स्थानापन्न सहायक 31 मई, 1975 प्रवन्धक (अस्यायी स्टाफ असिस्टेंट) (अनराह्म)

सं० 38/75/जी—न्यार्धक्य निवृत्ति स्रायु प्राप्त कर, श्री एक० दत्त, स्थानापत्र सीनियर डी० ए० डी० जो० श्रो० एफ० (मौलिक स्रफसर सुपरवाइजर) दिनांक 31 जुलाई, 1975 (स्रपराह्म) से सेवा निवृत्त हुए।

> एम० पी० ग्रार० पिल्लाय, सहायक महानिदेशक, श्रार्डनेन्स फैक्टरियां

वाणिज्य मंत्रालय

संयुक्त मुख्य नियंत्रक श्रायात-निर्यात का कार्यालय मद्रास-600001, दिनांक 12 श्रगस्त 1975

लाइसेंस रह करने का आदेश

शिषयः—सर्वेश्री जी० बी० के० सी० एण्ड कं०, मद्रास-3 को जारी किये गये श्रायात लाइसेंस सं० पी/ ξ / 0210637/सी/एक्स एक्स/<math>50/एम/37-38 दिनांक 12-3-74 की सीमाशुलक प्रति को रद्द करना।

सं० श्राई० टी० सी०/डी० यू० पी० कापी/3/ए० एम० 76/ई-ए०—सर्वश्री जी० वी० के० सी० एण्ड कं० सं० 123, नयंनियापा नाइक स्ट्रीट, मद्रास-3 को श्रौषधि श्रौर भेषज सं० 87-109/4 का श्रायात करने के लिए श्रप्रैल 73 मार्च 74 श्रवधि के लिए 1797 रुपए (एक हजार सात सौ सतानवें रुपए मात्र) का श्रायात लाइसेंस सं० पी०/ई/0210637/सी/एक्स एक्स/50/एम/37-38 दिनांक 12 मार्च 1975 इस कार्यालय द्वारा प्रदान किया गया था।

फर्म ने उक्त श्रायात लाइसेंस की सीमाशुल्क प्रति की श्रनुलिपि प्रति के लिए इस श्राधार पर श्रावेदन किया है कि मूल प्रति बिना किसी सीमाशुल्क प्राधिकारी के पास पंजीकृत कराये और उसका बिल्कुल उपयोग किये बिना ही खा गई / श्रस्थानस्थ हो गई है।

मैं संतुष्ट हूं कि लाइसेंस की मूल सीमाशुल्क प्रति खो गई हैं / अस्थानस्थ हो गई हैं श्रौर निदेश देता हूं कि लाइसस की सीमाशुल्क प्रति की अनुलिपि प्रति श्रावेदक फर्म को जारी की आए । उक्त लाइसेस की मूल सीमाणुल्क प्रति अंकित मूल्य की सीमा तक (जैसे 1797 रुपए) को इसके द्वारा रद्द किया जाता है। श्रापकी जानकारी के लिए इसकी रिपोर्ट की जाती है।

> श्राई० ए० रसीद, उप-मुख्य नियंतक, श्रायात-निर्यात

पूर्ति विभाग पूर्ति तथा निषटान महानिदेशालय (प्रणासन शाखा-1)

ुनई दिल्ली, दिनांक 27 सितम्बर 1975

सं० प्र०1/1(242)—स्थायी सहायक निदेशक (ग्रेड-II) तथा पूर्ति निदेशालय (वस्त्र), बम्बई में स्थानापन्न उप निदेशक श्री मेहमान सिंह दिनांक 31 ग्रगस्त 1975 के श्र4राह्म से निवर्तन श्रायु (58 वर्ष) होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

के० एल० कोहली, उप निदेशक (प्रशासन) कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

कृत महा। नदशक, पूरत तथा । न ···----

इस्पात ग्रौर खान मंत्रालय (खान विभाग) भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700013, दिनांक 24 सितम्बर 1975

सं० 6387/वी/10/71/19ए०—श्री सुरजीत राय को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में प्रेस श्रापरेटर के रूप में 650 रु० प्रतिमाह के प्रारम्भिक वेतन पर 650-30-740-35-810 द० रो०-35-880-40-1000 द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में अस्थायी क्षमता में, आगे आदेश होने तक, 25 श्रगस्त 1975 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया गया है।

दिनांक 27 सितम्बर 1975

सं० 6420/बी/2251 (एस० एच०)/19 बी——भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ ड्रिलिंग सहायक श्री सैलन होरो को ड्रीलर के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो० रो०-35-880- 40-1000-द० रो०-40-1200 र० (परिशोधित) के वेतनमान में, अस्थायी क्षमता में, आगामी आदेश होने तक, 30 जुलाई, 1975 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है।

वी० के० एस० वरदन, महानिदेशक

भारतीय खान ब्यूरो नागपुर, दिनांक 25 सितम्बर 1975

सं० ए०19011(150)/75-सि० ए०---राष्ट्रपति, श्री एम० के० घोष को 8 सितम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक भारतीय खान ब्यूरो में सहायक खान नियंत्रक के पद पर स्थानापन्न रूप म नियुक्त करते हैं।

दिनांक 1 अक्तूबर 1975

सं • ए० 9011(180)/75-सि० ए०—-राष्ट्रपति श्री भार० भार० गोपाल को 17 सितम्बर, 1975 के अपराह्म से भागामी भादेश होने तक भारतीय खान ब्यूरो में सहायक खान नियंत्रक के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

> ए० के० राभवाचारी, वरिष्ठ प्रशासन ग्रिधिकारी इस्ते नियंत्रक

भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण भारतीय संग्रहालय

कलकता-700013, दिनांक 8 सितम्बर 1975 सं• 4-112/75-स्थापना--निदेशक, भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण, श्री विद्यानन्द सिंह की 26 ग्रगस्त, 1975 के पूर्वाह्न से भ्रगले ब्रादेशों तक अस्थायी ब्राधार पर इस सर्वेक्षण के उत्तर पश्चिम स्टेशन, देहरादून में सहायक कीपर के पद पर सहवे नियुक्ति करते हैं।

> सी० टी० **शा**मस, वरिष्ठ प्रशासनिक श्रधिकारी

श्चाकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली-110001, दिनांक 22 सितम्बर 1975

सं० 2/12/75-एस०-तीन—महानिवेशक, श्राकाशवाणी, एतद्द्वारा निम्नलिखित वरिष्ट इंजीनियरी सहायकों को उनके नामों के श्रागे लिखे श्राकाशवाणी, के केन्द्रों/कार्यालयों में उनमें से प्रत्येक के श्रागे उल्लिखित तारीखों से श्रग्रेतर श्रावेशों तक तद्य श्राक्षार पर सहायक इंजीनियर के संवर्ग में नियुक्त करते हैं:—

क रत ह ं :—				
*क सं∘	नाम	तैनाती का स्थान	 नियुक्ति की तारीख	
1.	श्री गुरबचन लाल	कार्यालय, क्षेत्रीय इंजीनियर (उत्तर) ग्राकाशवाणी,नई दिल्ली ।	27-8-75	
2.	श्री राजपाल गर्ग	उच्च शक्ति प्रेषित्र, ग्राक्षाशवाणी, खा मपुर, दिल्ली।	29-8-75	
3.	श्री रामकिश्चन फोड़िया	वहीं	8-7-75	
4.	श्री ए० पी० सिन्हा	म्राकाशवाणी, रांची	20-6-75	
5 .	श्रीमती एम० एल० चौ रसिया ।	दूरदर्शन केन्द्र, प्राकाझ- वाणी, बम्बई ।	21-6-75	
6.	श्री पी० के० ग्रवस्थी	उच्च शक्ति प्रेषित्र, श्राकाशवाणी, गोरख- पुर।	28-8-75	

प्रेम कुमार सिन्हा, प्रशासन उपनिदेशक कृते महानिदेशक नई दिल्ली-110001, दिनांक 27 सितम्बर 1975

सं० 4(98)/75-एस० एक—महानिदेशक, श्राकाशवाणी, एतद्बारा कुमारी बी० सेखोज को 11 श्रगस्त, 1975 से श्रग्नेतर आदेशों तक, श्राकाशवाणी, कोहिमा में श्रस्थामी श्राधार पर, कार्कक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 29 सितम्बर 1975

सं० 5(60)/70-एस०-एक—--महानिदेशक, आकाशवाणी, एलव्झारा श्री लुस्फुर रहमान, कार्यक्रम निष्पादक, रेडियो कश्मीर, जम्मू को 28 जून, 1975 से अग्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी, डिब्रूगढ़ में अस्थायी श्राधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4(121)/75-एस०-एक---महानिवेशक, श्राकाशवाणी एतद्द्वारा श्री सैयंद मोहम्मद मुसन्ना रिजवी को 6 सितम्बर, 1975 से अन्नेतर आदेणों तक, श्राकाशवाणी, भोपाल में अस्थायी आधार पर, कार्बक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 30 सितम्बर 1975

सं० 4(120)/75-एस०-एक--महानिदेशक, आकाश-बाणी, एतद्धारा श्री लेवांग पिंचू योत्मो को 28 ग्रगस्त, 1975 से अग्रेतर श्रादेशों तक, श्राकाशवाणी, खरसाङ् में श्रस्थायी श्राधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं। शांति लाल,

शाति लाल, प्रशासन उपनिदेशक कृते महानिदेशक

नई दिल्ली-110001, दिनांक 30 सितम्बर 1975

सं० 2/6/62-एस०-दो---महानिदेशक प्राकाशवाणी, श्री एम० जी० बिक्टर, लेखाकार, उच्च शक्ति प्रेषित्न, धाकाश-बाणी, श्रावडी, मद्रास को दिनांक 22 सितम्बर 1975 (पूर्वाह्न) से श्राकाशवाणी, कालीकट में प्रशासनिक श्रधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से तदर्थ श्राधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

> इन्द्रसेन पाँधी, ग्रनुभाग ग्रधिकारी **इ**स्ते महानिवेशक

सूचना भ्रोर प्रसारण मंत्रालय

विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय

नई दिल्ली-110001, दिनांक 22 सितम्बर 1975

सं० 2/10/56-स्था०-1—विज्ञापन श्रीर दृश्य प्रचार निदेशक ने सीनियर लेखाकार श्री सीयाराम गोयल को 4 सितम्बर, 1975 से इसी निदेशालय में श्री जे० एन० गुप्ता जिन्हें छुट्टी दी गई है के स्थान पर स्थानापन्न लेखा श्रीधकारी नियुक्त किया है।

> रोशन लाल जैन, उप निदेशक (प्रशासन) इसे विज्ञापन श्रीर दृश्य प्रचार निदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 27 सितम्बर 1975

सं० 9-14/75-एडमिन-1—- ग्रध्ययन छुट्टी पर जाते हुए श्रीमती भाशा शर्मा ने 16 जुलाई 1975 के प्रपराह्न को राजकुमारी भ्रमृतकौर परिचर्या महाविद्यालय, नई दिल्ली में टमूटर के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 1 ग्रन्तूबर 1975

संव 12-1/75-एडमिन-1—राष्ट्रपति ने केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड-4 के स्थायी घिषाकारी श्री के बसुन्दरराज को 8 सितम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से ग्रागामी ग्रादेशों तक स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में स्थानापन्न ग्रनुभाग ग्रिधकारी के पद पर नियुक्त किया है।

सूरज प्रकाश जिन्दल, उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 26 सितम्बर 1975

सं० 16-42/74-एस०-1---स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने राजकीय चिकित्सा भंडार डिपो बम्बई के स्थानापन्न भंडार प्रधीक्षक श्री ग्रार० एस० पागे को 22 जुलाई, 1975 (ग्रपराह्न) से ग्रागामी ग्रादेशों तक चिकित्सा भंडार डिपो, बम्बई में सहायक डिपो प्रबन्धक के पद पर ग्रस्थायी रूप से नियुक्त किया है।

संगत सिंह,

उप निदेशक प्रशासन (भंडार)

नई दिल्ली, दिनांक 29 सितम्बर 1975

सं० 41-34/75-डी—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने एतद्-द्वारा श्री इलापित कृष्ण देव को 27 श्रगस्त के पूर्वान्ह से ग्रागामी आदेशों तक स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के केन्द्रीय भौषध मानक नियन्त्रण संगठन के दक्षिण क्षेत्र के मदास स्थित कार्यालय में श्रीषध नियन्त्रक के पद पर ग्रस्थायी रूप से नियुक्त किया है।

स० श्री० गोठोस्कर, श्रीषध नियन्त्रक (भारत) कृते स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक

परमाणु ऊर्जा विभाग तारापुर परमाणु बिजलीघर

थाना-401504, दिनांक 25 सितम्बर 1975

सं० टी० ए० पी० एस०/ए० डी० एम०/735-ए०/1119— परमाणु ऊर्जा विभाग के तारापुर परमाणु विजलीवर के मुख्य प्रधीक्षक, सर्वश्री पी० गणपति, वी० के० पी० पिल्लै तथा ग्रार० ग्रार० बन्तूनी की सहायक कार्मिक ग्रधिकारी के पदों पर तदर्थ ग्राधार पर की गई नियुक्ति की ग्रवधि को 1 ग्रक्तूबर 1975 से तीन महीने की ग्रीर ग्रवधि के लिए ग्रथवा तब तक के लिए जब तक कि इन पदों को नियमित रूप से नहीं भरा जाता है, दोनों में जो भी पहले घटित हो, बढ़ाते हैं।

के० बी० सेतुमाधवन, मुख्य प्रशासन प्रधिकारी

भाभा परमाणु प्रनुसंधान केन्द्र (कार्मिक प्रभाग)

बम्बई-400085, दिनांक 20 सितम्बर 1975

सं० 5/1/75-स्था०-5-भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के नियंत्रक इसके बारा सहायक श्री चिंतामणि वासुदेव पेंडसे को 7 अप्रैल 1975 से 23 मई 1975 तक के लिए इसी अनु-संधान केन्द्र में अस्थाई रूप से सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

> वेद प्रकाश चोपड़ा, उप स्थापना ग्रधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग परमाणु खनिज प्रभाग

हैदराबाद-500 01*6,* दिनांक 24 सितम्बर 1975

सं० ए० एम० डी०-1/18/75-प्रशासन—परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक श्री शेख यूसुफ को 19 सितम्बर 1975 के प्वाह्म से लेकर धागामी आदेश जारी होने तक के लिए उसी प्रभाग में स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं।

एस० रंगानाथन, वरिष्ठ प्रशासन एवं ले<mark>खा</mark> प्रधिकारी

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 25 सितम्बर 1975

सं० ए० 32013/5/73-ई० ए०—राष्ट्रपति, निम्नलिखित भिधिकारियों की 31 दिसम्बर, 1975 तक भ्रथवा इन पदों के नियमित रूप से भरे जाने तक, इन में से जो भी पहले हो, विमान क्षेत्र ग्रिधकारियों के रूप में तदर्थ नियुक्ति को जारी रखने की स्वीकृति प्रदान करते हैं:—

秀。	न(म	•	स्टशन, जहां तैनात किया गया है
(1)	(2)		(3)
—~—— 1. క			मंगलौर
2. 8	ी वी० भ्रार० विश्वनाथन		भोपाल
3. 8	ी एस० सी० जोशी	•	मुख्यालय विमानक्षेत्र ग्रधिकारी (ए० ग्राई० एस०)
4. ᅿ	ो ग्रो० पी० ढींगरा	•	ंमुख्यालय तकनीकी ग्रधिकारी (पी०)
5. র্প্র	ो एम० पी० खोसला		ऊ धम पुर
6. र्श्न	ो जे० एस० स्रार० के० शर्मा		मद्रास
7. প্র	ो के० एस० प्रसाद		मोहनबाड़ी
8. র্গ	ो एन० डी० घोष		दम दम
	रिव तनखा		सफदरजंग

(1)	(2)	<u>-</u>	(3)
10.	श्रीसी० ग्रार० राव .	·	राजकोट
11.	श्री कुन्दन लाल .		श्रीरंगाबाद
1 2.	श्री जे० के० सरदाना		श्रीनग'र
13.	श्रीके०सी०मिश्रा .		सान्ताकूज
14.	श्रीजी० बी० के० नायर	•	सान्ता क् ज
15.	श्री डी० डी० सरदाना		सफदरजंग
16.	श्री के० एन० वेंकटा चालिह	Ţ,	सान्तामूज
17.	श्री एस० दयाल .		मुख्यालय टी० म्रो∙
			(ए० एस०)
18.	श्रीएस० सी० सेखरी		उदयपुर
19.	श्री एम० पी० जैन	•	सफदरजंग
20.	श्रीएस० के० जैन .	•	दम दम
21.	श्री डी० रामानुजम 📌		सफदरजंग
22.	श्री ए० टी० वर्गीज		कुंभी ग्राम
23.	श्री के० वी० एस० राव		मद्र ास
24.	श्रीएन०पी० शर्मा		सफवरजंग
25.	श्री एस० के० बेनर्जी		दमदम
26.	श्री ग्रार० कोठाडारमन		तिरुपति/वि ची

दिनांक 29 सितम्बर 1975

सं० ए० 32013/4/75 ई०- ए०—राष्ट्रपति एतव्द्वारा श्री एम० एम० जोगलेकर को 19 सितम्बर, 1975 से ग्रगले प्रादेश जारी होने तक नागर विमानन विभाग के विमानमार्ग भौर विमानक्षेत्र संगठन में रूपए 1500-60-1800 के वेतनमान में स्थानापन्न रूप में उपनिदेशक/नियंत्रक विमानक्षेत्र के पद पर नियुक्त करते हैं। श्री जोगलेकर को क्षेत्रीय नियंत्रक विमानक्षेत्र बंबई क्षेत्र, बंबई एयरपोर्ट, बंबई के रूप में तैनात किया जाता है।

विषय विनोद जौहरी, सहायक निदेशक प्रशासन

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क तथा सीमा शुल्क समाह्त्तालय इलाहाबाद, दिनांक 23 प्रगस्त 1975

सं० 132/1975—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहस्तिलय, मुख्यालय, इलाहाबाद में तैनात तथा आगामी आदेश होने तक इस कार्यालय के पृष्ठांकन संख्या दो (3) 2-स्था०/75/28088, वि० 31-7-1975 के अन्तर्गत जारी किये गये स्थापना आदेश संख्या 212/1975 दि० 30-7-1975 के अनुसार ६० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो० 40-1200 के वेतनमान में स्थानापन्न अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क श्रेणी दो के पद पर नियुक्त श्री अब्दुल हमीद स्थानापन्न निरीक्षक (चयनग्रेड) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहत्तिलय, मुख्यालय, इलाहाबाद में अधीक्षक केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहत्तिलय, मुख्यालय, इलाहाबाद में अधीक्षक केन्द्रीय उत्पादन शुल्क श्रेणी दो के कार्यालय का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

दिनांक 10 सितम्बर 1975

सं० 104/1975—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहत्तालय, कानपुर के मंतर्गत केन्द्रीय उत्पादन शुल्क मण्डल, प्रथम, कानपुर में तैनात भौर इस कार्यालय के पृष्टांकन संख्या दो (3) 2-स्था/28088 दिनांक 31-7-1975 के भंतर्गत जारी किये गये स्थापना भादेश सं० 212/1975 दिनांक 30-7-1975 के भ्रनुसार भागामी भादेश होने तक के लिए ६० 650-39-740-35-810-द० रो० 35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में स्थानापन्न भ्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क श्रेणी दो के रूप में नियुक्त श्री परमहंस सिंह चौहान, स्थायी निरीक्षक (चयन-ग्रेड) ने सीमाशुल्क मण्डल, गोरखपुर के भ्रन्तर्गत सीमाशुल्क बढ़नी में दिनांक 21-8-1975 को (दोपहर से पहले) श्री ए० सी० श्रीवास्तव, ग्रधीक्षक श्रेणी दो को उनके भ्रतिरिक्त कार्यभार से मुक्त करते हुए ग्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क श्रेणी दो के कार्यालय का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

सं० 105/1975—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालय, कानपुर के अंतर्गत मथुरा में तैनात भीर इस कार्यालय के पृष्ठांकन-संख्या थे (3) 2-स्था०/75/28088 दिनांक 31-7-1975 के भन्तर्गंत जारी किये गये स्थापना भादेश संख्या 212/1975, दिनांक 30-7-1975 के भनुसार भागामी भादेश होने तक के लिए इ० 650-30-740-35-810-द० रो० 35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में स्थानापन्न भ्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, श्रेणी दो के रूप में नियुक्त श्री हुकुम चन्द्र प्ररोड़ा स्थायी निरीक्षक (भयन ग्रेड) ने दिनांक 26-8-1975 को (दोपहर से पहले) श्री भ्रार० डी० सिंह, भ्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क श्रेणी दो को उनके भ्रतिरिक्त कार्यभार से मुक्त करते हुए केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समेकित मंडल कार्यालय, रामपुर के भ्रन्तर्गत भ्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, श्रेणी दो चन्दौसी के रूप में कार्यभार ग्रहण कर लिया।

दिनांक 18 सितम्बर 1975

सं० 108/1975—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समेकित मंडल, लखनऊ में तैनात श्रीर इस कार्यालय के पृष्ठांकन संख्या दो (3) 2-स्था०/75-28088 दिनांक 31-7-1975 के श्रन्तर्गत जारी किसे गये स्थापना श्रादेश संख्या 212/1975 दिनांक 30-7-1975 के श्रनुसार श्रगला श्रादेश होने तक के लिए ६० 650-30-740-35-810-द० रो० 35-880-40-1000 द० रो०-40-1200 के बेतनमान में स्थानापन्न श्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, श्रेणी, दो के रूप में नियुक्त श्री गुर नारायण श्रीवास्तव, स्थायी निरीक्षक (चयन ग्रेड) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क ने दिनांक 29-8-1975 को (दोपहर से पहले) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समेकित मण्डल कार्यालय मिरजापुर में श्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क श्रेणी दो, के कार्यालय भारापपुर में श्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क श्रेणी दो, के कार्यालय भारापपुर में श्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क श्रेणी दो, के कार्यालय भारापपुर में श्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क श्रेणी दो, के कार्यालय भारापपुर में श्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क श्रेणी दो, के कार्यालय भाराप्रस्थ स्थान स्थ

सं 111/1975—इस कार्यालय के पृष्ठांकन सं II (3) 168-गोपनीय/75/2605-2612 दिनांक 13-8-1975 के धन्तर्गंत जारी किए गए स्थापना भ्रादेश सं 224/1975 दिनांक 13-8-1975 के धनुसार, श्री एस०पी० सिंह स्थानापन्न भ्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, श्रेणी दो ने केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्त्तन

लय, मुख्यालय इलाहाबाद के ग्रधीक्षक (सेन्ट्रल एक्सचेन्ज) के कार्यालय का कार्यभार श्री बी० एस० सिंह, ग्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन गुल्क, श्रेणी दो, केन्द्रीय उत्पादन गुल्क समाहत्तीलय, मुख्यालय इलाहाबद को दिनांक 13-8-1975 को (दोपहर के बाद) सींप दिया ग्रीर 14 ग्रगस्त, 1975 की दोपहर के पहुले से सरकारी सेवा से मुक्त हो गए।

> एघ० बी० दास; समाहर्ता केन्द्रीय उत्पादन शुल्क इलाहाबाद

पटना, दिनांक 26 सितम्बर 1975

मि०सं० 11 (7) 5-स्था०/75/9450— इस कार्यालय के स्थापना भ्रादेश सं० 271/75 दिनांक 4-7-1975 जो मि० सं० 11 (3) 43-स्था०/73/3402-27 दिनांक 5-7-75 द्वारा पृष्ठांकित किया गया तथा जिसके द्वारा श्री के बी बोष हाजरा, निरीक्षक (व० श्रे०) केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुरुक को 650-30-750-35-810 द० रो० -35-880-40-1000-द० रो० 40-1200 तथा निमान्तर्गत देय समान्य भसों सहित के वैतनमान में प्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद द्वितीय श्रेणी प्रावैधिक मुजफफरपुर के रूप में दिनांक 11 अुलाई 1975 के भ्रपराह्म कार्य भार ग्रहण किया।

> हरिनारायण साह, समाहर्त्ता केन्द्रीय उत्पाद पटना

नारकोटिक्स विभाग

ग्वालियर-474006, दिनांक 27 सितम्बर 1975

सं० 33--नागपुर समाहत्तीलय से स्थानान्तरण पर, श्री म्रार० म्रार० टिल्लू० मधीक्षक श्रेणी II, क्नेन्द्रीय उत्पादनशुल्क, ने 10 सितम्बर, 1975 के दोपहरपूर्व को श्री मुनीश्वर राम को श्रतरिक्त कार्यभार से मुक्त करते हुए, जिला श्रफीम श्रधिकारी, णामगढ का कार्यभार संभाल लिया।

सं० 34--श्री डी० डी० शर्मा, ग्रासूचना ग्रधिकारी, नार-कोटिक्स भासूचना व्यूरो, नारकोटिक्स भ्रायुक्त का कार्यालय, को, 1 मार्च, 1974 से रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35 880-40-1000 द० रो०-40-1200 के बेतनमान में 810.00 क० के चरण पर दक्षतारोध पार करने की ग्रनुमति दी जाती है।

> मिलाष शंकर, भारत का नारकोटिक्स म्रायुक्त

नौबहन श्रौर परिवहन मंत्रालय कार्यालय मुख्य इंजीनियर भ्रौर प्रशासक, नव तुतीकोरिन पत्तन

तूतीकोरिन-4, दिनांक 10 सितम्बर 1975

सं० ए० 39013 (1)/75/एडमिन/4499---नव तृतीकोरिन पत्तन के मुख्य इंजीनियर भ्रौर प्रशासक 27 भ्रगस्त, 1975 के भपराह्म से श्री एम० नाम, का सहायक इंजीनियर (सिविल) के पद से त्यागपत्न स्वीकार करते हैं।

> डी० ग्राई० पास, मुख्य इंजीनियर श्रौर प्रशासक

म्रन्तरिक्ष विभाग

भारतीय भ्रन्तरिक्ष भ्रनुसंधान संगठन भारतीय वैज्ञानिक उपग्रह परियोजना

पीनया-562140 दिनांक 15 सितम्बर 1975

सं० 020/3 (061)/75—विक्रम साराभाई श्रन्तरिक्ष केन्द्र के निवेशक निम्नलिखित कार्मिकों की पदोन्नति होने पर, उनके नामों के सामने दिए गए पदों पर, भारतीय ग्रन्तरिक्ष श्रनुसंधान संगठन के भारतीय वैज्ञानिक उपग्रह परियोजना में रु० 650-30-740-35-880 द० रो०-40-960 के वेंतनमान में र० 650 प्रति भास के मूल बेतन पर दिनांक 1 जुलाई 1975 के पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

- श्री पुट्टैया——इंजीनियर एस० बी०
- 2. श्री के ० एन ० माधवन -- इंजीनियर एस ० बी ०
- 3. श्री टी० एस० नारायणन--इंजीनियर एस० बी०

वी० वी० एस० चौधरी, प्रशासन प्रधिकारी

केन्द्रीय जल ग्रायोग

नई दिल्ली, 110022, दिनांक 22 सितम्बर 1975

सं० क० 19012/550/75-प्रशास० 5---प्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल भागोग एतद्दारा श्री एच० एस० जयराम, प्रधान प्रारूपकार को म्रतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक म्रभियन्ता/सहायक मनु-संधान मधिकारी (म्रभियां विकी) के पद पर स्थानापन्न होने के लिए केन्द्रीय जल श्रायोग में रु० 650-30-740-35-810 द० रो० 35-880-40-1000-वर रोर 40-1200 के वेतनमान में 18 जुलाई 1975 (पूर्वाह्न) से भागे भादेश होने तक पूर्णत: श्रस्थाई एवं तदर्थं रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री जयराम ने केन्द्रीय जल श्रायोग के केन्द्रीय निस्सरण वृत्त के मन्तर्गत दक्षिणी गेजिंग उप-प्रमण्डल, बंगलौर में सहायक श्रमि-यन्ता के पद का कार्यभार उपरोक्त तिथि एवं समय से सम्भाल लिया है।

> के० पी० बी० मेनन, भ्रवर सचिव केन्द्रीय जल भायोग

मध्य रेल

बम्बई बी० टी०, दिनांक 25 सितम्बर 1975

सं० एच० पी० बी/220/जी०/दो०/एस०--श्री नटराजन् इस रेलवे के भंडार विभाग में द्वितीय श्रेणी सेवा में दि० 13-12-1971 से स्थायी किये गये हैं।

> बी० डी० मेहरा, महा प्रबंधक

पूर्वोत्तर सीमा रेलवे

पाण्डू, दिनांक 26 सितम्बर 1975

सं० ई०/55/III/93पी०II (0)—निम्नलिखित अधिकारियों को द्वितीय श्रेणी सेवा में सहायक यात्रिक अधिकारी के पद पर उनके सामने श्रंकित तारीख से स्थायी किया जाता है।

ऋ० सं०	नाम	स्थायी करने की उारीख
	च० डब्लू, रौजारिस्रो स०एन० गुह नियोगी	31-7-1973 31-7-1975

एम० श्रार० रेड्डी, महाप्रबंधक

कम्पनी कार्य विभाग

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी ग्रधिनियम, 1956 ग्रौर मेसर्स पीकोन फर्टीलाईजर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

श्रहमदाबाद, दिनांक 30 सितम्बर 1975

सं० 560/1868—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (3) के अनुसरण में एतद्ब्रारा यह सूचना दी जाती है कि, इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मेसर्स धीकोन फर्टीलाइजर्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट विया जाएगा और उक्त कम्पनी विधटित कर दी जाएगी।

जे० गो० गाथा, प्रमंडल पंजीयक, गुजरात राज्य, श्रहमदाबाद प्ररूप भाई०टी०एन०एस०~~-

न्नायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के भ्रतीत सूचता

भारत सरकार

सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय, भ्रजन रोंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 सितम्बर 1975

निदेशसं० 1287--यतः मुझे रवीन्द्र कुमार ग्रायकरः श्रिधनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया है), की धारा 269प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8284 दिसम्बर 1974 में है तथा जो गांव जगन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत ग्राधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया है:——

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी म्राय या किसी धन या म्रन्य म्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर म्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त म्रधिनियम', या धनकर म्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ म्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः श्रव 'उक्त श्रधिनियम' की धारा 269-ग के अनु-सरण, में, मैं, 'उक्त श्रधिनियम', की धारा 269घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थातु:—

- 1. श्री दर्शन सिंह एडवोकेट जालन्धर (ग्रन्तरक) चनन सिंह गांव बाजरा तहसील जालन्धर।
- श्रीमती मोहिन्दर कौर पत्नी जसवन्त (भ्रन्तरिती) सिंह सपुत्र भगत सिंह भौर सतपाल कौर पत्नी सुलखन सिंह वासी जगन सिंह तहसील जालन्ध ।
 - (3) जैसा कि नं 2 में हैं (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है
- (4) कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुची रखता है। (बह व्यक्ति, जिनके बारे में घधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखत में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो 'उक्त श्रिधिनयम', के श्रध्याय ॄं20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 8284 दिसम्बर 1974को रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 24-9-75

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक श्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय, भ्रजनरेंज, श्रमृतत्तर

श्रमृतसर, दिनांक 23 सितम्बर 1975

निदेश सं० के० पी० एल०/152/75-76---यतः मुझ बी० प्रार० सगर ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रधिक है श्रीर ब्रौर जिसकी सं० 1/4 कोटी है तथा जो कपूरथला में स्थित है (श्रीर इससे उवाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कपूरथला में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (190 का 16) के ग्रधीन,तारीख जनवरी 1975 को

पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है श्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई श्राय की बाबत उक्त श्रधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्सरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात् :---

- श्री सुरिन्द्र नाथ सपुत्र ग्रार० बी० दुर्गा (ग्रन्तरक)
 दास वासी कपूरथला जी० ए० श्री
 दिपन्द्र नाथ।
- श्री जरनेल सिंह सपुत्र श्री बग्गा सिंह सपुत्र श्री हरनाम सिंह वासी कपूर-थला।

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा कि नं 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवदा है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्रापेक्ष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाम्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रष्टवाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं शर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

1/4 कोठी जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2371 जनवरी 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता घधिकारी कपूरथला में है।

> वी॰ ग्रार॰ सगर, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 23-9-75

जनवरी 1975

प्ररूप माई० टी० एन० एस०-----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (मिरीक्षण) का कार्यालय भ्रजीन रेंज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 23 सितम्बर 1975

निदेश सं० के० पी० एल०/153/76-76—यतः मुझे वी० आर० सगर
आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- रु० से प्रधिक है और जिसकी सं० 1/4 कोठी है तथा जो कपूरथला में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कपूरथला में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से ध्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ध्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, 'उक्त भ्रधिनियम', के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11)या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः जब उक्त ग्रिधिनयम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में मैं, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-घ उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रयीत्:—

- श्री सुरिन्द्र नाथ सपुत्र ग्रार० बी० दुर्गा (ग्रन्तरक)
 दास वासी कपूरथला जी० ए०
 श्री दिपन्त्र नाथ।
- 2. श्री मनजीत सिंह संपुत्र श्री बग्गा सिंह (ग्रन्तरिती) संपुत्र श्री हरनाम सिंह वासी कंपूरथला।
- 3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

कोई व्यक्ति जो सम्बक्ति में रुचि रखता
 है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो 'उक्त घिधनियम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रथं होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 कोठी जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2540 जनवरी 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी कपूरथला में है।

> वी० आर० सगर सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंअ श्रमृतसर

तारीख: 23-9-75

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय प्रजीन रेज, प्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनाक 23 नवम्बर 1975

निदेश सं० के० पी० एल०/154/75-76--- यतः मुझे वी० ग्रार० सगर अधिनियम, आयकर 1961 (1961 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से ग्रौर जिसकी सं० कोठी जो कपूरथला में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्री-कर्ता मधिकारी के कार्यालय कपूरथला में रजिस्ट्रीकरण प्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के म्रधीन, तारीख जनवरी तथा प्रप्रैल 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अम्तरित की गई है

और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रसिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रिष्ठक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे दक्ने में सुविधा के लिए; और /यां
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घम या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुनिधा के लिए;

अतः अन, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- श्री सुरिन्द्र नाथ सपुत्र ग्रार० बी० (अन्तरक)
 दुर्गा दास वासी कपूरथला जनरल
 भ्रटानीं श्री दिपन्द्र नाथ।
- 2. श्री जरनैल सिंह सपुत्र श्री बग्गा सिंह (अन्तरिती) श्री मेजर सिंह सपुत्र श्री बग्गा सिंह तथा श्री मनजीत सिंह सपुत्र श्री बग्गा सिंह वासी कपूरथला।
- 3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

 कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2371 तथा 2540 जनवरी, 1975 सथा श्रप्रैल 1975 की रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी कपूरथला में है।

> (वी० श्रार० सगर) सक्षमप्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 23-9-1975

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन• एस•-----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,

मर्जन रेंज-III, भ्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनाँक 20 सितम्बर 1975

निर्देश सं० 350/ए०सी० १यू० 23-463/6-1/75-76--श्रत:, मुझे, पी० एन० मित्तल, श्रायकर श्रधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- ४० से मधिक है म्रौर जिसकी सं० न्यु सर्वे नं० 633 कुल माप 20207 वर्ग गजा जमीन है तथा जो कलानी रोड, एरलादरा रोड, अडौदा में स्थित है) श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय बड़ौदा में रजिस्टीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 5 फरवरी 1975 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से उसके दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का बाजारम्ल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से श्रधिक है भौर भन्तरक (भन्तरकों) भौर मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त म्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती ब्रारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

- 1. श्री शशीकुमार देवीदास श्रोफ़, एचसेल एस्टेट, एस० थी० रोड, गोरेगांव (वैस्ट) बम्बई-400062 (श्रन्तरक)
- 2. श्री प्रिंसीपल ग्राफिसर, ट्रांस्पेक इंडस्ट्री प्रा० लि०, 635, कालाली रोड, एरलोदरी, बडौदा (ग्रन्तरिती)
- 3. श्री प्रिंसिपल ग्राफिसर, कालाली कैमिकल्स प्रा० लि०, 635, कालाली रोड, एरलोदरी, बड़ौदा (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटिशारण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो 'उक्त ग्रीधिनियम', के ग्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली आमीन का वह भाग जो कालाली रोड, एरलोदरी रोड, बड़ौदा में स्थित है ग्रीर जिसका न्या सर्वे नं० 633 ग्रीर कुल माप 4-28 गुंधा श्रर्थात् 20207 वर्ग गज है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी बड़ौदा के फरवरी 1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 927 में प्रविशत है।

> पी० एन० मित्तल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II ग्रहमदाबाद

विनांक 20 सितम्बर 1975। मोहर: प्रारूप० भ्राई० टी० एन० एस०----

म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रमीन सूचना

भारत सरकार

सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय म्रर्जन रेंज,

60/61, एरंडवना, कर्वे रोड, पूना 411004

पुना-411004 दिनांक 26 सितम्बर 1975

निर्देश सं० सी० ए० 5/थाना/मार्च 75/234/75-76— यत:, मुझे, एच० एस० ग्रौलख,

श्रायकर श्रधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु० से श्रिधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 21-एच० नं० 4 पार्ट तथा 8 (पार्ट) है तथा जो चेंदणी, थाना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबक श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिक्षकारी के कार्यालय थाना में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक मार्च 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्रह प्रतिशत के श्रधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भ्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धनकर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रत. श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत्

- 1. श्रीमती लीलाबाई नारायण चौधरी, ख्रार० बी० III 3-6, रेलवे क्वार्टर्स, कोकबाडा, बम्बई (ग्रन्तरक)
- 2. मैं ० राजपाल बिल्डर्स, सोलंकी सदन, शिवाजी पथ, थाना। (श्रन्तरिती)
 - (1) श्री पी० जी० बोरडे,
 - (2) श्री बी० पी० तनपुरे,
 - (3) श्री एम० एन० सुप्रे,
 - (4) श्री डी० एम० खोपडे,
 - (5) श्री एस० एल० सालकर,(वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविष, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखत में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

म्यू० कौन्सिल स० नं० 21-एच०, मं० 4 (पार्ट) स० नं० 21-एच० नं० 8 (पार्ट), क्षेत्रफल 808 वर्ग यार्डस फीहोल्ड स्रोपन प्लाट मकान सहित, मैंजे चेंदणी, जि० थाना।

> एच० एस० श्रीलख सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक 26 सितम्बर 1975 मोहर। प्ररूप ग्राई०टी०एन०एस०-

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, बैंगलर

बैंगलूर, दिनांक 24 सितम्बर 1975

निर्देश सं० सी० घ्रार० 62/4024/74-75--यतः, मुझे, भ्रार० कृष्णमूर्ति, भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त ग्रधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ए० से ग्रिधिक हैं श्रीर जिसकी सं० 163 (एक भाग) है, तथा जो मैन रोड: ष्टोशादरी पुरम, (**डि**वीजन नं० 7) बंगलूर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्द्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय गांधीनगर बैंगलूर दस्तावेज नं० 5441/74-75 में भारतीय राजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 19 मार्च 1975 को पूर्वोक्त उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भ्रन्तरित की गई है भ्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रधिक है और यह कि श्रन्तरक (अन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत 'उक्त ग्रिधि-नियम', के श्रधीन कर देने के अन्तरक दायत्वि में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उनत श्रिधिनियम', या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव 'उक्त श्रधिनियम' की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, मैं, 'उक्त श्रधिनियम', की धारा 269व की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात :--

- 1. श्री डी० मरिथपा सुपुत्र लेट वी० देवप्पा, नं० 3, किलारी रोड, बैंगलूर-2। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री खी० जे० कनधावी सुपुत्र लेट श्री जीवनदास जे० खण्डारी, नं० 15, विश्वनाथ राव रोड, माधव नगर, बैंगलूर। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सबंध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्सबन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति, द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज नं० 5441/74-75 दिनांक 19 मार्च 1975)।

खाली जमीन का भाग नं० 163, I_{3}^{2} मैन रोड, शेषादरी पुरम, बैंगलूर (डिबीजन नं० 7)।

क्षेत्रफल :--पूर्व--पश्चिम 30' उत्तर--दक्षिण 55' 1650 वर्गफीट

सीमाएं :---

ं उत्तर : IV कास, नागम्पा स्ट्रीट,

दक्षिण : डा० नजप्पा की जमीन नं० 162,

पूर्व : अमीन नं० 163 का बाकी भाग जो बेचने

वाले के पास है।

पश्चिम : पी० एन० राजगोपाल की आमीन।

श्चार० कृष्णमूर्ति सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्चायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, बैंगलुर

तारीव: 24-9-75

मोहर∤ः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज बैंगलूर का कार्यालय, बैंगलूर, दिनांक 24 सितम्बर 1975

निर्धेश सं० सी० श्रार० 3832/74-75/एक्यू० (बी०)---यतः, मुझे, भ्रार० कृष्णमूर्ति, म्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें भ्रधिनियम' कहा गया इसके पश्चात 'उ**क्**त

की धारा 2.69-खा के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका 25,000/- र० से अधिक है उचित बाजार मृल्य ग्रौर जिसकी सं० 59/8 (पुराना नं० 7) है तथा औ सर्वे नं० 113 दोड्डिगुंटा चार्लस कैम्पल रोड, काक्स टाउन, सिविल स्टेशन, बैंगलूर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधि-

कारी के कार्यालय, शिवाजी नगर, बैंगलूर में रजिस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन दिनांक 12 मार्च 1975

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा केलिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :---

- 1. श्री एम० सैयद इश्राहिम सुपुत्र लेट सैयद मोहम्मद साहब, 67, विल्लियम्स टाउन, बैंगलूर
- 2. (1) श्री के० ए० मान्यु सुपुत्र रे० फा० के० एम० ब्रजाहाम किस्टियन,

(2) श्रीमती एस्सी मान्यु सुपुत्री एम० ए० कोरत पस्नी कें० ए० मान्यु, नं० 89 डिकोस्टा स्कायर, बैंगलूर (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख मे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूर्वा

(दस्तावेज नं० 4117/74-75 दिनांक 12 मार्च 1975) L

खाली जमीन सम्पत्ति कारपोरेशन नं० 59/8 (पुराना नं० 7, चार्लेस काम्पल रोड, जो 59/1 नं० का एक भागया भौर जो पहले नं० 113 वोङ्किगुंटा का भाग था) चार्लस कैम्पल रोड, (एक्सटेन्शन) काक्स टाउन, सिविल स्टेमन, बैंगलूर, कारपोरेशन डिवीजन नं० 49 में स्थित।

क्षेत्रफल:---उत्तर-दक्षिण 44' वर्ग फीट

सीमाएं :---

 59/1-भी० ग्रीर 59/1 चार्लस काम्पल रोड, उत्तर

का एक भाग।

ः बैयप्पन हल्ली जाने वाली सड़क जो चार्लस दक्षण काम्पल रोड नाम से है।

पूर्व : 59/1, चार्लंस काम्पल रोड का एक भाग जो निजी उपयोग के लिए है।

पश्चिम : 59/1 जो बाद को जो जनाब नूर मोहम्मद की सम्पत्ति है जिसका नया नं० 59/7 चार्लेस काम्पल रोड है।

> म्रार० कृष्णभूति सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख: 24-9 75

मोहरः

प्ररूप माई० टी० एन० एस०--

भायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा, 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 27 सिसम्बर 1975

सं० घ्रार० ए० सी० 126/75-76—यतः मुझे, के० एस० वेंकटरामन,

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), इसके की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से फ्रिधिक है श्रीर जिसकी सं० 5-2-992 निझामशाही रोड है, जो रिसाले श्रब्दुल्ला में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनूसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 4-2-1975 को पूर्वीवन सम्पत्ति उचित बाजार मृत्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए भ्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुस्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक रकों) और भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं कियागया है:--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, 'श्रायकर अधिनियम', 1961 (1961 का 43) के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त भिधिनियम', या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रब 'उक्त ग्रधिनयिम', की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, 'उक्त ग्रधिनियम', की धारा 269-घ की उपघारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:— 1. (1) श्री रमेशचन्द्रर पुत्र जगन्नाथ द्वारक } (2) प्रकाशचन्द्र पुत्र जगन्नाथ द्वारक } 14-5-220, नगरखाना बेगम बाजार, हैदराबाद (धन्सरक)

(1) श्री मोहम्मव ग्रब्सुल हाफीज
पुत श्रब्दुल गफूर
 (2) श्री मोहम्मद ग्रब्सुल ग्रजीज
पुत भ्रब्दुल गफूर
 (धन्सरिती)

3. (1) श्रीमती तारादेवी पत्नी संतोध गोयल (2) विकास गोयल पुत्र सुभाध गोयल, श्रवस्यक, पालक पिता द्वारा श्री सुभाध गोयल, 3-4-886/1 बरकत पूरा हैदराबाद (वह व्यक्ति जिसके धारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है)।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मलगीं जिसका नं० 5-2-992, निजाम शाही रोड़, रिसाले श्रब्दुल्ला, हैदराबाद, जिसका क्षेत्रफल 322.50 वर्ग गज है।

> कें० एस० वेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, हैवराबाद

तारीख: 27-9-1975

प्रकप आई० टी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-I अहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 25 सिसम्बर 1975

निदेश सं० एक्यू 23-रि-660 (229) 5-1/75-76—-श्रतः, मुझे, जे० कथ्रिया,

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रिधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० 2275 ए है तथा जो कृष्णा नगर, भावनगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण

रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, भावनगर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक 24-2-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि. यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरिक (अन्तर्कां) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत जक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ध्रान्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब उक्त ग्रधितियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधितियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- (1) श्रीमती लिलताबेन यश्वंतराय मोदी
 (2) श्री पंकज यश्वंतराय मोदी, "कृष्णा कुंज"
 प्लाट नं० 2174, श्राताभाई रोड, भावनगर
 (श्रन्तरक)
 - (2) श्री हरीण कुमार सावदास पटेल कुबेर पटेल शेरी, कनवीवाड, भावनगर (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुँ।

उक्त मम्यत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संकंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

खुली जमीन जिसका कुल माप 1125 वर्ग गज है श्रीर जो प्लोट नं० 2275 ए, कृष्णानगर, भावनगर में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख में निर्देशित है।

> जे० कथूरिया सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

तारीख: 25-9-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

श्रायकर भ्रोधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन-रेंज I ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक सितम्बर 1975

निदेश सं० एक्यू 23-I-661(230)/16-6/75-76— श्रतः मुझे जे० कथूरिया

भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है),

की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रधिक है श्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 626 प्लाट नं० 23, है, तथा जो गवर्नमेंट सर्वेंट सोसायटी, ए० जी० श्राफिस के समीप, राजकोट में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन फरवरी 1975 में पूर्वोंक्त सम्पत्ति के जिचत

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रिधिक है श्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या भ्रन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत :---

- (1) श्री त्रंबकलाल मनीशंकर ग्राचार्य "चैतन्य", 13, जगनाथ प्लोट, राजकोट (ग्रन्तरक)
- (2) श्री भूपत लाल खीमजी लाडवा, प्राध्यापक : महिला कालेज, कालवाड रोड, राजकोट (श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शक्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका कुल माप 305.7 वर्ग गज है तथा जो सर्वे नं० 626 प्लोट नं० 23, गवर्नमेंट सर्वेटस सोसायटी, ए० जी० ग्राफिस के समीप स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख में निर्देशित है।

> जे० कथूरिया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-! ग्रहमदाबाद।

दिनोक: 25-9-1975

प्ररूप भाई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

स्रर्जन रेंज-1 श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक सितम्बर 1975

निवेश सं० एक्यू 23-I-610 (231) 16-1/75-76---म्रत: मुझे, जे० कथूरिया,

प्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के म्रघीन सक्षम प्राधिकारी को, विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है ग्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 245 प्लोट नं० 3 है, तथा जो पाटीदार ब्राइल केक इंडस्ट्रीज के पास, धोराजी में स्थित है (ब्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, घोराजी में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन फरवरी 1975 में को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के पृथ्यमान प्रतिफल भ्रन्तरित लिए की

प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई
है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
बृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक
है भौर धन्तरक (ग्रन्तरकों) और धन्तरित (भन्तरितियों) के शैच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी ध्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के घ्रधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी स्राय या किसी धन या स्रत्य स्नास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर स्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए धा, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः ध्रवः, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के धधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों अर्थातुः--

- (1) श्री जीवा देवशी मावानी चाराखडी फालिया, धोराजी (ध्रन्तरक)
- (2) सौराष्ट्र फैट्स एण्ड प्रोटीनस इन्डस्ट्रीज, श्रपने सहिचारी श्री भगनलाल नाथूभाई द्वारा, स्टेशन रोड, धोराजी (श्रन्सरिती)

को <mark>यह सूजना जारी करके पूर्वोक्</mark>त सम्पत्ति के घर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हंं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षण :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रघोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के भध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रथं होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन, जिसका कुल माप 16698-0 वर्ग गज है श्रौर जो सर्वे नं० 245, प्लोट नं० 3 पर पाटीदार श्राइल इन्डस्ट्रीज के पास, घोराजी में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख में निदेशित है।

> जे० कथूरिया सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I श्रहमवाबाद

विनांक :25-9-1975

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घार। 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन-रेज । ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक सितम्बर 1975

निदेश सं० एक्यु 23-I-517 (232)/16-6/75-76—
ग्रत: मुझे जे० कथूरिया
ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम ग्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित ग्राजार मूल्य 25,000/- रुपये से श्रिधक है
ग्रीर जिस की सं० सर्वे नं० 391-ए हैं, तथा जो स्ट्रीट नं० 17
पचनाथ प्लाट, राजकोट में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनसूर्चा
में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है),रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय,
राजकोट में रजिस्ट्र करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के ग्रिधीन ता० 13-2-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी घन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम या घन-कर श्रिधिनियम, 1957(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः ग्रब उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात:—— 4—296G1/75

- (1) श्री रतिलाल प्रेम चन्द भाई शाह दालापीठ. राजकोट (श्रन्तरक)
- (2) श्री जयंतिलाल मगनलालभाई वलारिया, शक्ति मौराष्ट्र कार्पोरेशन गरेडिया कृता लेड, राजकोट (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सध्यक्ति के अर्जन के लिए कार्यक्षाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजीन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तिओं पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-नद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्प क्षीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो मंजिला मकान जो 123.6 वर्ग गज खुली जमीन पर, स्ट्रीट नं० 17, पंचनाथ प्लोट, राजकोट पर स्थित है जैसा कि राजस्ट्रीकृत विलेख में निर्देशित है।

> जे० कथूरिया सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज-ा भ्रह्मदाबाद

दिनांक : 25-9-1975

मोहर: .

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 22 सितम्बर, 1975

निर्देश सं० आई 1/1091-3/फरवरी, 75—-अतः मुझे एन० के० शास्त्री सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, बम्बई, श्रायकर श्रधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है, कि अस्थाई सम्पति जिसका उचित बाजार मूल्य 25-000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सी० एस० नं० 3527, भुलेंश्वर डिवीजन है, जो खोजा स्ट्रीट में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 17-2-75 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित स्पक्तियों, अर्थात्:---

श्री प्रब्दुल्लाभाई मूल्ला कलीमुद्दीन

(भ्रन्तरक)

2. श्री सालेभाई भ्रादमधली और भ्रन्य

(भ्रन्तरिती)

 किरायेदार (वह व्यक्ति जिसके प्रधिमोग में सम्पति है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्तअधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसृची

बम्बई नगर एवम बम्बई उपनगर पंजीकरण जिले तथा उप-जिले के प्रन्तर्गत बम्बई फोर्ट रहित नल बाजार के निकट खोजा स्ट्रीट पर स्थित 361 वर्ग गज के समत्रुख्य 301 वर्ग मीटर के लगभग वह समूचा भू-भाग प्रथवा रचनांश प्रथवा उन्मुक्त भूमि घौर किरायेदारी को जमीन श्रौर उस पर श्रवस्थित तेरह कमरों को निवास-गृहाबली ग्रथवा चाल-भवन, जिसकी सीमायें यानी पूर्व में ग्रथवा पूर्व की ग्रीर सफाई कामगार पथ ग्रीर तत्पश्चात याहियाभाई इक्राहीम तथा अन्यों को सम्पत्ति, पश्चिम में अथवा परिश्म की ओर बाडा इमाम रोड, उत्तर में भ्रथवा उत्तर की श्रोर खोजा स्ट्रीट कास लेन और दक्षिण की भोर इरस्काइन रोड से भिरी हुई है भौर म्यु-निसिपल कलक्टर द्वारा निवर्तमान सं० 85 श्रीर इस समय के सी० 7232 श्रौर 7233 तथा पुरानी सं 1-21 और 23-27 श्रीर वर्तमान स्ट्रीट सं 235 से 239 तक ग्रीर 241-259 खोजा स्ट्रीट ग्रीर 166-168 इरस्काइन रोड के म्रधीन मुल्यांकित तथा राजस्व समाहर्ता को पुस्तकों में पुरानी सं० 2846 श्रीर 2887 नवीन सं० 9828 श्रीर ए०/9828, पराना सर्वेक्षण सं० 2838 नवीन सर्वेक्षण सं० 1/4714 श्रीर 2/4714 कैंडस्ट्रल सर्वेक्षण सं० 3527 श्रौर उपर्युक्त खोजा स्ट्रीट के पूर्वोत्मुख भूलेक्वर डिवीजन के सामने 3527 के भाग के प्रधीन दर्ज है।

> एन० के० शास्त्री, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेंज-I, बम्बई

तारीख: 22 सितम्बर, 1975

प्ररूप माई० टी० एन० एस०----

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1)के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर घायुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास
मद्रास दिनांक 26 सितम्बर 1975

निदेश सं० IX/6/11/74-75--यतः मुझे, जी० रामनाथन म्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है श्रौर जिसकी सं० प्लाट सं० 4773, श्रन्ना नगर है, जो मद्रास में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, वेस्ट मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1975 को पूर्वोक्त सम्पक्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए **ग्रन्त**रित की गई है घीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भौर ग्रन्तरक (श्रन्तरकों) और ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्त-लिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर
- (ख) ऐसी किसी ध्राय या किसी धन या घ्रन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय ध्राय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः घर, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं उक्त घधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के धधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथति:—- 1. डाक्टर के० एम० सेलवराज, मद्रास -10

(ग्रन्तरक)

 डाक्टर एच० जान किरकपाट्रिक , तिरुवनन्टपुरम-3

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदद्वारा कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्त, में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी प्रन्थ व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त मिश्रिनियम, के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वहों भर्य होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

मद्रास, नडुवक्करै गांव, घ्रन्ता नगर प्लाट सं० 4773 में एक ग्रोन्ड ग्रौर 1116 स्क्वायर फीट की भूमि ग्रौर मकान (ग्रार० एस० सं० 13/5 ग्रार०/4 भाग) ।

> जी० रामनाथन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 26-9-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 25 सितम्बर 1975

सं० श्वार० ए० सी० 11 1/75-76—यतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन ,

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- ६० से अधिक है और जिसकी सं भाग 16-8-242 कालांडेरा, ह, जो मलकपेट हैंदरावाद में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्याव्य श्राजमपुरा, हैदरावाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 16-2-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अचित बाजार मूल्य से कम के पृथ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का अचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाथा गया प्रतिफल, निम्नालिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; और/श्रीर
- (ख) ऐसो किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण म, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रिधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, श्रिधीन :---

- 1. (1) श्रीमती महमदी बेगम भौर
 - (2) मुहम्मद मसीहूदीन फारूकी मकान नं० 16-8-242, काला डेरा मलकपेट, हैदराबाद।

(श्रन्तरक)

 इसमाईल एच० श्रजीज, बेगम बाजार, हैदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अभुसूची

सम्पत्ति: बाग घर नं० 16-8-242, पहला भाग वेस्टर्नं 378 वर्ग यार्ड, काला डेरा मलकपेट, हैदराबाद।

के० एस० वेंघटरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 25-9-75

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 25 सितम्बर 1975

सं० भ्रार० ए० सी॰ /25/75-76----यतः मुझे के० एस० वेंकटरामन,

भायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 16-9-682, पुराना मलकपेट है, जो हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय आजमपुरा हैदराबाद में भारतीय र्रेड जिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 27-2-1975 को

पूर्वोक्त सम्पक्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितयों) के बोच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस 'उक्त श्रिक्षिनयम' के अक्षीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन: अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:—

- श्रीमती रायनी विमालम्बा पत्नी सुभानाद्री चौधरी, राजेन्द्रानगर,
 - गुडीवाडा, पी० ग्रो० कृष्ना जिला । (भ्रन्तरक)
- 2. (1) डाक्टर े० नारायना राव
 - (2) डाक्टर के० ललीता,
 - (3) डाक्टर वी० हेमाकुमार, मार्फत जी० पी० ए०, के० वीरास्वामी, नायडु,घरन० 3-4-876 बरकत पुरा,हैदराबाद (ग्रन्तरिती)
- नाजीम जीरात,
 भ्रान्ध्र प्रदेश सरकार

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

 4. नाजीम जीरात, श्रान्ध्र प्रदेश सरकार, हैदराबाद
 (वह व्यक्ति जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त वाक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पात्र लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शक्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति : घर नं० 16-9-682, 1000 वर्ग यार्ड, निकाल देकर जी० टी० राव को बेच दिये। पहले ही पुराना मलकपेट, हैदराबाद।

> के० एस० वेंकटरामन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण), घ्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 25-9-75

प्ररूप भाई० टी० एन० एस० -

प्रायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण) भार्जन रेंज, भ्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 26 सितम्बर 1975

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रिधिक है

भीर जिसकी सं ० सर्वे नं ० 373, प्लाट नं ० 24 है, तथा जो कर्सन बावा लेन्ड, वार्ड नं ० 7, मावडी प्लाट, राजकोट में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता भिधकारी के कार्यालय राजकोट में रिजस्ट्रीकरण भिधनियम 1908 (1908 का 16) के भिधीन फरवरी, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
भन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्रह
प्रतिशत से मधिक है भौर भन्तरक (अन्तरकों) भौर भन्तरिती
(अन्तरितयों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कवित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

भत: अब, उक्त मधिनियम, की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त मधिनियम, की धारा 269-म की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों भर्षात:——

- 1. (1) श्रीमती जसवन्ती प्रमीद चन्द्र भाई शाह
 - (2) श्री प्रमोद चन्द्र वी० शाह, ''श्री खेरा निवास'' दीवान पारा-2, राजकोट। (भ्रन्तरक)
- श्री भ्रतिल मैन्युफैक्चरसं, सैन्द्रल बस स्टेशन के सामने, श्रेबर भाई रोड, राजकोट।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

जनत सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की शारी का से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रचल सम्पत्ति जो 706 वर्ग गज जमीन पर स्थित है जिसका सर्वे नं० 373, प्लाट नं० 24 है तथा जो कर्सन बाबा लैन्ड वार्ड नं० 7, भावडी प्लाट राजकोट में स्थित है तथा जो पूर्व से 30 रोड, पश्चिम में प्लाट नं० 23, उत्तर से 25, रोड श्रौर दक्षिण में प्लाट नं० 60 द्वारा घिरा हुआ है।

> जे० कथ्रिया सक्षम प्राधिकार. सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, ग्रहमदाबाद

तारीख: 26-9-75

प्रकप आर्घि० टी० एस० एस०———— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- ध(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर दिनांक 24 सितम्बर, 1975

निदेश सं० सी० ब्रार० 62/3735/74-75---थतः मुझे. ब्रार० क्रुष्णामृति

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से श्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 29,46/12, 27, 28, 38841 (1 एक 32 गुनटे) है, जो बिलेक हल्ली, बेलून होब्ली, बैंगलूर सौत तालुक में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय बैंगलूर, सौत तालुक में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन 1-2-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है;

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती कारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

मत: अब उक्त मिधिनियम, की, धारा 269-ग के मनु-सरण में, मैं, 'उक्त मिधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ममीन निम्नलिखित व्यक्तियों मर्थात्:— श्री एल० एस० रामलिनगप्या पिता पटेल सिह्नौडा नं० 13, सौतएन्ड, बसवनगुडि, बैंगलू र सिटी।

(भ्रन्तरक)

 श्री सी० गोविन्दप्पा, सुपुत्र चिक्कन्ता, सारक्कि श्रग्रहारा, वैगशूर सौत तालुक।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्वच्हीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पदों का, जो उक्त ध्रधिनियम, के ध्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही ध्रर्ष होगा, जो उस ध्रध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन सर्व न ० 29, 46/12, 27, 28, 38841---1 एकड़ 32 गुनटे, बिलेकहल्ली, बेगूर होब्ली, बेगलूर सौत तालुक।

सीमा:

पूर्वः : भ्रन्तरिती की जमीन

पश्चिम : : रोड

उत्तर : सकीरी नाला

दक्षिण : श्ररसप्पा की जमीन

दस्तावेज नं ० 8 3 6 0 / 7 4 - 7 4 ता ० 1 - 2 - 7 5

ग्रार० क्रुष्णामूर्ति सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बैंगसूर

तारीख: 24-9-1975

प्रकृप आई० टी० एन० एस०-----

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायक्तर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ष्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 24 सितम्बर 1975

निदेश सं० सी० ार० 62/3736/74व75---यतः मुझे प्रार० कृष्णमूर्ति अधिनियम, **आय**कर 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचितवाजार मूल्य 25,000/- रुपयेसे अधिक हैं। भौर जिसका सर्वे नं० 39870 है, जो (3 एकड़ 21 गुनटे) बिलेकहरूली में बेगूर होल्की, बैंगलूर सौत तालुक स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बैंगलूर सौत तालुक दस्तावेज नं० 8361/74-75 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 1-2-1975 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित आजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वासकरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया पया प्रतिफल, निम्नलिखित उरेप्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप मे कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दैने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे सबने में सुविधा के लिए; और
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के सक्रीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:——

- श्रीमती बी० एस० सावित्री देवी पुत्री एच० सुक्वय्या नं० 12/6 भाडल स्ट्रीट, बसवनगुडी बैंगलूर सिटी । (श्रन्तरक)
- श्री सी० गोविन्दप्पा पुत्र चिकन्ना सारक्की श्रग्रहारा, बैंगलूर सौत तालुक।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसू ची

जमीन सर्वे नं० 39870--2एक 5 21 गुनटे, विलेकहल्ली बेगूर होवली, बैंगलूर सौत तालुक । सीमा

पू: हनमन्त देव "मान्य" जमीन ।
प: सर्वे नं० 38 में भ्रन्तरिती की जमीन।
उ:सरकारी नाला।
द:सरकारी नाला।
दस्तावेज नं० 8361/74-75 ता० 1-2-75।

श्रार कृष्णमूर्ति सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज बैंगलूर

तारीख: 24-9-1975

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 20 सितम्बर 1975

निदेश सं० सी० भ्रार० 62/3796/74-75 यत: मुझे ग्रार० कृष्णमूर्ति

भ्रधिनियम, ग्रायकर 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) धारा 269-ख के अधीन सक्षम को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है भीर जिसकी सं ० सैट नं . 499 है, जो राजमहल विलास एक्सटेन-शन बैंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधाकारी के कार्यालय, गान्धी नगर बैंगलुर दस्तावेज नं० 4835 में भारतीय रजिस्टीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 5-2-1975 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिट्टीकृत विलेख के प्रनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित - नहीं किया गया है: ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी भारने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः ग्रब उ≉त ग्रिघनियम की धारा 2.69-ग के **श्रनुसर**ण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रभीन निम्मलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात् :---

 श्री ए० श्रीरामय्या पुत्र स्वर्गीय श्री ग्रनजनप्पा जनक्र गांव, एलहनका होब्ली, बैंगलूर नार्त तालुक।

2. श्रीमती निर्मला शनकर पत्नी जी० एम० भवानी शनकर, नं० 30 ''श्रमबाप्रसन्ना" नहरू सर्कल, बैंगलूर-20।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचनाके राजपन में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की ग्रवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों २र सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (बा) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जासकेंगे।

ल्पव्योकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ध्रिधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसुची

रिक्त भूमि नं० 499, IX कास रोड, राजमहस विलास एक्सटेनशन, बैंगलूर । डिविजन 45।

क्षेत्रफल: पू० प० $75' \times 76'$

उ० द० 48′≔3628

सीमा :

वर्ग फीट

उ:सैंट नं० 498:

द: सैट नं० 500

पू : रोड

प: सैंट नं० 5-13

दस्तावेज नं० 4835/74-75 ता० 5-2-75

श्रार० कृष्णमूर्ति

सक्षपम प्राधिकारी

सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण). तारीख: 20-9-1975 श्रर्जन रेंज बैंगल्र

14-2-1975

प्र**रू**प आई० टी० एन० एस०————

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

भायालिय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज, बैंगलूर

बैंगसूर, दिनांक 24 सितम्बर 1975

निर्देश सं० सी० थ्रार० 62/3849/74-75—
यतः, मुझे %।र० कृष्णसूर्ति
श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/— ६० से अधिक है
भौर जिसकी सं० 54 है, जो इनडमट्रीयल सबर्ब, राजाजीनगर,
वैगलूर-22 में स्थित है (श्रौर इसे उपाबद्ध अनुसूची में, श्रौर
पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजट्रीकर्ता श्रिथकारी के कार्यालय,
राजाजीनगर, श्रैंगलूर (दस्तावेज नं० 6692/74-75) में भारतीय
रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमाम प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अनारण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ज्ञास्तियों को, जिन्हें मारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः स्रव उक्त श्रिवित्यम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधित्यम की धारा 269-व की उपधारा (1) के श्रिधीत निम्निलिख व्यक्तियों, स्रर्थात् :---

- (1) श्री बी० ग्रार० सुन्नमनयम पुत्र श्री बी० राज मदालियार
 - (2) श्री टी० जयप्रकाण पुत्र श्री सी० तनिकाचलम राजा स्नो राजम्मा निलयम, नं० 209 एस०सी० रोड शेशादरीपुरम, बैंगलूर 20। (श्रन्तरक)
- मैं वोरियन केमिकल्स एण्ड इंडस्ट्रीयल लिमिटेड, 114, मौबेस रोड, श्रजवारपेट मद्रास-18——द्वारा प्रवन्ध निर्देशक श्री पी० गोविन्दास्यामी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

यक्त सम्यक्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :- →

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील मे 30 दिन की श्रविध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में मे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब के किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फैक्ट्री सैट नं० 54, इंडस्ट्रीयल सबर्ब, राजाजीनगर, यशवन्ता-पुर, बैंगलूर-22।

इमारतें, बोरवेल श्रौर बगीचा सहित। क्षेत्रफल पू० प० 195' उ० द० 251' + 154'

> ----= 4486 2 वर्ग गज

सीमा

पूर्व: 60' रोड ।

पश्चिम: सैंट नं० 41 उत्तर: सैंट नं० 53

दक्षिण: 60 फुट रोड

दस्तावेज नं० 6692/74-75 तारीख 14-2-75

धार० कृष्णमूर्ति सक्षम प्राधिकारी

तारीख: 24-9-75 सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

मोहर:

ग्रर्जन रेज, बैंगलूर

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद दिनाँक 25 नवम्बर 1975

सं० ग्रार० ए० सी० 113/75-76—यतः मुझे के० एस० वेंकटरामन

मायकर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त म्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ख के म्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से म्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० भाग 16-8-242 काला डेरा मलकपेट, हैदराबाद में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्राजमपूरा हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 18-2-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रिधिनियम, के श्रिधीन कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित ज्यक्तियों, अर्थात :---

- 1.(1) मौहमद बेगम पत्नी स्वर्गीय हकीम मौहमद मौजूदीन फरूकी मार्फत कारखाना जीनदा तिलासमठ, अम्बरपेट, हैंदराबाद।
 - (2) मुह्मम्द मशुद्दीन फारूकी पुत्र स्वर्गीय हकीम मुह्म्माद, मौजूद्दीन फ़रकी, मार्फत कारखाना जीनदा, तिलासमठ श्रम्बरपेट, हैदराबाद। (श्रन्तरक)
- 2. श्री इबराहीम एच ग्रजीज बेगम बाजार, हैदराबाद। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण—- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उम्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति : नार्द्रन मिडल भाग—धर नं० 16-8-242 पहला फ्लोर भाग 230 वर्ग यार्ड, काला डेरा मलक्पेट है दराबाद।

> के० एस० वेंकटरामन सक्षम **प्रधिकारी** सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदरासाद

मोहर :

तारीख: 25-9-75

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

धायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन-रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाँक 25 सितम्बर 1975

सं० श्रार० ए० सी० 111/75-76----यतः मुझे के० एस० वेंकटरामन
श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है श्रौर जिसकी सं० भाग नं० 16-8-242 कालाडरा है, जो मलक पेट में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्राजमपूरा हैवराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 12-2-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (आ) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रव उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत:—

- (1) मुह्म्मदी बेगम पत्नी हकीम मुह्म्मद मौजुद्दीन फारुकी
- (2) मुहम्मद मसीउद्दीन फारुकी कारखाना जिनदा, तीलासमठ श्रम्बरपेट हैदराबाद। (श्रन्सरक)

2. वहीद श्रजीज का बेटा नं० 16-8-242 काला डेरा मलकपेट हैदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भाग नं० 16-8-242 काला डेरा, मलकपेट हैदराबाद विस्तृत 354 सकेयर वर्ग यार्ड

> के० एस० वेंकटरामन सक्षम प्रधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

तारी**ख**: 25-9-75

अर्जन रेंज, हैदराबाद

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 25 सितम्बर 1975

सं अप्रार ए ए सी ० 110/75-76---यतः मुझे के ० एस० वेंकटरामन ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है ग्रौर जिसकी सं० एस० नं० 887 मिरयालगुडा है, जो नलरानिड्डी में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौरपूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय मिरयालगुड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन 1-2-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के

बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं

किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन करदेने के अभ्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आयया किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सर्तिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. श्री डिडुगु चेना केशवराव नं० 11-33 मिरयालगुडा नलगोंडा जिला (श्रन्तरक)
- श्रीमती कनती सननडा पस्नी चन्द्र शेखर नं० 26-17 मिरयालगुडा नलगौन्डा जिला (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के कार्यवाहियाँ करसा हूं।

उन्त सम्पत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वव्होकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दियां गया है।

अनुसूची

सूखी जमीन एकर्स 5.1936 वर्ग यार्ड सर्वे नं० 887 मिरयालगुडा के पास नलगौन्डा जिला।

के० एस० वेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 25-9-75

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

भार्यालय, सहायक ग्रायभर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्राई० ए० सी० (एक्युजीशन) रेंज-II कलकत्ता-16

कलकत्ता-16 दिनांक 23 सितम्बर 1975

निदेश सं० ए० सी० 28/श्रार०-II/कलकत्ता/75-76--श्रतः मझे द्यार०वी० लालमोया अधिनियम, (1961 新 43) 1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजारमूल्य 25,000√-रु०से श्रधिक है ग्रीर जिसकी सं० 8 ए० है तथा जो ग्रालिपुर रोड, कलकत्ता में स्थित है (ब्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ब्रौर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार श्राफ एसूरेन्स, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 11-1-1975 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के जिए;

म्रतः म्रब उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपघारा(1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयोत्:---

- श्री राजीव जिन्डाल, 8ए ग्रालिपुर रोड, (ग्रन्तरक) कलकत्ता ।
- श्रीमती सुशीला देवी मोदी, 55-क्यानिंग (भ्रन्तिरिप्ती) स्ट्रीट, कलकत्ता ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी अस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत ध्यक्ति यो में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

१०व्हीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति सं० 8ए०, ग्रालिपुर रोड, कलकत्ता, कादो तल्ला में 1978 वर्ग फुट क्षेत्रफल का,तीन **बेड-**रूम काप्लाट **है।**

> ग्रार० वी० लालमोया, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, 54, रफी ग्रहमद किदवई रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 23-9-1975

प्ररूप म्राई० टी० एन० एस०--

श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज 60/61 एरंडवना, कर्वे रोड, पूना 411004

. पूना 411004 दिनांक 23 सितम्बर 1975

निर्वेश सं० सी०ए० 5/हवेली-I/ग्रप्रैंल-75/——यतः मुझे, एच०एस० श्रौलखः '

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रिधिक है श्रीर जिसकी संख्या नं० 1086 फा० प्ला० 466 है तथा जो बम्बई, पूना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय हवेली-र, पूना में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, 17-4-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रधिक है श्रौर यह कि अन्तरक (श्रन्तरकों) श्रौर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिधिनयम के श्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भ्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

ग्रत: ग्रब उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रिथीत्:~~

- रिग्राल एस्टेट डेबलपमेंट कारपोरेणन, (ग्रा पूना।
- पार्टनर—(1) ब्रेमचन्द रतनचन्द बाफना 122 भवानी पेठ, पूना
 - (2) सुरेश, चतुर्भुज झंवर ''श्लीकृपा हाडसिंग सोसायटी, पूना-5
 - (3) श्रीमती इन्दुमती पूनमचन्द परमार, 10 गीता हाऊसिंग सोसायटी, पूना-1।
 - (4) सुरेश रतनचन्द बाफना, 122 भवानी पेठ, पूना (5) किरण र० बाफना।
- थीमती सरिता प्रतापरात्र शिकों (श्रन्तरिती)
 1205 शिवाजीनगर,
 ग्रापटे रोड, पूना-4।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किस व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीखंसे
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितंबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फायनल प्लाट न ० 466, सी० एस० न ० 1086, मकान सिंहत फाटका क्षेत्र—हे—0-49 प्रार०=52896 वर्ग फीट ग्रंगन: फीहोल्ड ग्रौर ग्रंगन: फीहोल्ड मकान का क्षेत्रफल—4000 वर्ग फीट

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत के विलेख क० 1025 दिनांक 17-4-75 को सबरजिस्ट्रार बम्बर्ड के दफ्तर में लिखा है)

> ए**च० एस० ग्रोलख** सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण)

नारीख: 23-9-75

श्रर्जन रेंज, पूना

प्रारूप० ग्रईं० टी० एन० एस०--

म्नायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 25 सितम्बर 1975

सं० भ्रार० ए० सी० 112/75-76--यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन

मायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह० से मिधिक है

स्रोर जिसकी बाग नं 16-8-242 कालाडेरा है, जो मलकपेट हैवराबाद में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अजमपूरा हैवराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908

का 16) के प्रधीन 15-2-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया अतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय के बाबत उक्त ग्रिधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसे किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव उधत ग्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत्

- 1. श्रीमती मोहमदी बेगम पति स्वर्गीय हकीम मोहमद मौजूद्दीन फारूकी C/o कार्खाना जिन्दा तिलिसमथ श्रम्बेरपेट, हैदराबाद (श्रन्तरक)
 - (2) मोहमद मशूदीन फारूकी C/o कारकाना जीन्दा तिलसमाथ ग्रम्बेरपेट, हैदराबाद
- 2. श्री श्रबदुलरहीम एच० नं० 16-2-242 ऐट काला डेरा मलकपेट, हैदराबाद। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की ग्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाध्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बढ़ किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नार्थ ईस्ट बाग घर नं० 16-8-242 कालाडेरा के पास विस्तीन 318 वर्ग यार्ड मलकपेट हैदराबाद।

> के० एस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 25-9-75

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायकत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, 60/61 एरंडवना, कर्वे रोड, पूना 411004

पुना, तारीखा 23 सितम्बर 1975

निर्देग सं० सी० ए० 5/बम्बई (थाना)/ग्रप्रैल 75/232--यत: मझे, एच० एस० श्रीलख **भायकर** ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के प्रधीन सक्षम मधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से भधिक है श्रौर जिसकी संख्या गटनं० 18, चिनकसर है तथा जो मानपाडा, थाना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रन्सुची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय बम्बई में, रिजस्दीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के **मधीन**, तारीख 2-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भ्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है ग्रीर श्रन्तरक (मन्तरकों) घीर मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) मन्तरण से हुई किसी माथ की बाबत, उक्त मधीन कर देने भन्तरक के दायित्व में कमी या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उदरा मधिनियम धनकर मधिनियम, 1957 (1957 के प्रयोजनार्थ धन्तरिती 27) द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रत: भव, उक्त भिधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, उमत प्रधिनियम की घारा 269-व की उपघारा (1) के धधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथीत् :---6-296GL

- श्रीकृष्ण बुलन मिल्स, प्रा० सिं० (भ्रन्तरक) 166 डी० एन० रोड, बम्बई-1
- 2. बाम्बे कार्ड लोदिंग कं लिल (ग्रन्तरिती) चिनकसर, मानपाडा, एस० व्ही० रोड, थाना ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोचत सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के ग्रजन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुबना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी **धवधि बाद में समा**प्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (बा) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख **खे** 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वन्तीकरण--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदी का, जी उक्त भ्रष्टिनियम, के ग्रध्याय परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस धाष्ट्रवाय में दिया गया है।

अनुसूची

की होल्ड लैन्ड गट ऋ० 18, विहलेज चिनकसर, मानपाडा, जी०बी० रोड, वानाः।

क्षेत्रफल:---4000 वर्ग यार्डस---3344 वर्ग मीटर्स

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत के विलेख क० 1451 दि० 2-4-75 सब-रजिस्टार बम्बई के दफ्तर में लिखा है।

> एच० एस० श्रीलख सक्षम प्रधिकारी सहायक भायकर ब्रायुक्त (निरोक्षण) म्रार्जन रेंज, पूना

नोहर:

तारीच: 23-9-75

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, 60/61 एरंडवना, कर्वे रोड, पूना 411004

पुना, दिनांक 23 सितम्बर 1975

निर्देश सं० सी० ए० 5/धुलिया/ग्रप्रैल 75/---यतः मुझे एच० एस० भ्रौलख **भ्रायकर भ्र**धिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000-/ ४० से प्रधिक है न्नौर जिसकी संख्या स \circ नं \circ 47/1, 47/2 है तथा जो माहिंदले, धुलिया में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय धुलीया में, रजिस्ट्री-कारण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 2-4-1975 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से भ्रधिक है भौर भ्रन्तरक (भ्रन्तरकों) श्रीर प्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम, के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात् :---

- ा. (1) श्री मारूती नारायण येवले, नवबुद्ध मोगलाई,
 - (2) श्री शंकर नारायण येवले, नवबुद्ध मोगलाई
 - (3) श्री श्रोकार नारायण येवले नवबुद्ध मोगलाई (ग्रन्तरक)
- 2 (1) श्री सखाराम नारायण सावंत, "सुयोग " बिल्डोंग, देवपूर, जि॰ धृलिया,
- (2) श्री पूंजा देवला पाटील, प्रौफेसर कांलबी, प्लाट नं० सी० देवपूर, जि०-धुलिया। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप -

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संब्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरण — इसमें प्रमुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रीधनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुजूची

सं० नं० 47/1 क्षेत्रफल 1 हे०--86 मार सं० नं० 47/2--क्षेत्रफल 5 हे ० 91--मार मौजे-महिदले। ता० मोर जि० धुलिया। (जैसे की रजिस्ट्रीकृत के विलेख क० 711 वि० 2-4-1975 को सब-रजिस्ट्रार धुलीया के वफ्तर में लिखा है)

> एम० एस० श्रीलख सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रेजैन रेंज, पूना

तारीख: 23-9-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2, दिल्ली-1

4/14-ए०, ग्रासफ ग्रली रोड़, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 22 सितम्बर 1975

निर्देश सं० माई० ए० सी॰/एक्यू०/11/875/75-76/3723---यत:, मुझे, चं० वि० गुप्ते

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० 47/26 है, जो ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-5-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के आक्षोन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

मत: भव उक्त भिधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, ग्रर्थात् :---

- 1. श्री सुरजीत सिंह, सुपुत्र श्री जैय सिंह, निवासी ए० (8) सी० कालकाजी, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- श्रीमती प्रवेश चड्डा, पत्नी श्री मंगल सेन चड्डा, निवासी
 47/15, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिमाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान जोकि एक किनारे वाले प्लाट पर जिसका क्षेत्रफल 200 वर्ग गज है श्रौर जोकि 47/26, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली में निम्न प्रकार की सिमाश्रों से घिरा हुश्रा है:

पूर्व: सड़क

पश्चिम: लेन

उत्तर: जायदाद नं० 27

दक्षिण: सड़क

चं० वि० गुप्ते सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली

त(रीख: 22 सितम्बर 1975

प्ररूप आई०टी०एन०एस०-

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज,

60/61 एरंडवना, कर्वे रोड, पूना-411004

पूना, दिनांक 18 सितम्बर 1975

निदश सं० सी० ए० 5/बंबई (थाना)/श्रप्रेल ' 75/229—
यत: मुझे, एच० एस० श्रीलख
श्रायकर श्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम,' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रिधिक है श्रीर जिसकी सं० नं० 143 (पार्ट) सं० नं० 152 (पार्ट) है तथा जो नवघर, थाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय बंम्बई में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 2-4-1975 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) म्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत 'उक्त म्रधिनियम' के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; भ्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रिधिनियम,' या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

भतः भव 'उम्त धिधनियम' की धारा 269-ग के भनु-सरण में, मैं, उमत श्रिधिनियम, की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:——

- में ० दालिमिया सेल्स कोर्पोरेशन 5, न्यू मरीन लाईन्स चर्चगेंट चेबर्स, बंबई,
 - (1) हनुमान प्रसाद प्रलहांदराई दालिमया
 - (2) पुरूषोत्तम द्वारकादास सराफ
 - (3) सुशील कुमार हनुमान प्रसाद दालमिया (ग्रन्तरक)
- (2) मे० श्रमर इंडस्ट्रीज, (बंबई) 15 बड़ा मंदिर, गौशाला, 3 मोईबाड, बंबई-2

पार्टनर्स, (1) बालमुकुंद मंगलदास शाह (2) श्रमृतलाल बाढीलाल शाह (3) लालभाई श्रमृतलाल शाह (4) तालीका बुधालाल शाह

- (5) रर्मालाबेन बालमुकुंद शाह,
- (६) विनोद हरगोवींदास पटेल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सबंध में कोई भी ग्राक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्सबन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील में 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति, द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो 'उक्त श्रिधिनियम,' के श्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही धर्य होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फीहोल्ड फ्लाट सं ० नं ० 143 (पार्ट) और 152 (पार्ट), नवघर, जिला थाना,

क्षेत्रफल--3891 वर्ग यार्डस याने 3253.35 वर्ग मीटर्स (जैसा कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख क० 738 दिनांक 2-4-75 को सब रजिस्ट्रार बंबई के दफ्तर में लिखा है।)

> एच० एस० श्रौलख सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भजन रेंज, पूना

तारीख: 18-9-1975

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के स्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज,

60/61 एरंडवना, कर्वे रोड, पूना 411004

पूना, दिनांक 18 सितम्बर 1975

निर्देश सं० सी० ए० 5 (बंबई (थाना) अप्रेल/75/230/75-76-यत: मुझे (एच० एस० श्रौलख श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से श्रधिक है और जिसकी सं० नं० 143 (पार्ट) सं० नं० 152 (पार्ट) है तथा जो नवधर, थाना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय बम्बई में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 2-4-1975।

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत 'उक्त श्रिधिनियम' के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रिधिनियम' या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रब 'उक्त श्रिधिनियम' की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, 'उक्त श्रिधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत् :— मे व दालिमया सेल्स कांपीरिशन 5 न्यू मरीन लाईन्स चर्च-गेट चेंबर्स, बंबई ।

पार्टनर्स --(1) हनुमानप्रसाद प्रल्हादराई दालिमया,

- (2) पुरुषोतम द्वारकादास सराफ
- (3) सुशीलकुमार हनुमान प्रसाद दालिमया (श्रन्तरक)
- 2. मे० श्रमर इंडस्ट्रीज (बंबई) 15 बडा मंदिर, गोशाला, 3 भोईवाडा, बंबई-2

पार्टनर्सः——(1) बालमुकुंद मंगलदास शात (2) श्रमृतलाल बाडीलात शाह (3) लालफाई श्रमृतलाल शाह (4) तालीका बुधालाल शाह (5) रमीलाबेन बालमुकुंद शाह

(6) विनोद हरगाबीदास पटेल । (ग्रन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फीहोल्ड प्लाट सं० नं० 143 (पार्ट) श्रीर 152 (पार्ट) नवघर, जि० थाना ।

क्षेत्रफल—3990 वर्ग यार्डस, थाने 3336.12 वर्ग मीटर्स, (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख क० 737 दि० 2-4-1975 को सबरजिस्ट्रार बंबई के दफ्तर में लिखा है)।

एच० एस० श्रौलख सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, पूना

तारीख : 18-9-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्राई० ए० सि० श्रर्जन रेंज-IV, कलकता

कलकत्ता, दिनांक 16 सितम्बर 1975

निर्देश सं० ए० सि० 223/ग्रार०-1V/कल०/75-76---ग्रतः मुझे ए० के० बटथाल श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त श्रिधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य

25,000/- र० से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी प्लाट सं० 43, बक-ए है तथा जो बंगुर एभेन्यू में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनूसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, काशीपुर, दमदम में, राजस्ट्री-करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-2-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के प्रनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाणं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिन्नाने में सुविधा के लिए;

मतः ग्रब 'उक्त ग्रिधिनियम' की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रथीत:— 1. श्री दुलाल चन्द्र पाल

(मन्तरक)

2. श्रीमती रेखाराणी साहा

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों कां, जो 'उक्त श्रधि-नियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट सं० 43, ब्रक-ए०, बंगुर एभेन्यू, थाना-दमदम, कलकत्ता में स्थित 3 कट्ठा 4 छटाक 20 स्कोयार फिट जमीन, साथ दो मंजीला मकान ।

> ए० के० बटथाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजन रेंज-IV, कलकत्ता 54, रफीग्रहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-700026

दिनांक : 16-9-1975

मुझे

प्ररूप भ्राई०टी ०एन०एस०--

श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्णन परिक्षेत्र, बिहार, पटना
पटना, दिनांक 15 सितम्बर 1975

निर्देश सं III-103/म्रर्जन/75-76/1069--यतः

ज्योतीन्द्र नाथ

प्रायकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है),
की घारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है। ग्रीर जिसकी
सं० हो० न० 239/343 ब वा० स० 2 है, तथा जो फेजर रोड,
पटना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से

वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय पटना में

रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन,

तारीख 22-1-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ब्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रिधिनियम', या धनकर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः श्रव 'उक्त श्रधिनियम' की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, मैं, 'उक्त श्रधिनियम', की धारा 269 व की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयातः—

- (1) श्री गेन्दा लाल अग्रवाल बल्द श्री रामचन्द्र अग्रवाल, फेजर रोड, पटना। थाना-कोतवाली (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती मनोरमा देवी जौजे श्री गोविन्द प्रसाद गुप्ता वो श्री कैलाग प्रसाद गुप्ता वल्द श्री नानक चन्द ग्रग्रवाल फेजर रोड, श्रान-कोतवाली, पटना (ग्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त गब्दों घौर पदों का, जो 'उक्त ग्रिधिनियम', के ग्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीत मय मकान, फेजर रोड, पटना, तौजी नं० - 673 शे० नं० 239'/343 'ब' सं० नं० 6, वा० नं० 2, जो कि दस्तावेज दिनांक 22-1-1975 में पूर्णतया वर्णित है।

> ज्योतिन्द्र नाथ सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बिहार, पटना

तारीख: 15-9-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजीन रेज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 सितम्बर 1975

निर्देश सं० 1235—पतः मुझे रवीन्द्र कुमार भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है, भौर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8799 जनवरी, 1975 में है तथा को मुजकरपुर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्याक्षय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण मिधनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उन्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-ग की उपधारा (1) के अन्नीन, निम्नलिकित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) श्री प्रीतम सिंह सुपुत्र श्री रांगा सपुत श्री ऊतम गांव रुडका सुरद तहसील जालनधर (ध्रन्सरक)
- (2) श्री निर्म्रल सिंह सपुत्र श्री वन्ता निवासी मुजकर-पुर तहसील जालन्धर (ग्रन्तरिती)
 - (3) जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ती है)
 - (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में हिन रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारीकर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया, करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी खासे 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की शारी के से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, बघोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पथ्दीकरण—इसमें प्रयुक्त कन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसू ची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8799 जनवरी, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख : 24-9-1975

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-

आयकर घिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुर्जन रोज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 सितम्बर 1975

निर्देश नं० 125--यतः मुझे रवीन्द्र कुमार ब्रायकर ब्रिधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-ए० से ग्रिधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8918 जनवरी, 1975 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रिधक है ग्रीर श्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर श्रन्तरित (श्रन्तरितयों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उन्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः म्रब 'उक्त मधिनियम' की धारा 269-ग के मनुसरण में, में 'उक्त मधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1)के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्थात :---

7-296GI/75

- (1) श्री भाग राम पुत्न रखा राम हरनाम सिंह 35-सन्तनगर लाडोबासी रोड जालन्धर (श्रन्तरक)
- (2) मैंसेसं ज्ञानी फाईनैस कम्पनी प्राइबेट लिमिटेड जालन्धर द्वारा श्री जगजीत सिंह मेनेजिंग डारेक्टर जालन्धर (ग्रन्तरिती)
 - (3) जैसा कि नं० 2 में है। (बह व्यक्ति, जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति है)
 - (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में इचि रखता हो।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्पच्डीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहो अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नम्बर 8918 जनवरी, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीद्ध कुमार, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 24-9-1975

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भायकर प्रश्निनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 सितम्बर 1975

निर्देश नं० 1266---रवीन्द्र कुमार 1961 ग्रघिनियम, (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार 25,000/-से ग्रधिक मुल्य 50 श्रीर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2765 स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नकोदर में रजिस्द्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्तिका उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशव से अधिक है और ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रौर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त भ्रधिनियम' या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त श्रिधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) स्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथीत :—

- (1) श्रीमती दीपो पुत्नी श्री दालीपा निवासी धाली नजदीक शंकर। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री वलबीर सिंह , सुरिन्द्र सिंह, जोगिन्द्र सिंह सुपुत्र करतार सिंह निवासी धाली तहसील नकोदर ।
 - (3) जैसा कि नं० 2 में है। (श्रन्तरिती) (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
 - (4) जो व्यक्तिसम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ फिसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पद्यों का, जो 'उक्त श्रिधिनियम' के श्रद्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रद्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2765 मार्च, 1975 की रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 24-9-1975

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०--

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 सितम्बर 1975

निर्देश नं० 1271--यत: मुझे रवीन्द्र कुमार श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से श्रधिक है श्रौर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8791 जनवरी, 1975, 985 अप्रैल, 1975, है तथा जो न्यू जवाहर नगर में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख जनवरी, प्रप्रैल 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तिरती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, 'उक्त श्रिधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रिधिनियम', या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रत: श्रव 'उक्त श्रधिनियम', की धारा 269-ग के झनुसरण में, मैं, 'उक्त श्रधिनियम', की धारा 269-थ की उपधारा (1) के सन्नीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयातु:—

- (1) श्री कें० डी० गोरी सुपुत्त श्री तीर्थराम 121 न्यू जवाहर नगर जालन्धर । (श्रन्तरक)
- (2) श्री ज्ञान सिंह सुपुत करतार सिंह, कुलदीप कौर पत्नी ज्ञान सिंह। (ग्रन्तरिती)
 - (3) जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
 - (4) जो व्यक्ति, सम्पत्ति में इचिरखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी ध्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति क्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त णव्दों भ्रौर पदों का, जो 'उक्त ग्रिधिनियम', के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भ्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भवन जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8791 जनवरी, 1975, 985 श्रप्रैल 1975, 819 श्रप्रैल, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार; सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, जासन्धर

तारीख: 24-9-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 सितम्बर 1975

निर्देश नं० 1272--यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार,

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें **ग्र**धिनियम' कहा गया इसके पश्चात 'उक्त 269-ध के अधीन प्राधिकारी की सक्षम को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपए से अधिक है ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 879 ध्रप्रैल, 1975 में है तथा को न्य ज्वाहर नगर जालन्धर में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में र्वाणत है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्दीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख ग्रप्रैल 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप

(क्ष) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

रो कथित नहीं किया गया है :--

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः ग्रव, 'उक्त ग्रधिनियम', की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, मैं, 'उक्त ग्रधिनियम', की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रधीन्:—

- (1) श्री के० डी० शोरी सपुत्र श्री तार्थ राम 121 न्यू ज्वाहर नगर जालन्धर (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती गुरदीप कौर पत्नी श्री श्रान सिंह 121 न्यू ज्वाहर नगर जालन्धर (श्रन्तरिती)
 - (3) जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
 - (4) जो व्यक्ति इस सम्पत्ति में स्ची रखता हो। (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मृचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भवन जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 879 श्रप्रैल, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त, (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालधर

तारीख: 24-10-75

प्ररूप ग्राई०टी०एन०एस०----

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 सितम्बर 1975

निर्देश नं० 1273--यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार, म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा, 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु० से म्रधिक है श्रौर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8791 जनवरी, 1975 में है तथा को न्यू जवाहर नगर जालन्धर में स्थित है (ब्रौर इससे उपाबद अनुसूची में ब्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर ुमें रजिस्दीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जनवरी 1975 को पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत भ्रधिक है भ्रौर भ्रन्तरक (भ्रन्तरकों) भ्रौर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) ध्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, 'उक्त श्रिधितयम', के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त ग्रधिनियम' या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

भ्रतः भ्रब उक्त भ्रधिनियम की धारा 2.69-ग के श्रनुसरण में, मैं, 'उक्त श्रधिनियम' की धारा 2.69-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीतः—

- (1) श्री के० डी० शोरी सपुत्री श्री तीर्थ राम 121, जवहार नगर, जालन्धर (श्रन्तरक)
- (2) श्री ज्ञान सिंह सपुत्र श्री करतार सिंह 121, न्यू जवहार नगर, जलान्धर (श्रतरिती)
 - (3) जैसा कि नं॰ 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति इस सम्पत्ति में स्ची रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताकारी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितब है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त भव्दों ग्रीर पदों का, जो 'ग्रायकर ग्रधिनियम', 1961 (1961 का 43) के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

भवन जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8791 जनवरी 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्रं कुमार, सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायृक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 24-9-1975

मोहरः

प्ररूप भाई० टी० एन० एस० ----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेज जालन्धर,

जालन्धार, दिनांक 24 सितम्बर 1975

निर्देश नं० 1274—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की श्रारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है श्रौर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 985 श्रप्रैल, 1975 में है तथा को न्यू जवाहर नगर, जालन्धर में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 1) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1975 को पूर्वीकत सम्पत्ति

का पूर्वाक्त सम्पात के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्थमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रिक्त है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः, अब, उक्त अधिनियम, की घारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

- (1) श्री के० डी० शोरी सपुत्र श्री तीर्थ राम, 121, न्यु जवाहर नगर, जलन्धर (श्रन्तरक)
- (2) श्री ज्ञान सिंह एन्ड श्रीमित कुलदीप कौर 121, न्य जवाहर नगर, जालन्धर (ग्रतरिती)
 - (3) जैसा कि नं० 2 में है। (वह न्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
 - (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशम की तारीख से ... 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भवन जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 985 श्रप्रैल, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 24-9-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 सितम्बर 1975

निर्देश नं० 1276--यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार, ग्रधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रु० से अधिक है श्रीर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8923 जनवरी 1975 में है तथा को बनडाला में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जालधर में रजिस्ट्रीकरण म्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जनवरी 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से फिया नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण म, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपघारा (1)के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:——

- (1) श्री दिलवाग सिंह पुत्र ऊधम सिंह 300ऐल० माडल टाऊन, जालन्धर, जी०ऐ० श्रिमफ मुलजीत सिंह पुत्र दिलबाग सिंह, कमलजीत कौर पुत्री दिलबाग सिंह, परमजीत कौर तथा लमरजीत कौर पुत्रीया दिलबाग सिंह, 300-एल० माडल टाऊन, जालन्धर (अन्तरक)
- (2) श्री एस० ब्राई० बरीकस तथा विल्डिरज प्राईवेट - लिम्टिड, चौक दीपक सिनेमा, लुधियाना (ब्रतरिती)
 - (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में दिया है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)
 - (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में घ्वी रखता हो।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी ध्रविध क्षाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों, का जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नम्बर 8923 जनवरी, 1975 में रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज जालन्धर

तारीख : 24-9-1975

प्ररूप आई० टी∙ एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रोंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 सितम्बर 1975

निर्देश नं० 1279—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार, श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269घ के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मिल्य 25,000/- ६० से श्रधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नम्बर 2346 जनवरी 1975 में है तथा को टाहली में स्थित है (और इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नकोदर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी, 1975

भो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक्त रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिक्ष में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए दा, छिपाने में सुविधा के लिए।

पतः प्रव उक्त प्रविनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं उक्त श्रिधनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रवीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयोत् :---

- (L) श्रीमती तारो पुत्नी दलीप पुत्न गुजां निवासी टाहली (ग्रन्तरक)
- (2) श्री बलवीर सिंह, सुरीन्द्र सिंह, जोगिन्द्र सिंह पुत्र श्री करतार सिंह निवासी गांव टाहली (श्रन्तरिती)
 - (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में दिया है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
 - (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्मष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2346 जनवरी, 1975 में रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी नकोदर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज जालन्धर

तारीख : 24-9-1975

PART III—SEC. 1]

प्रामकर अधिनियन, 1961 (1961 का 43) की आरा 269-प(1) के प्रजीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज जालन्भर

णालन्धर, दिनांक 24 सितम्बर 1975

निर्देश नं० 1288--यतः, मुझे, रंबीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-घ के मधीन सक्षम प्राधिकारी को बहु विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ द० से प्रधिक है

स्रौर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9121 जनवरी, 1975 में है तथा को जगन (जिला जालन्धर) में स्थित है (स्रौर इससे उपावद स्ननुसूची में स्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख जनवरी, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके पृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किश्वत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त प्रधिनियस,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा 'उक्त अधिनियम', या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

श्रतः श्रव 'उक्त प्रधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त प्रधिनियम', की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन निक्तलिखित व्यक्तियों, प्रकात्:---ॄं 8—296 GI/75

- (1) श्रीमती दर्णन कौर पत्नी भी भगत सिंह गांघ बजरा तहसील जालन्धर (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती महिन्द्र कौर पत्नी जसवन्त सिंह एन्ड सुरजीन कौर पत्नी सुलखन सिंह गांव जगन तहसील जालन्धर (अतरिती)
 - (3) जैसा कि नं 2. में है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
 - (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी
 गानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पथ्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुधी

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9121 जनवरी, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज जालन्धर

तारीख: 24 सितम्बर, 1975

प्ररूप माई० टी • हन • एस०----

श्रामकर अधिनिवम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-च (1) के ग्राधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) क्रर्जन रें**ज** जालन्कर

जालन्धर, दिनांक 24 सितम्बर् 1975

निर्देश नं 1289—वतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार, आकलर प्रधिनियन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० से प्रधिक है प्रौर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8390 जनवरी 1975 में है तथा को नागरा में स्थित है (प्रौर इससे उपावद्ध प्रमुस्ची में प्रौर पूर्ण रूप में बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जनवरी, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रिधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये, और/वा
- (क) ऐसी किसी आब या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था मा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

श्रतः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, जनत श्रिधिनियम की घारा 269-ध की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तिमों अर्थात :---

- (1) श्री जगत सिंह सपुत श्री भंडाल सिंह गांव नागरा जिला जालन्धर (ग्रन्तरक)
- (2) श्री श्रमरजीत सिंह सपुत्र श्री हाकम सिंह बस्ती बीर दाद को वर्तमान पता 455 ए० ज्वाहर नगर जालन्धर (भ्रन्तरिती)
 - (3) जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)
 - (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित**बद** है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशम की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8890 जनवरी, 1975 में है।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रामकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज जालन्भर

तारी**ख** : 26-9-1975

प्ररूप आई०टी०एन० एस०---

श्रायकर व्यक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, विनांक 24 सितम्बर 1975

निर्देश नं० 1290—यत, मुझे, रबीन्द्र कुमार, प्रायकर ग्रधिनियम 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

भीर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8892 अनवरी, 1975 में है तथा को नागरा में स्थित है (भ्रौर इससे उपावब श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख अनवरी, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त श्रिवितियम की झारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सधीन निस्तिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

- (1) श्री जगत सिंह सपुत्र श्री मंगल सिंह गांव नारग। तह्नसील जालन्धर (ग्रन्तरक)
- (2) श्री गुरबिन्द्र सिंह सपुत्र श्री हाकम सिंह 455 ए० ज्वाहर नगर जालन्धर (भ्रन्तरिती)
 - (3) जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
 - (4) जो व्यक्ति, सम्पत्ति में स्वी रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्मबाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाणन की तारीख से 4 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्तीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रब्धाय में दियागया है।

अनुसृची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8892 जनवरी, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम श्रधिकारी सहायक लायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

सारीख: 24-9-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 सितम्बर 1975

निर्देश नं० 1291—यत, मुझं, रवीन्द्र कुमार, प्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त म्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ग्रधिक है ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8891 जनवरी, 1975 में है तथा को नागरा में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), र्जिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख को पूर्वोक्त जनवरी, 1975 सम्पति के उचित बाजार मृत्य से कम प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति ब्रजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर यह कि भन्तरक (अन्तरकों) भौर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच . ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत 'उक्त श्रधि-नियम' के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

भन: भन 'उनत भिनियम' की धारा 269-ग के भनु-सरण में, मैं, 'उनत भिनियम,' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भधीन निम्नलिखत व्यक्तियों, श्रशीत्:—

- (1) श्री जगत सिंह सपुत्र श्री मंगल सिंह निवासी गांव नागरा जिला जालन्धर (भ्रन्तरक)
- (2) श्रीमती हरनाम कौर सपुत्री राधा सिंह 455 ए॰ ज्वाहर नगर जालन्धर (भ्रन्तरिती)
 - (3) जैसा कि नं० 2 में है। (धह व्यक्ति, जिसके मधिभोग में सम्पत्ति है)
 - (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में हची रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में मधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो 'उक्त भ्रधिनियम,' के भ्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही भ्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8891 जनवरी, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज जालन्थर

तारीख: 24-9-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

द्यायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 सितम्बर 1975

निर्देश नं० 1292—-यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार, भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9304 जनवरी, 1975 में है तथा को नागरा में स्थित है (और इससे उपाबद मनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जनवरी, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी ध्रन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अस, उन्स मधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त मधिनियम की घारा 269-घ की उपघारा (1) के भाधीन निम्नलिखित व्यक्तियों मर्थातु :---

- (1) श्री जगत सिंह सपुत्र श्री मंगल सिंह निवासी गांव नागरा तहसील जालन्धर (श्रन्तरक)
- (2) श्री ग्रमर जीत सिंह सपुत्र श्री हाकम सिंह 455 ए० ज्वाहर नगर, जालन्धर (श्रन्तरिती)
 - (3) जैसा कि नं० 2 में है (बहु व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)
 - (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह व्यक्ति सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सर्कों।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9304 जनवरी, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ र्जन रेंज जालन्धर

तारीख: 24-9-1975

.प्ररूप श्राई०टी०एन०एस०-

श्रायकर ब्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज जालन्धर

जासन्धर, दिनांक 24 सितम्बर, 1975

निर्देश नं० 1293---यतः, मुझे, रवीन्द्र, कुमार, भ्रायकर भ्रक्षिनियम 61 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्चात 'उक्त

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के भिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का

कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है

भीर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9307 जनवरी, 1975 में है तथा को नागरा में स्थित है (भीर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भधीन, तारीख जनवरी, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत धिक है धौर यह कि धन्तरक (धन्तरकों) धौर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया है —

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत 'उक्त श्रधि-नियम' के श्रधीन कर देने के श्रन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसे किसी माय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त मिधिनियम,' बा धनकर मिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रतः ग्रब 'उक्त ग्रधिनियम' की धारा 269-ग के श्रनु-सरण, में, मैं, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269 न की उपधारा

- (1) श्री जगत सिंह सपुत्र श्री मंगल सिंह गांव नागरा जिला जालन्धर (भ्रन्तरक)
- (2) श्री गुरबिन्त्र सिंह सपुत्र श्री इाक्रम सिंह 455 ए० ज्याहर नगर जालन्धर (धन्तरिती)
 - (3) जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके मधिभोग में सम्पत्ति है)
 - (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में स्वी रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी झन्य व्यक्ति द्वारा, झधोहस्ताक्षरी के पास लिखत में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो 'उंक्त ग्रधिनियम,' के ग्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, बही ग्रबं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीङ्घत विलेख नं० 9307 अनवरी, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज जालन्धर

सारी**ख**: 24-9÷1975

प्रकप आई• टी० एन• एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की खारा 2**69-व** (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 सितम्बर 1975

निर्देश नं० 1294--यतः, मूझे, रवीन्द्र कुमार, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चातु 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी मह मिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- र० से अधिक है भौर जिसकी सं० जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1294 जनवरी, 1975 में है तथा को नागरा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण मिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख **ज**नवरी, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति कै उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह अध्यास करने का कारण है कि यशापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रति-फल से ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और भन्तरक (मन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य ते उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के झन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर धिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः भन, 'उन्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उन्त अधिनियम', की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित क्यक्तियों प्रचीत् :---

- (1) श्री जगत सिंह सपुत्र श्री मंगल सिंह निवासी गांव नागरा जिला जालन्धर (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती इरनाम कौर सपुत्री श्री राधा सिंह 455 ए० ज्वाहर नगर, द्वारा श्री गुरविन्द्र सिंह जालन्धर (मन्तरिती)
 - (3) जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)
 - (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9168 जनवरी, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार, ्सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज जालन्धर

तारीक: 24-9-1975

मोइर:

प्ररूप ग्राई०टी०एन०एस०----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

्जानन्धर, दिनांक 26 सितम्बर 1975

निर्देश सं० 1296---यतः मुझे, रवीन्द्र बुभार, ब्रायकर ब्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, बह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु० से ग्रधिक है ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9215 जनवरी, 1975 में है तथा जो सबोवाल (जालन्धर) में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, तारीख जनवरी, 1975 सम्पत्ति के उचित पूर्वोक्त बाजार वुश्यमान प्रतिफल के लिए भ्रन्तरित कम के भौर मुझे यह विश्वास कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, जसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) ग्रौर मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, 'उक्त भ्रधिनियम,' के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (अ) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त भिधिनियम,' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव 'उस्त मधिनियम' की धारा 269-ग के ब्रनुसरण में, मैं, 'उस्त प्रधिनियम' की धारा 269-घ की उवधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रशीत्:—

- (1) श्री धर्म सिंह सपुत्र ऊधम सिंह श्राफ जालन्धर शहर (श्रन्तरक)
- (2) वसन्त विहार : कापरेटिव हाऊस बिलिंडिंग सोसाईटी लिमटिड जालन्धर (श्रन्तरिती)
 - (3) जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके मधिभोग में सम्पत्ति है)
 - (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में ६चि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह व्यक्ति सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की श्रवधि तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधिबाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो 'उक्त ग्रिधिनियम,' के श्रव्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख एं० 9215 ज्नवरी, 1975 को रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम प्रधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 26-9-1975

प्ररूप माई० टी० एन० एस०-

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 26 सितम्बर 1975

निर्देश सं० 1297—यतः मुझं, रवीन्द्र कुमार, श्रायकर श्रधिनियम,1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के ग्रिधीन सक्षम ग्रिधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाघर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रिधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9311 जनवरी, 1975 में है तथा जो सबोवास में स्थित है (ग्रीर धससे उपाबद श्रनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख जनवरी, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत 'उक्त श्रधिनियम' के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय था किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त ग्रिधिनियम' या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

भ्रत: ग्रब 'उक्त श्रधिनियम' की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, 'उक्त श्रधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात् :----9---29601/75

- (1) श्री धर्म सिंह पुत्र ऊधम सिंह निवासी सबोवाल (ग्रन्तरक)
- (2) वसन्त विहार कोपरेटव हाऊस बिलर्डिंग सोसाइटी लिमिटड जालन्धर (श्रन्तरिती)
 - (3) जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
 - (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाम्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त ग्रब्दों ग्रीर पदों का, जो 'उक्त ग्रिधिनियम' के ग्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9311 जनवरी, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 26-9-1975

प्रारूप आई०टी०एन०एस०--

श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 26 सितम्बर 1975

निर्देश सं० 1303--यतः मुद्धे, रबीन्द्र क्मार, श्रायकर ग्रिधनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ए० से प्रधिक है श्रीर जिसकी सं० जैसा कि राजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 62 श्राप्रैल, 1975 में है तथा जो --- में स्थित है (ग्रीर इससे उनाबद्ध श्रनसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख ग्रप्रैल, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि भ्रन्तरक (अन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः अब उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथांत :--

- (1) श्री रणदास खन्ना पुत्र श्री शादी राम खन्ना मन्दिर खरीया मड़ी रोड जालन्धर (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती विमला देवी पक्ष्ती श्रीम प्रकाश हाऊस नं० 25 सुभाष नगर, जालन्धर (अन्तरिती)
 - (3) जैसा कि नं० 2 में है। (बह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग नमें सम्पत्ति है)
 - (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रुखता है। (यह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सबंध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्प्रव्हीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुक्षान जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 62 श्रप्रैल, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 26-9-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस० ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज श्रमृतसर

ग्रमृतसर दिनांक 4 सितम्बर 1975

सं० एफ०डी०के०/149/75-76---यतः, मुझे, वी० ग्रार०

सागर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है और जिसकी सं० धरती है तथा जो गांव खुण्डेहलाल में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मुक्तसर में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्राधीन जनवरी 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने

को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके

दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रति-शस से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती

(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिल उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक

रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त ध्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- (1) श्रीमती श्रीतम और पत्नी स० रामिन्दर पाल सिंह पुत्र भाई जभरजंग सिंह यासी मुक्तसर। (अन्तरक)
- (2) श्री जी० सी० हरशीत सिंह पुत वरिन्द्र पाल सिंह वासी खुडेहालाल तहसील गुक्तसर (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 में है (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- को व्यक्ति सम्पत्ति में एकि रखता है

 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां मुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यात में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 48 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पन्डीकरण :--इसमें प्रयुक्त गन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गंश है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 2660 जनवरी 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी गुक्तसर में लिखा है।

> वी० ग्रार० सागर, सक्षम ग्रधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंजं ग्रमृतसर

तारीख: 4-9-1975

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०——— ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रिधीन सुचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक ग्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज भ्रमृतसर

बंगलीर, दिनांक 10 सितम्बर 1975

सं० ए० एस० ग्रार०/73-74/ए० पी०-179---यतः, मुझे, बी० ग्रार० सागर भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ग्रधिक है ग्रौर जिसकी भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है),रजिस्ट्री-कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय ग्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्राधीन दिनांक मार्च, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दुश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे ग्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम, के श्रधीन कर वेने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या प्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

भ्रत:, अब उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के धनुसरण में, में उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों श्रथीत :---

- (1) श्री मोहिन्दर चंद निरन्दर चंद पुत्र श्री राम साहिब लाल चंद श्री प्रकाण चंद लाल चंद खुसहालचंद वासी श्रार० बी० प्रकाण चंद रोड़ ग्रमुतसर। (श्रन्तरक)
- (2) मैसर्ज सजेद एण्ड कम्पनी श्रमृतसर कैंट (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके म्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शन्दों का, जो उस्त ग्रिधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा, ओ उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती का दुकड़ा राय बहादुर प्रकाश चन्द्र रोड़ स्नमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 3540 मार्च 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी स्नमृतसर में लिखा है।

> वी० ग्रार० सागर, सक्षम प्राधिकारी ृंसहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 4-10-75

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज , ग्रमृक्षसर

अमृतसर दिनांक 30 ग्रक्तूबर 1975

सं० के॰पी॰एल॰/168/75-76—यतः **मुझे वी॰ श्रा**र॰ सागर,

म्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह० से श्रिधिक है

सं० धरती है तथा जो भवानीपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कपूरथला में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908(1908 का 16) के श्राधीन जनवरी, 1975

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरि-। तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन करदेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिमों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए।

भ्रतः, श्रव उक्त अधिनियम की धारा, 269-ग के श्रनुसरण में मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ध की उपधारा (1) के श्रधीम निम्नलिखित व्यक्तियों श्रधीत्:— (1) श्री महावीर सिंह पुत्र श्री बक्शीश सिंह पुत्र श्री मूला सिंह वासी कपूरथला।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जागीर सिंह पुत्र श्री भजन सिंह पुत्र श्री हरनाम सिंह श्री भजन सिंह पुत्र श्री हरनाम सिंह पुत्र श्री काहन सिंह वासी भगतपुर।

(ग्रन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हिसबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोवत् सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 2375 जनवरी, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी कपूरथला में लिखा है।

> वी० भ्रार० सागर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज भ्रमृतसर

तारीख: 3-10-1975

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०---

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961का 43) की धारा 269- घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) घर्जन रेंज, ग्रमृतसर

भ्रम्तसर दिनांक 3 श्रक्तूबर 1975

सं० के॰पी॰एल॰/169/75-76---2तः मुझे वी॰ ग्रार॰ सागर,

म्रायकर म्रधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त भ्रधिनियम कहा गया है), की धारा

269-ध के स्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने क्री कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० से स्रधिक है

भीर जिसकी सं धरती हैं तथजो भवानीपुर में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसुची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय क्यूरथला में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के आधीन दिनांक जनवरी, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजर मूल्य के कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विण्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजर मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत श्रिधक और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त अधि-नियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

भ्रतः भ्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, मैं उक्त श्रधिनियम, की धारा 269 घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों भ्रथीत्:— (1) महावीर सिंह पुत्र श्री बक्शीश सिंह पुत्र श्री भूला सिंह वासी कपूरथला

(भ्रन्तरक)

(2) श्री दयाल सिंह पुत्र श्री सरनाम सिंह पुत्र श्री काहन सिंह श्रीमती ज्ञान कौर पत्नी श्री दयाल सिंह पुत्र श्री हरनाम सिंह वासी भगतपुर।

(ग्रन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नम्बर 2 में दिया गया है।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रंधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितवद्धं है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त सब्दो श्रौर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के श्रद्ध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रद्ध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 2374 जनवरी 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी कपूरथला में लिखा है।

> वी० ग्रार० सागर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज श्रमृतसर

तारीख: 3-10-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

শ্বায় সামান প্ৰথম প্ৰথম (1961 কা 43) की धारा 269-घ (1) के ग्राधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 29 सितम्बर 1975

निर्देश सं० सी०एच०डी०/288/74-75--पतः मुझे, विवेक प्रकाश मिनोचा.

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रधिक है

भ्रौर जिसकी सं 1/2 भाग एस०सी०श्रो० नं 87-88 है तथा जो सैक्टर-17डी चण्डीगढ़ में स्थित है (भ्रोर इससे उपा-बद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य. उसके दृश्यमान प्रतिफल मे ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिणत से अधिक है और ग्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक्त रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्सरण से हुई किसी आय की नाया उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्नरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय पा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रथं उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ध की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रधीत:—

- श्रीमती कंवलजीत कौर पुत्री स्वर्गीय श्री मुकन्द सिंह निवासी—7 न्यू टाउन मोगा, जिला फरीदकोट (श्रन्तरक)
- 2. श्री इन्द्रमीत सिंह गिल्ल, नबालिंग पुत्र श्री गुरदीप सिंह गिल्ल निवासी-— 7 न्यू टाउन, जिला फरीदकोट (भ्रन्तरिती)
- 3. (i) मैं० चीफ बूट हाउस (ii) मैं० लिल्ली रैस्टो-रेंट (iii) मैं० ग्रोम प्रकाश मनोज कुमार (iv) दी रिप्रेजेन्टे-टिव प्राफ बिजनैस रिसर्च कारपोरेशन एजेंसी डिवीजन (v) प्रसिस्टेन्ट डायरैक्टर, लेबर ब्यूरो ग्राफ इण्डिया(vi) एक्साइज एण्ड टैक्सेशन कमिश्नर हरियाणा एस०सी०ग्रो० 87-88, सैंक्टर 17-डी, चण्डीगढ़ (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके हैं पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, घघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त मध्यों भीर पकों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गय। है।

अनुसूची

1/2 भाग एस०सी०श्रो० नं० 87-88 जोकि सैक्टर 17- डी चण्डीगढ़ में ृस्थित है।

विवेक प्रकाश मिनोचा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख: 29-9-1975

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०--

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की श्रारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ

चण्डीगढ़, दिनांक 29 सितम्बर, 1975

्निर्देश सं० सी०एच०डी०/291/74-75—यतः मुझ, विवेक प्रकाश मिनोचा,

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ध के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह, विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रिधिक है श्रोर जिसकी ने० मकान नं० 2369 है तथां जो सैक्टर 23-सी चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16 के श्रधीन, तारीख मार्च, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है श्रौर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रौर श्रन्तरिती (श्रन्तरितयों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम के श्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (धा) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन कर श्रधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः, ग्रब उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:---

- 1. श्रीमती सुरजीत कौर पत्नी श्री इन्द्र सिंह उस के मुख्तयार श्राम श्री मनोहर सिंह पुत्र श्री मोती सिंह मकान नं० 1663, सैक्टर 22-बी० चण्डीगढ़ द्वारा (श्रन्तरक)
- 2. श्री जुनेश मुंजाल पुत्र श्री देस राज मुंजाल निवासी प्रबोहर जिला फिरोजपुर श्रव मकान नं० 2369, सैक्टर 23-सी, घण्डीगढ़ (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ध्राक्षेप -

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भ्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी
 भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ध्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 2369, सैंक्टर 23-सी चण्डीगढ़।

विवेक प्रकाश मिनोचा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख: 29-9-1975

प्ररूप माई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

भायालिय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 29 सितम्बर 1975

निर्देश सं० म्राई०ए०सी०/एक्यु०-1/एस०म्रार०-3/मई-1/ 749/75-76---यतः, मुझे, चं० वि० गुप्ते भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), धारा 269-घ के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- ४० से अधिक हैं श्रौर जिसकी सं० एन०-132 ग्रेटर कैलाश, 1/3 भाग ढाई मंजिली जायदाद) नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपा-बद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, 3-5-1975 को पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित कि गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (भ्रन्तरकों) और अन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में निम्नलिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-य की उपघारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों श्रथीत्:— 10—296 GI/75

- 1. श्री मनमोहन चोपड़ा पुत्र दीवान चन्द 146-सी तिलक नगर, नई दिल्ली (ग्रन्तरक)
- डा० कमलेश कुमार मोडावल, सुभाष कुमार स्नौर जोगेश कुमार पुत्रगण श्री सी० एन० मोडावल निवासी सी-1/40 पंडारा पार्क, नई दिल्ली (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितंबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सभी श्रधिकारों सहित 1/3 भाग ढाई मंजिला मकान नं० एन०-132 सतह तल से नीचे जिसका क्षेत्रफल 300 वर्ग गज जो कि ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से घरा है:---

पूर्व:---जायदाद नं० एन/132 पश्चिम:---जायदाद नं० एन/130 उत्तर:--सर्विस लैन दक्षिण:--सड्क

> चं० वि० गुप्ते सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज----1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 29 सितम्बर, 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 1/2, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 29 सितम्बर, 1975

निर्देश सं० आई० ए०सी०/एक्यु०/1/एस० श्रार०-111/मई-1/739/75-76—यतः मुझ, चं० वि० गुप्ते श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० नं० 132, ढाई मंजिला मकान का 2/3 भाग, है, जो ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपावद श्रमुस्ची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 3-5-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और भ्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायक्षर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- श्री इन्द्र बीर भण्डारी, सुपुत्र स्वर्गीय श्री एस० वजीर सिंह, निवासी एन०-132, ग्रेटर कैलाग, नई दिल्ली (ग्रन्तरक)
- 2. डा० कमलेश कुमार मोडावल (2) श्री सुभाष कुमार (3) श्री योगेश कुमार, सुपुत्र श्री एन० सी० मोडावल, निवासी सी०-1/40, पन्डारा पार्क, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पच्छीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

ढाई मंजिला मकान का 2/3 भाग जिसका क्षेत्रफल 300 वर्ग गज है तथा जो कि एन०-132, ग्रेटर केलाग, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : जायदाद नं० एन०-132 पश्चिम : जायदाद नं० एन०-130

उत्तर : सर्विस लन दक्षिण : सङ्क

> चं० वि० गुप्ते सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज---1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 29 सितम्बर, 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)
भ्रजीन रेंज 1/2, दिल्ली-1
नई दिल्ली, तारीख 3 भ्रक्टूबर, 1975

निर्देश सं० ग्राई०ए०सी०/एक्यु०-1/एस०ग्रार०-III/मार्च-11/ (40)/74-75--यतः, मुझे, चं० वि० गुप्ते श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिमियम' कहा गया है), की घारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि सम्पत्ति, जिसका स्थावर बाजार मृत्य 25,000/- रु० से अधिक हैं श्रौर जिसकी सं० एम०-83 है, जो ग्रेटर कैलाश-II; नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर जिसकी सं० इससे उपाबद्ध अनु-सूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के फ्रधीन, 31-3-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के युग्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ब्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्सरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम, की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. मैं० डी॰एल॰एफ॰यूनाइटिड लि॰, 30-एफ॰, कनाट प्लेस, नई दिल्ली (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती शकुन्तला शर्मा, पत्नी श्री किशन सहाए, निवासी 370, मस्जिद मठ्ठ, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)
- 3. श्रीमती शकुन्तला शर्मा, पत्नी श्री किशन सहाए, निवासी 370, मस्जिद मठ्ठ, नई दिल्ली (वह व्यक्ति जिसके श्रधि-भोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के <mark>अर्जन के</mark> लिए कार्यवाहियौ करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप, यदि कोई हो, तो:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-- इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रह्माय में दिया गया है।

अनुसूची

सभी प्रधिकारों, टाइटल तथा लाभों सहित भूमि का प्लाट जिसका नं० 83, ब्लाक नं० 'एम' है तथा क्षेत्रफल 262 वर्ग गज है तथा जोकि निवासी कालौनी ग्रेटर केशाल- II, नई दिल्ली के गांव बहारपुर, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व: सड़क

पश्चिमः सर्विस लेन

उत्तर: प्लाट नं० एम-81

दक्षिण: सड़क

भं० वि० गुप्ते सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 3-10-1975

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०---

ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 1/2, दिल्ली-1

नई दिल्ली, तारीख 3 श्रक्टूबर, 1975

निर्देश सं० श्राई०ए०सी०/एक्यु०-1/एस०श्रार०-111/74-75/अप्रैल-11/726—यतः, मुझे, चं० वि० गुप्ते श्रायकर श्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रिधिक है श्रीर श्रीर जिसकी सं० श्रार० -37 है, जो ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, 22-4-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरग लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रिधिनियम', या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव 'उक्त श्रधिनियम', की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, 'उक्त श्रधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- लैफ्ट०कल० सुरिन्द्र सिंह खुराना, सुपुत्र डा० जैमल सिंह खुराना, निवासी 13, प्रोनिसिस पार्क, भ्राफिसर्स होस्टल नई दिल्ली (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती सुदर्शन पारती, पत्नी श्री दरबारी लाल पारती, निवासी श्रार-37, ग्रेटर कैलाण, नई दिल्ली (श्रन्सरिती)
 - 3. श्री डी॰ एल॰ पारती (किराएदार) (वह व्यक्ति, जिसके भ्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के फ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो 'उक्त ग्रिधिनियम', के ग्रध्याय 20-क में परि-भाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फ़ीहोल्ड प्लाट की भूमि जिसका क्षेत्रफल 500 वर्ग गज है तथा नं० श्रार०-37, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली में एक मंजिला मकान के साथ बना हुआ है तथा जिसकी सीमाएं निम्न प्रकार से हैं:---

पूर्व : मकान नं० श्रार०-39 पश्चिम : मकान नं० श्रार०-35

उत्तर: सड़क वक्षिण: सर्विस सेन

> चं० वि० गुप्ते सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 3 श्रन्टूबर, 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस० ---

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1/2, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 3 अक्टूबर, 1975

निर्देश सं० श्राई०ए०सी०एक्यु०/1/एस०श्रार०-III/मार्च-1/ (31)/75-76--यतः मुझे, चं० वि० गुप्ते ष्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं भ्रौर जिसकी सं० एच०-24 है तथा जो जंगपुरा एक्सटेंशन, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के म्रधीन 10-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
भीर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, श्रर्यात्:—

- 1. श्री गुरबच्चन सिंह, सुपुत्त स्वर्गीय श्री तेजा सिंह, निवासी सी 0-4-ए 0/36-ए 0, पंखा रोड, नई दिल्ली (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती बिमला रानी कोहली, पत्नी श्री गुरिंदयाल कोहली, निवासी 10175, नवाब गंज, दिल्ली लेकिन श्रब एच०-24, जंगपुरा एक्सटेंशन, नई दिल्ली (श्रन्तरिती)
 - 3. स्टेट ट्रेडिंग कार्पोरेशन श्राफ इंडिया, नई दिल्ली (वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप, यदि कोई हो, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितवदा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्रीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्हीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त-अधिनियम' के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

जायदाद नं ० एच०-24 का 1/5 भाग जोकि जंगपुरा एक्स-टेंशन, नई दिल्ली में लीजहोल्ड अधिकारों सहित तथा अन्य सभी मनोरंजक अधिकारों इत्यादि सहित जायदाद के साथ जुड़ा हुआ है।

> चं० वि० गुप्ते सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 3 भ्रक्टूबर, 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1/2, दिल्ली-1 नई दिल्ली, तारीख 3 श्रक्टबर, 1975

निर्देश सं० भ्राई०ए०सी०/एक्यु०/1/एस०म्रार०-III/मार्च-II/ (42)/75-76---यतः, मुझे, चं० वि० गुप्ते भ्रायकर श्रधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चातु 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है श्रौर चिसकी सं० एच०-24 का 1/5 भाग है, जो जंगपुरा एक्सटेंशन, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधि-कारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 31-3-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: अब उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम' की घारा 269-ग की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थातु:—

- 1. श्री गुरबक्स सिंह, सुपुत्र स्वर्गीय श्री तेजा सिंह, निवासी डी०-23, जोरबाग, नई दिल्ली (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती बिमला रानी कोहली, पत्नी श्री गुरदियाल कोहली, निवासी 10175, नवाब गंज, दिल्ली नेकिन अब एच०-24, जंगपुरा एक्सटेंशन, नई दिल्ली। (ग्रन्सरिती)
 - 3. स्टेट ट्रेडिंग कार्पोरेणन श्राफ इंडिया, नई दिल्ली (वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र, में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

जायदाद नं० एच०-24 का 1/5 जोकि जंगपुरा एक्सटेंशन, नई दिल्ली में लीज होल्ड श्रधिकारों तथा श्रन्य मनोरंजक ग्रधि-कारों के साथ जायदाद से जुड़ा हुन्ना है।

> चं० वि० गुप्ते सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 3 भ्रक्टूबर, 1975

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1 दिल्ली-1 नई दिल्ली, दिनांक 3 श्रक्टूबर 1975

निर्देश सं० श्राई०ए०सी०/एक्यु०/1/एस०श्रार०-III/मार्च-1/ (32)/74-75---यत:, मुझे, चं० वि० गुप्ते आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे अधिनियम' इसमें इसके पश्चात 'उक्त गया है) की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रुपए से ग्रधिक है भ्रौर जिसकी सं० एच०-24 है, जो जंगपुरा एक्सटेंशन, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से र्वाणत है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, 10-3-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मधी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:---

- श्री जसवन्त सिंह, सुपुत्र श्री तेजा सिंह, निवासी ए-125, नेताजी नगर, नई दिल्ली (भ्रन्तरक)
- 2. श्रीमती विमला रानी कोहली, पत्नी श्री गुरदियाल कोहली निवासी 10175, नवाब गंज, दिल्ली लेकिन भ्रव एच०-24, जंगपुरा एक्सटेंशन, नई दिल्ली (श्रन्तरिती)
 - 3. स्टेट ट्रेडिंग कार्पोरेशन आफ इंडिया नई दिल्ली (वह व्यक्ति, जिसके द्रक्षिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद नं० एच०-24 का 1/5 भाग जोिक जंगपुरा एक्सटेंशन, नई दिल्ली में लीज होल्ड घिधकारों सहित तथा मनोरंजक घिधकारों इत्यादि सहित जायदाद के साथ जुड़ा हुन्ना है।

> चं० वि० गुप्ते सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 3-10-1975

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भायकर मर्धिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 19 सितम्बर 1975

निर्देश सं० 1236--यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार, भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम भ्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ४० से ग्रधिक भ्रौर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 9219, जनवरी 1975 में है तथा जो मुजफरपुर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्दीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक जनवरी 1975 को पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिकल के लिए ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर ग्रन्तरक (भन्तरकों) भीर भ्रन्तरिती (ग्रम्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

- (क) भन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भिक्षित्यम, के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या श्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या घन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः अब उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपद्यारा (1) के श्रधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री प्रीतम सिंह सुपुत्र रामा, गांव रखा खुरद पहसील फिल्लौर। (श्रन्तरक)
 - 2. श्री निर्मेल सिंह सुपुत्र बूटा सिंह, गांव मुजफरपुर (म्रन्तरिती)
- जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके श्रधि-भोग में सम्पत्ति है)।
- कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुची रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रश्चोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के शिये कार्यवाहियां करता हुँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रवधि या तत्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की ध्रवधि, जो भी ध्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवज्ञ फिसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही शर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि ग्रधिकृत विलेख न० 9219, जनवरी 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, जालन्धर

दिनांक 19 सितम्बर 1975। मोहरः प्ररूप श्राई० टी ० एन ० एस० ----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 19 सितम्बर 1975

निर्देश सं० 1237---यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार, म्र**धिनियम**, 1961 (1961 杯 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 2.69-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को. यह विश्वास करने कारण है कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/≁ र० से ग्रधिक है भौर जिसकी सं० जैसा कि श्रधिकृत विलेख नं० 9218, जनवरी 1975 में है श्रीर जो मुजफरपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबन अनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण म्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक जनवरी 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है ग्रीर अन्तरक (मन्तरकों) भौर मन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये, भीर/या

उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं

(ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या मन्य म्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर म्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम या धन-कर म्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मत: मन उक्त मिमियम की धारा 269-ग के मनुसरक में, मैं, उक्त मिमियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के ऋषीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथित् :---

- श्री प्रीतम सिंह सुपुत्र राणा, गांव रूरकाखुरद तहसील फिल्मीर। (प्रन्तरक)
- 2. श्री गफतार सिंह कृपाल सिंह, सुपुत्रां निर्मेल सिंह गांव मुजफरपुर तहसील जालन्धर। (भन्सरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके श्रधि-भोग में सम्पत्ति है)।
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुची रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेत्र:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णीक्त क्यक्तियों म से किसी व्यक्ति द्वारा
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-यद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों झौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के शब्दाय 20-क में परिभाषित हैं, वही शर्थ होगा, जो उस श्रध्याय मंदिया गमा है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि घ्रधिकृत विलेख नं० 9218, जनवरी 1975 को रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार, सक्तम प्राधिकारी तहाबक स्रावकर बाबुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, जालन्धर ।

विमान : 19 सितम्बर 1975।

मोहर:

किया गया है:--

प्ररूप माई०टी०एन०एस०--

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 19 सितम्बर 1975

निर्देश सं० 1238—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेखन नं० 8800 जनवरी 1975 में है तथा जो मजफरपर में स्थित है (और

जनवरी 1975 में है तथा जो मुजफरपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जनवरी 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिध-नियम के ग्रिधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर / या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, में उक्त श्रधिनियम, की धारा 269व की उपश्लारा (1) के अभीन निम्नलिखित स्थक्तियों, अर्थात:—

- 1 श्री प्रीतम सिंह सुपुत राणा सुपुत उत्तम, गांव रुरका खुरद तहसील फिल्लौर। (श्रन्तरक)
- 2. श्री स्वर्ण सिंह, बचित्र सिंह सुपुत्रां निर्मेला सिंह गांव मुजफरपुर तहसील जालन्धर। (ग्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके ग्रधि-भोग में सम्पत्ति है)।
- 4. कोई व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के श्रर्जन के सबंध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त गब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि भ्रधिकृत विलेख नं० 8800, जनवरी 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

विनांक: 19 सितम्बर 1975।

प्ररूप प्राई०टी०एन०एस०---

भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायुक्त श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर जॉलन्धर, दिनांक 19 सितम्बर 1975

निर्देश सं० 1239—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार,

भायकर श्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269 ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रधिक हैं श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रधिकृत विलेख नं० 9217, जनवरी 1975 में है तथा जो मुजकरपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जनवरी 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक से रूप कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रधिनियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

ग्रतः, ग्रव, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, 'उक्त ग्रिधिनियम' की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात!-

- — 1. श्री प्रीतमं सिंह सुपुन्न राणा, गांव रुरकाखुरद तहसील फिल्लीर। (श्रन्तरक)
 - 2 श्री जरनेल सिंह सुपुत्र पाखर सिंह, गांव मुजकरपुर (श्रन्तरिती)
 - 3. जैसा कि नं 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधि-भोग में सम्पत्ति है)।
 - 4. कोई व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुची रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उनत श्रक्षिनियम, के श्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही श्रयं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भिम जैसा कि अधिकृत विलेख नं० 9217 जनवरी 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रीयुक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रेज, जालन्धर ।

दिनांक: 19 सितम्बर 1975।

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्मालय, सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 19 सितम्बर 1975

निर्देश सं∘ 1240---यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार, न्नायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से ग्रधिक है ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9023 जनवरी 1975 में है तथा जो जगराल में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक जनवरी 1975 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) भ्रन्तरण से हुई ंकिसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रिधिनियम, के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए भ्रोर/या;
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजानार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, डियाने में सुविधा के लिए;

चतः घव उक्त ग्राधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त ग्राधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्मलिखित क्यक्तियों ग्रयीत् :---

- 1. श्री गुरनाम सिंह निरेन्द्र सिंह सुपुतां गुलजार सिंह गांव श्रोजला तहसील फिल्लौर। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री हरभजन सिंह सुपुत्र प्रीतम सिंह, गांव जगराल तहसील जालन्धर। (प्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके मधि-भोग में सम्पत्ति है) ।
 - 4. कोई व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में स्वि रखता हो (बह ध्यक्ति, जिनके बारे में घ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुँ।

उन्त सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (स) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीष्ठ्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो 'उक्त ग्रिधिनियम' के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि ग्रधिकृत विलेख नं० 9023 जनवरी 1975 को रजिस्ट्रीकृत ग्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैंन रेंज, जालकार

दिनांक: 19 सितम्बर 1975।

9003

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 वं (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 19 सितम्बर 1975

निर्देश सं० 1241--यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार, ग्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- ६० से श्रधिक है भ्रोर जिसकी सं० जैसा कि श्रधिकृत विलेख नं० 9024, जनवरी 1975 में है तथा जो जगराल में स्थित (ग्रीर इससे उपाबक्ष प्रनुसूची में अरोर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यांलय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक जनवरी 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भ्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से ग्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर धन्सरिली (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त प्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत 'उक्त मिधिनियम' के प्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा केलिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रधिनियम, 1922 का 11) या 'उक्त प्रधिनियम', (1922 धन-कर श्रधिनियम, 1957 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब 'उक्त चधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में में 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित ब्यक्तियों, अर्थातु:---

- 1. श्री गुरनाम सिंह, निरेन सिंह सुपुत्रां गुलजार सिंह गांव श्रोजला तहसील फिल्लौर।
- श्री प्यारा सिंह सुपुत्र रूर सिंह, गांव जगराल तहसील (श्रन्तरिती) जालन्धर ।
- 3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके ग्राधि-भोग में सम्पत्ति है)।
- 4. कोई व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी भ्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल्ल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति म हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम' के श्रध्याय 20-क में परि-भाषित है, वही ग्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भ्मि जैसा कि श्रिधकृत विलेख नं० 9024, जनवरी 1975 को रिजस्ट्रीकृत ग्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम ग्रधिकारी सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण) म्रजन रेंज, जासन्धर

दिनांक: 19 सितम्बर 1975।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की प्रारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, भोगाल

भोपाल, दिनांक 9 सितम्बर 1975

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/भोपाल, म० प्र० एक्वीजेशन-75-76---यतः, मुझे, एम० एफ० मुन्शी, <mark>आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे</mark> इसमें इसके पश्चात 'उन्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूरुप 25,000/- रुपये से अधिक है ग्रीर जिसकी सं० मकान नं० 35/1 है तथा जो रामापूरा इन्दौर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 6 जनवरी 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्तिके उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- श्री भ्रली हुसैन पुत्र श्री हाथीमल जी, बौरा रोड, बौहरा बाखल, इन्दौर। (अन्तर्क)

2. श्री म्रहीर हुसैन पुत्र श्री ग्रब्दुल हुसैन नलवाला, बौहरा रोड, रानी पुरा नई बागई, इन्दौर। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 35/1। स्थित गली नं० 1 रामपुरा इन्दौर

एम० एफ० मुन्शी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भ्रोपाल।

दिनांक: 9 सितम्बर 1975।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-चं (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय भ्रजीन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 सितम्बर 1975

निर्देश सं० श्राई० ए० सी० एक्वी० भोपाल/75-76----यत:, मुझे, एम० एफ० मुन्शी,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961)

का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० म० नं० 35/1 है, तथा जो रानीपुरा में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 7 जनवरी 1975 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अस्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी फिसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, या छिपाने में स्विधा के लिए;

कत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1. श्री श्रली हुसैन वल्द हाशीमल जी, निवास वौहरा वाख्ल, इन्दौर। (श्रन्तरक)
- 2. श्री सहीर हुसैन वल्द ग्रब्दुल हुसैन, निवास रानीपुरा इन्दौर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

म० नं० 35/1 बना हुन्ना गली नं० 1 रानीपुरा, इन्दौर।

एम० एफ० मुन्शी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 9 सितम्बर 1975

प्रारूप भाई० टी० एन० एस०-----

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय भर्जन रेंज, भ्रमृतसर

प्रमृतसर, दिनांक 10 प्रक्तूबर 1975

निर्देश सं० भ्रमृतसर/155/75-76—–यतः, मुझे, वी० भ्रार०सगर,

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रिधिक है

क्रीर जिसकी सं० भूमि का प्लाट है तथा जो ग्रीन एवेन्यू, ग्रमृतसर में स्थित है, (ग्रीर इससे उपावद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक फरवरी तथा मार्च 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिल्हा बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है-

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय के बाबत उक्त श्रधि-नियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

ग्रतः ग्रम, उम्रत ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, मैं, उम्रत श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्ः

- श्री लै० क० श्रोम प्रकाश भाटिया सुपुत्त श्री रामलाल भाटिया ग्रीन एवेन्यू, श्रमृतसर द्वारा श्री सालिगराम भाटिया सुपुत्र श्री सुन्दर दास भाटिया, बटाला रोड, श्रमृतसर। (श्रन्तरक)
- 2. श्री बनशीण सिंह सुपुत्र श्री जसवन्त सिंह, जसवन्त सिंह सुपुत्र श्री वसावा सिंह, सुलतान विंड रोड, श्रमृतसर (श्रन्सरिती)
 - जैसा कि नं० 2 में है।
 (वह व्यक्ति जिसके म्रधिभोग में सम्पत्ति है)।
 - 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के <mark>ग्रार्जन के</mark> लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त गब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 317 ग्रीन एवेन्यु भ्रमृतसर, जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 3644, फरवरी 1975 ग्रीर 3939, भार्च 1975 को रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी ग्रमृतसर म है।

> वी० झार० सगर सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर झायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज, झमृतसर

दिनांक : 10 श्रन्तूबर 1975

प्ररूप भाई०टी०एन०एस०-

श्रामकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

अमृतसर दिनांक 10 श्रक्टूबर 1975

निर्देश सं० भ्रमृतसर/156/75-76—-यतः, मुझे, वी० भ्रार०सगर,

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० से श्रिधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मकान का 1/2 भाग है तथा जो 2133/ VIII-17 या 7 किला भंगियां, श्रमृतसर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय ग्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिकारी के कार्यालय ग्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिकास, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक फरवरी 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर यह कि श्रन्तरक (श्रन्तरकों) भीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत 'उक्त ग्रधि-नियम' के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर / या
- (ख) ऐसी किसी म्राय या किसी धन या म्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय म्रायकर म्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त म्रधिनियम, या धन-कर म्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

द्यतः श्रव उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, में उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269 की उपधारा (1) के ब्राधीन निम्नलिखित व्यक्तियों श्रर्थात् :— 12—296GI/75

- 1. श्री परषोत्तम दास पोपली मुपुत्र श्री पूरन चन्द, 16, लेलैण्ड लेन, मैट्रोपालिटिन डिस्ट्रिक्ट ग्राफ श्राड फोर्ड, लन्दन द्वारा श्री प्रेम नाथ पोपली, एफ०-31, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- 2. श्री श्रोम प्रकाश सुपुत्र श्री लम्भू राम श्ररोड़ा, 2133/-VIII17, किला भंगीयां, ग्रावादी गोकल चन्द, श्रमृतसर (श्रन्तरिती)
 - जैसा कि नं० 2 में है।
 (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
 - 4 कोई व्यक्ति, जो सम्पत्ति में रुचि रखता है (बह व्यक्ति जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के म्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सबंध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

मकान नं० 2133/VIII-17 या 7 किला भंगियां श्रमृतसर का 1/2 भाग जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3704, फरवरी 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी श्रमृतसर में लिखा है।

> वी० भ्रार० सगर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

दिनांक: 10 श्रक्तूबर 1975

मोह्रर:

प्ररूप बाई० टी० एन० एस०----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भ्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 10 श्रक्तूबर 1975

निर्देश सं० श्रमृतसर/157/75-76--यतः, मुझे, वी० श्रार० सगर,

प्रायकर ग्रिधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधि-नियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है प्रौर जिसकी सं० मकान का 1/2 भाग है तथा जो 2133/ VIII-17 या 7 किला भंगीयां, अमृतसर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक फरवरी 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत सन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी वावत, उक्त अधि-नियम के अधीन करदेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गयाथा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

ग्रत: अब उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रिथीत :---

- 1. श्री प्रेमनाथ पोपली सुपुत्र पूरन चन्द पोपली वासी एफ० 31, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- श्री भ्रोम प्रकाश सुपुत्र श्री लभू राम भ्रारोड़ा,
 2133/VIII-17 किला भंगीयां, श्राबादी गोकल चन्द, श्रमृतसर।
 (श्रन्तरिती)
 - जैसा कि नं० 2 में है।
 (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)।
 - 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (बह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि सह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास शिक्षत में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उम अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 2133/VIII-17 या 7 किला भंगीया ग्रमृतसर का 1/2 भाग जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3703, फरवरी 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी ग्रमृतसर में है।

वी० धार० सगर, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

दिनांक: 10 श्रक्तूबर 1975

प्ररूप भाई• टी० एन० एस०---

ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज, भ्रम्तसर

श्रमृतसर, दिनांक 10 श्रक्तूबर 1975

निर्देश सं० भ्रमृतसर/158/75-76—-यतः, मुझे, वी० भ्रार० सगर,

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया 269ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका 25,000/-₹0 से श्रधिक है उचित बाजार मृल्य म्रीर जिसकी सं० 1/3 कोठी है तथा जो $567/\mathrm{XIII}$, ब्रह्म नगर भ्रमृतसर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय श्रम्तसर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक फरवरी 1975 सम्पत्ति के उचित बाजार मृ्ल्य से दुश्यमान प्रतिफल लिए गई है की और यह करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल धुष्यमान प्रतिफल के प्रतिशत से प्रधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या भ्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, 'उपत अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उपत अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिखत व्यक्तियों, ग्रर्थात्:—

- 1. श्री मनोहर लाल सुपुत्र विद्या धर मार्फत मैसर्ज विद्याधर एण्ड सन्ज, बाहर हाल गेट, श्रमृतसर (श्रन्तरक)
- 2. श्री कुन्दन लाल, श्री णाम सुन्दर सुपुत्रान श्री विद्याधर टन्डन वासी 576/XIII, अह्मनगर लारैन्स रोड, अमृतसर (श्रन्तरिती)
 - जैसा कि नं० 2 में है।
 (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)।
 - 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रूचि रखता हो। (बह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अस्य ब्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकेंगे।

स्पब्डीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी नं 576/XIII, ब्रह्मनगर, ग्रमृतसर का 1/3 भाग जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 3662, फरवरी 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी ग्रमृतसर में है।

वी० श्रार० सगर, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

दिनांक: 10 श्रक्तूबर 1975

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज्ञ, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 10 ग्रक्तूबर 1975

निर्देश सं० भ्रमृतसर/159/75-76--यत:, मुझे,

श्रार० सगर,
श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ते,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
श्रीर जिसकी सं० भूमि का प्लाट है तथा जो प्लाट नं० 9.

शिवाला भाईयां, अमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधि-कारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक फरवरी

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विण्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात्:—

- 1. श्री बलजीत सिंह सुपुत्र कुलबीर सिंह, कोठी नं० 21 श्रमृतसर कैन्ट। श्रीमती सुनीत कौर सुपुत्री मेजर बीर सिंह 399, डिफैन्स कालोनीं, नई दिल्ली द्वारा डा० रणवीर सिंह सुपुत्र डा० सोहन सिंह, 21-कैन्ट, ग्रमृतसर। (श्रन्तरक)
- 2. श्री सुरिन्द्र मोहन अग्रवाल सुपुत्र अक्शी राम अग्रवाल 105, लारैन्स रोड, अमृतसर। (अन्तरिती)
 - 3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
 - 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
 (वह व्यक्ति, जिसके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 48 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पन्तीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 9, शिवाला भाईयां ग्रमृतसर, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3698 फरवरी 1975 की रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी ग्रमृतसर में है।

> वी० **प्रा**र० सगर, सक्षम प्राधिकारी सहायक **ग्रा**यकर त्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, त्रमृतसर

दिनांक: 10 श्रक्तूबर 1975

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ध्रायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेज, भ्रमृतसर

भ्रम्तसर, दिनांक 10 अक्तूबर 1975

निर्देश सं० ग्रमृतसर/160/75-76---पतः, मुझे, वी० ग्रार० सगर,

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम,' कहा गया है), के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी 269-ख को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए० से प्रधिक है ग्रौर जिसकी सं० भूमि का प्लाट है तथा जो 62, इम्प्रवर्मेट ट्रस्ट, स्कीम श्रम्तसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनु-सूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकार्ता ग्रधिकारी के कार्यालय भ्रम्तसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक फरवरी 1975 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है ग्रीर यह कि श्रन्तरक (श्रन्तरकों)भौर श्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे भ्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में, बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बावत उक्त ग्रधि-नियम, के ग्रधिन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, ग्रीर / या
- (ख) ऐसी किसी आय या कसी धन या भ्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए

ग्रतः श्रव उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात्ः—

- श्री केवल कृष्ण सुपुत्र रघुपत राम तथा स्वतंत्र कुमार, विजय कुमार तथा वीरिन्द्र कुमार सुपुतान श्री केवल कृष्ण, गली लाम्बा कटड़ा भाग सिंह, ग्रमृतसर। (ग्रन्तरिती)
 - जैसा कि नं० 2 में है।
 (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
 - कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रिच रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी थ्राक्षेप:—
(क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्तिद्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वही भ्रष्ट होगा जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का प्लाट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3764 फरवरी 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी ग्रमृतसर में है।

> वी० श्रार० सगर, सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृक्षसर।

दिनांक: 10 भ्रम्तूबर 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर म्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रम्तसर, दिनांक 10 श्रक्तूबर 1975

निर्देश सं० गुरदासपुर/161/75-76---थतः, मुझे, वी० भार० सगर,

बायकर प्रधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- ६० से अधिक है भीर जिसकी सं० धरती है तथा जो गांव गुरदासपुर में स्थित है (भौर इससे उपादद्ध भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय गुरदासपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक फरवरी 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के स्वाम भिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- श्री प्रीतम सिंह, नरंजन सिंह सुपुत श्री लक्षमन सिंह (ग्रन्तरक)
- 2. श्री कशमीर सिंह सुपुत्र गुरविष्ण सिंह मार्फत को० आपरेटिव मारकेटिंग सोसाईटी लिमिटेड पठानकोट श्रीर श्रीमती जागीर कौर। (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 में दिया है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखताहो।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वब्दोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6168, महीना फरवरी 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी गुरदासपुर में लिखा है।

> बी० श्रार० सगर, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज, श्रमृतसर।

विनांक: 10 भ्रक्तूबर 1975

प्रारूप भ्राई॰ टी॰ एन॰ एस॰—

ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रोंज, ग्रमृतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 10 अक्तूबर 1975

निर्देश सं० फरीदकोट/162/75-76—-यतः, मुझे, वी० श्रार० सगर,

ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से ग्रधिक है ग्रौर जिसकी सं० धरती का दुकड़ा है तथा जो फिरोजपुर-कोटकपूरा रोड, फरीदकोट में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबब ग्रमुस्वी में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक फरवरी 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रिधिक है श्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देग्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त अधिनियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या अन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः भव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1). के अधीन निम्नलिखित ब्यक्तियों, भ्रथीत :--- श्री नसीब सिंह गिल सुपुत्र श्री तारा सिंह सुपुत्र श्री नत्था सिंह, माल रोड, फरीदकोट।

(ग्रन्तरक)

- 2. श्री दिवन्द्रपाल सिंह सुपुत्र श्री वीर सिंह टिम्बर मरचैन्ट, फरीदकोट। (अन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 में है (बह व्यक्ति, जिसके स्रधि-भोग में सम्पत्ति है)।
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो
 (वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)
 को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के
 लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त समात्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटीकरण:—इसमें प्रयुक्त गब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रथं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती का टुकड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3409 महीना फरवरी 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, फरीदकोट में लिखा है।

> वी० श्रार० सगर, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जेन रेंज, ग्रमृतसर

दिनांक: 10 भ्रक्तूबर 1975

प्ररूप आई० टी० एन**० ए**स०——

भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय अर्जन रोंज श्रमृतसर अन्तसर, दिनांक 10 अक्नूबर 1975

निर्देश सं० फरीदकोट/163/75-76---प्रतः, मुझे, वी० श्रार० सगर,

धायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० धरती है तथा जो गांव समावाली में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुक्तसर में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक फरवरी 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अम्सरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्सरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी घन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धन-कर प्रश्चिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भ्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

घतः प्रव उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के धनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-घ की (उपधारा 1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथीतः—

- श्री सोहन सिंह सुपुत्र श्री हिर किशन सिंह मुख्तयार आफ डा० अवतार सिंह सुपुत्र श्री तेजा सिंह गांव दोसियां कलां जिला जालन्धर। (अन्तरक)
- श्रीमती जगपाल कौर पत्नी स० जोगिन्द्र सिंह ग्रब हाजीपुर तहसील फगवाड़ा। (ग्रन्तरिती)
- जैसा नं० 2 में है । श्रौर किरायेंदार जो धरती
 पर किरायेंदार हैं।

(वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविधि, जो भी श्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रिधिनयम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2636 महीना फरवरी 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी मुकतसर में लिखा है।

> वी० म्रार० सगर, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रम्तसर।

दिनांक: 10 श्रक्तूबर 1975

प्ररूप भाई० टी ०एन ०एस०---

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, श्रम्क्सर

ग्रमृतसर, दिनांक 10 श्रक्तूबर 1975

निर्देश सं० फरीदकोट/164/75-76—यतः, मुझे, वी० ग्रार० सगर,

श्रावकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, मह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रिधिक है ग्रीर जिसकी सं० धरती है तथा जो कोट कपूरा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध भ्रमुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय फरीदकोट में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक फरवरी 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त श्रिधिनियम, के श्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

श्रतः श्रव उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, जंक्त श्रिधिनियम, की धारा 269-थ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रवीत :—

- 1. श्री हरनेक सिंह ग्रौर श्री टेक सिंह वासी कोटकपुरा (ग्रन्तरक)
- 2. श्री नत्था सिंह, गुरचरण सिंह सुपुत्र श्री प्रताप सिंह वासी कोटकपूरा (श्रन्तरिती)
 - 3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पक्ति है)
 - 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3562 महीना फरवरी 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी फरीदकोट में लिखा है।

वी० श्रार० सगर सक्षम ग्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, ग्रप्तसर

विनोक: 10 अक्तूबर 1975

प्ररूप भाई०टी०एन०एस०-

ब्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण),

म्रर्जन रेज, ममृतसर

प्रमृतसर, दिनांक 10 श्रक्तूबर 1975

निर्देश सं० फरीदकोट/165/75-76---यतः, मुझे, वी० भार० सगर,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० धरती है तथा जो कोटकपूरा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, फरीदकोट में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक फरवरी 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तिरित्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है और श्रन्तरक (श्रन्तरकों) और श्रन्तिरति (श्रन्तिरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः ग्रब उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के धनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखत व्यक्तियों, अर्थात्—

- 1. श्री उजागर सिंह सुपुत्र श्री झन्डा सिंह जनरल श्रटारनी फार नछत्तर सिंह, बिनतर सिंह, जीत सिंह, मलकीश्रत सिंह, बासी कोटकपूरा (ग्रन्तरक)
- 2. श्री नत्था सिंह गुरचरन सिंह सुपुत्र श्री प्रताप सिंह बासी कोटकपूरा (श्रन्तरिती)
 - (3) जैसा कि नं 2 में हैं (वह अथिकत, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)
 - (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सबंध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी
 श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति, द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शन्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के श्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थं होगा, जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3560 महीना फरवरी 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फरीदकोट में लिखा है।

वी० घार० सगर, सक्षम घ्रधिकारी सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) घर्जन रेंज, घ्रमृतसर

दिनांक: 10 अक्तूबर 1975

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, म्रम्प्तसर

भ्रमृतसर दिनांक 10 भ्रक्तूबर 1975

निर्देश सं० फरीदकोट/166/75-76---यतः, मुझे, बी० प्रार० सगर, प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है थ्रौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो कोटकपूरा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फरीदकोट में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक फरवरी 1975 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मह्य से कम के वश्यमान

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अण्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया है :--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिख में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रतः ग्रंब उक्त ग्रंधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण, में, मैं, उक्त ग्रंधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रंधीन निम्नलिखित स्यक्तियों ग्रंथीत :---

- श्री वलवन्त सिंह, बलबीर सिंह, सुरजीत सिंह मक्खन सिंह सुपुत्रान श्री मवर सिंह वासी कोटकपूरा (ग्रन्तरक)
- श्री नत्था सिंह, गुरचरन सिंह सुपुत्र श्री प्रताप सिंह, वासी कोटकपूरा (भ्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. कोई भी व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में ब्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजयत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविष, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखत में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त गब्दों श्रीर पदों का, जो 'उक्त श्राधिनियम,' के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3561 फरवरी, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी फरीदकोट में है।

> वी० ग्रार० सगर, सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर।

दिनांक: 10 धक्तूबर 1975।

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-

मायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रजीन रेज, अमृतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 10 भ्रक्तूबर 1975

निर्देश सं० एफडी के/167/75-76---यतः, मुझे, वी० स्नार० सगर,

म्रायकर प्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार, मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है और जिसकी सं० भूमि है तथा जो चकरीयां रोड़, मानसा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय मानसा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन विनांक फरवरी 1975

पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार कम के दृश्यमान प्रतिफल से लिए श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और धन्तरिती (ध्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत 'उक्त श्रधिनियम', के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रिधिनियम,' या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः भव, उक्त मधिनियम, की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त मधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, मर्थात्:—

- श्री बन्त सिंह, ग्रात्मा सिंह, सीता सिंह सुपुत्न केहर सिंह, हरनेक सिंह सुपुत्र केहर सिंह, नर सिंह सुपुत्र बन्त सिंह, वासी मानसा मण्डी। (ग्रान्सरक)
- श्री लछमन दास, मनता राम सुपुत्र चूनी लाल, दीवान चन्द, तेलू राम, प्रेम कुमार सुपुत्र चूनी लाल, वासी मानसा।
 (श्रन्तरिती)
 - (3) जैसा कि नं० 2 में हैं (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)
 - (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में धिच रखता हो (वह ध्यक्ति, जिनके बारे में श्रद्योहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसवद्ध है)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भ्रन्थ व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के श्रद्ध्याय 20-क में परिभाषित है, बही श्रर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 4170 व 4169 फरवरी, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी मानसा में है।

वी० ग्रार० सगर, सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, ग्रमृतसर

दिनांक: 10-10-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,

ध्रर्जन रेंज 1/2, दिल्ली-1 4/14-ए, ध्रासफ ध्रली रोड़, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 30 सितम्बर 1975

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यु०/11/876/75-76/3936
—यत:,मुझे,एस० एन० एल० श्रग्रवाल सहायक
श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
प्रभात 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के श्रधीन
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रिधिक है

स्रोर जिसकी सं० जै० 168 का 1/2 भाग है, जो राजौरी गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन

22-5-1975 t

को पृवोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः म्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के मनु-सरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-च की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- श्रीमती विद्यावन्ती, पत्नी श्री मुकन्द लाल चौधरी, निवासी 5/42, डब्लू० ई० ए०, कारौल बाग, नई दिल्ली (श्रन्तरक)
- 2. मैं० सरला इन्दू इन्टरप्राईजीस, 3072/2-सी० ए०, गली नं० 10, रनजीत नगर, नई दिल्ली इनके हिस्सेदारों के द्वारा (1) श्रीमती सरला एम० स्रहूजा, पत्नी श्री एम० एफ० श्रहूजा (2) श्री इन्द्र कुमार तौलानी, सुपुत्र श्री हरू मल तोलानी (3) श्री सचा नन्द दी० रीझावनी, सुपुत्र श्री थारू मल रीझावनी (4) श्रीमती निमलादेवी, पत्नी श्री हरू मल के० तौलानी। (ध्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजीन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उषत सम्पत्ति के प्रार्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के ग्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान का 1/2 भाग जोकि प्लाट की भूमि पर बना है जिसका क्षेत्रफल 151 वर्ग गज (कुल क्षेत्रफल 302 वर्ग गज) है भ्रोर जोकि प्लाट नं० 168, ब्लाक नं० 'जै', राजौरी गार्डन में, गांव बसाए बारापुर, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:

पूर्व : जायदाद नं ० जै ०-148/ए

पश्चिम : सङ्क

उत्तर : प्लाट नं ० जै०-169 पर मकान दक्षिण : प्लाटनं ० जै०-167 पर मकान

> एस० एन० एल० म्रग्नवास सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण भ्रजेन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीखा: 30-9-1975

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

स्रजेंन रेंज 1/2, विल्ली -1
4/14-ए, स्रासफ स्रली रोड़ नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 29 सितम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० 11/879/75-76/3936 --यत:, मुझे, एस० एन० एल० श्रग्रवाल प्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चातु 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विग्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-६० से अधिक है न्नौर जिसकी सं० बी०-6/1 है, जो माडल टाउन, दिल्ली में स्थित है (भीर इससे उपाबड भ्रनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन 14-4-1975 पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और गन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपास, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त ग्रिधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः अब 'उम्त घिषिनियम', की धारा 269-ग के धमुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के ग्रमीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, ग्रमीन्:--- श्री जै प्रकाश जैन सुपुत्र स्वर्गीय श्री नेम चन्द जैन, निवासी
 3555, गली हनूमान मंबीर, सब्जी मण्डी, दिल्ली-7 (ग्रन्तरक)

[PART III—SEC. 1

- 2. श्री विजय कुमार सूव, सुपुत्र श्री ग्राप्तद सारूप सूप, निवासी बी०-6/2, माडल टाउन, दिल्ली (ग्रन्तरिती)
- 3. श्री राम सास, शाप नं 1, (2) श्री काशी राम, दुकान नं 2, (3) श्री ईश्वर दास, पूकान नं 3 (4) मनमोहन कोहली, बरसाती (5) श्री काशी राम, खोखा सारे निवासी बी०-6/1, माडल टाउन, दिल्ली, (वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामी का से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक ढाई मंजिला पक्षका मकान जोकि फीहोल्डप्लाट नं० 1, ब्लाक नं० बी०-6 पर बना हुम्रा है तथा जिसका क्षेत्रफल 53.33 वर्ग गज है तथा जोकि माइल टाउन, दिल्ली में स्थित है।

> एस० एन० एल० ध्रयकाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ध्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) ध्रजन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 29-9-1975

प्रकप ब्राई० टी० एन० एस०----

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज 2, दिल्ली-1 4-v/14, श्रासफ अली रोड़ नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 30 सितम्बर 1975

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यु०/11/878/75-76/3936
—यतः, मुझे, एस० एन० एस० ग्रग्नवाल
ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रिधिक है ग्रौर
जिसकी तं० एच०-56 है, जो कीर्ती नगर, नई दिल्ली में स्थित है
(ग्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में पूर्व रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता
ग्रिधकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम,
1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 22-4-1975 को पूर्वोक्त
सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए
ग्रन्तरित की गई है ग्रौर मुझे,
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का

यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है ग्रीर यह कि ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, 'उक्त ग्रधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे धचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी म्राय या किसी धन या मृत्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय म्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त म्रिधिनियम, या धनकर म्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव उक्त श्रष्ठिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, 'उक्त श्रष्ठिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात् :---

- श्री अज किशोर, सुपुत्र श्री बरकत राम निवासी एच०/56 कीर्ति नगर, नई दिल्ली (ग्रन्तरक)
- 2. श्री राम नाथ खुराना, सुपुत्र श्री राम लाल खुराना निवासी 33/27 बेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली श्री हरबंस लाल खुराना 3 श्री ग्रम् त लाल 4 श्री कृष्ण लाल पुत्रगण श्री राम लाल निवासी सी-12, गापिंडन्ग सेंटर, बसन्त बिहार, नई दिल्ली

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्क किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक 2-1/2 मॉजला मकान जोकि 326-2/3 वर्ग गज जमीन के टुकडे पर बना हुआ है और प्लाट नं० एच-56 कीर्ति नगर, नई दिल्ली पर निम्न प्रकार से स्थित है:

उत्तर: जमीन दक्षिण: सक्रंक

पूर्व : मकान नं ० एच- 56 पश्चिम : मकान नं ० एच० 57

> एस० एन० एल० श्रप्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक: 30-9-1975

प्र**रू**प आई० टी० एन० एस**०--**-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय भ्रजंन रेंज 1/2, दिल्ली-1 4/14-ए, श्रासफ ग्रली रोड़, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 30 सितम्बर 1975

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/11/877/75-76/3936 —यतः, मुझे एस० एन० एल० श्रग्रवाल श्रिधिनियम, 1961 (1961 का धायकर इसके पक्ष्चात 'उक्त श्रधिनियम' (जिसे इसमें गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भृत्य 25,000/- रु० से अधिक है भ्रौर जिसकी सं० जे०-168 का 1/2 भाग है, राजीरी गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकक्त म्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली वें भारतीय रजिस्दीकरण ग्रधिनियम. 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 22-5-1975 सम्पत्ति के उचित बाजार को पूर्वीक्त कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पम्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीज ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत व 'उक्त अधि-नियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अभ्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री हरकेश कुमार सालूजा, सुपुत्त श्री मोहिन्द्र नाथ सालुजा, निवासी 5/42, इब्ब्लू० ई० ए०, कारौल बाग, नई दिल्ली (ग्रन्तरक)
- 2. मैं० सरला इन्द् इन्टरप्राईजीस, 3072/2-सी० ए०, गली न० 10, रनजीत नगर, नई दिल्ली इनके हिस्सेदारों के द्वारा (1) श्रीमती सरला एम० म्रहजा, पत्नी श्री एम० एफ० म्रहजाः
- (2) श्री इन्द्र कुशार तील!नी, सुपुत्र श्री हरू मल तीलानी (3) श्री सचानन्द टी० रोझावनी, सुपुत्र श्री थारू मल रीझावनी तथा
- (4) श्रीमती नीरमला हेवी, पत्नी श्री हरू मल के० तीलानी । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

एक मंजिला मकान का 1/2 भाग जोकि प्लाट की भूमि पर बना है जिसका क्षेत्रफल 151 वर्ग गज (कुल क्षेत्रफल 302 वर्ग गज) है श्रीर जोकि प्लाट नं० 168, ब्लाक नं० 'जे०' राजोरी गार्डन में, गांव बसाए दारापुर, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:——

पूर्व : जयदाद नं० जे०-148/ए

पश्चिम : सङ्ग

उत्तर : प्लाट नं० जे०-169 पर मकान दक्षिण : प्लाट नं० जे०-167 पर मकान

> एस० एन० एल० भ्रप्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज-2, विल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 30-9-1975

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-----

ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-5, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 प्रक्तूबर 1975

निर्देश सं० म्र० ई० 5/264/27/74-75---भ्रतः मुझे, जे० एम० मेहरा द्यायकर द्रिधिनियम, 1961 (1961 43) ं(जिसे इसमें इसके पश्चात ध्रधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से घिषक है

श्रौर जिसकी सं० है, जो भांडूप व्हीलेज में स्थित है (श्रौर इससे जापबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 25-2-1975 की पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भ्रौर भ्रन्तरक (भ्रन्तरकों) भ्रौर मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की वाबत उक्त श्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या ग्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर ध्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः मन उक्त मिविनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-व की उपघारा (1) ्यधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथति 🛶

- (1) रतनसी करसनदास
 - (2) प्रताप सींग मथुरादास
 - पुष्पाबाई प्रतापसी
 - जैनसिंह विठ्ठलदास
 - 5) प्रतापसींह गोरजी वल्लभदास
 - 6) दीलीपसिंह गोरजी वल्लभदास
 - (७) भावजीसूरजी
 - (8) गोपालजी विरजी सूरजी
 - 9) मनिबाई विडो ग्रॉफ वीरजी सूरजी
 - (10) दमयन्ती विडो भ्रॉफ विरजी सुरजी

- (11) बच्छवाई वीडो ग्रॉफ प्रशोत्तम बहानजी
- (12) सरस्वती प्रल्हादराई की श्रौरत
- (13) दमयन्तीः प्रल्हादरायः सेरजीकी ग्रौरत
- (14) रुकमीनी बेन पुरुषोत्तम दयालजी की श्रौरत
- (15) कल्यानजी ग्रहणकुमार पृष्ठषोत्तम बहनजी
- (16) वसन्त कुमार पुरुशोतम बहुनजी (भ्रन्तरक)
- श्री भारतसींग कुठीरसींग ठाकुर (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की सारीखा से 45 दिन की ध्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (धा) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों धीर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में . परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस म्रध्याय में दिया गया

अनुसूची

जिला बम्बई उपनगर के बांदरा रजिस्ट्रेशन उपजीले के कुर्ला तालुका के सर्वेक्षण संख्या 136 भौर सर्वेक्षण नं० 154 (पार्ट) सी० टी० एस० सं० 161 164 1 से 37 1 से 27 1 社 20 60 58 59 62 1 से 16, 26से 70 1 से 5 1 से 27 1 से 32 64 65 ---- ग्री --1 से 6 1 社 2 1 से 17 1 से 9 से बाहर तमाम जमीन का भाग ग्रथवा खण्ड जो कि माप में 6613 वर्ग गज ग्रथमा 6046.93 वर्ग मिटर है। वह गांव देवी रोड़

पर टेंबी पाडापर स्थित है। तथा जिसकी सीमाएइस प्रकार है। पूर्व में या पूर्व की ग्रोर ग्रंशतः भांडूप स्टेट की प्रापर्टी है ग्रौर श्रंशतः माला है पश्चिम में या पश्चीम की श्रोर तान्सा पाईप लाईन है, उत्तर में या उत्तर की म्रोर भांडूप एस्टेट जिसकी सर्वेक्षण संख्या 136 (पार्ट) श्रीर सर्वेक्षण संख्या 137 (पार्ट) है। दक्षिण में या दक्षिण की भांड्य एस्टेट है।

> जे० एम० मेहरा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-5 बम्बई।

तारीख: 3-10-75

प्रकप माई० टी० एन० एस०---

भायकर मिन्नियम, 1961 (1961 को 43) की घारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 सितम्बर 1975

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, 2 बम्बई श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 35 हि० ने० 2 स० नं० 326 श्र 322 श्रीर 289 श्र है, जो दान्डा में स्थित है (श्रीर इससे उपावड श्रनु-सूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बान्द्रा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908का 16) के श्रधीन 7-2-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रम्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्छह प्रतिशत से प्रधिक है भीर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भीर प्रन्तरित (प्रन्तरितयों) के बीच ऐसे श्रन्तरफ के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत 'उक्त भ्रष्ठिनियम' के∄ भ्रष्ठीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या भन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर भिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भक्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269 ग के धनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269 घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, शर्यात्:--

- 1. दि० युनियन लेन्ड ग्रेन्ड बिल्डिंग सोसायटी लिमिटेड (ग्रन्तरक)
 - 2. इनलेण्डट्रेडिंग श्रेण्ड इन्जीनियरिंग कं० प्रा० लिमिटेड (श्रन्तरिती)
- 3. मेसर्स बोम्बे फाइनान्स कं० (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्राधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बम्बई जिला उपनगर जो कि श्रव बृहत्तर बम्बई है—में बान्द्रा तालुका सालसेटी के रजिस्ट्रेशन क्षेत्र में पाली हिल, दांडा में स्थित एवम् श्रवस्थित जमीन का वह तमाम भाग श्रथवा खण्ड श्रथवा तल जिस में गृहनिवासवाटिकायों या रिहाइशी मकान शामिल है तथा जो उस जमीन का ही एक भाग है जो पाली हिल इस्टेट के नाम से जाना जाता है तथा जो माप में 977. 5 वर्ग गज श्रथवा उसके समकक्ष है वेंडर्स प्राइवेट स्किमकी प्लाट सं० 35 है तथा जो सर्वेक्षण संख्या 15 हिस्सा संख्या 2 की जमीन का भाग श्रथवा खण्ड है तथा सर्वेक्षण संख्या 326 श्रे, 322 श्रीर 289 श्रे का भाग है तथा इस प्रकार घरा हुन्ना है: उत्तर में या उत्तर की श्रोर श्री फार्नाडीस की जमीश है, दक्षिण में या दक्षिण की श्रीर यूनियन पार्क की सड़क है, पूर्व में या पूर्वकी श्रीर यूनियन पार्क का प्लाट नं० 33 है तथा पश्चिम में या पश्चिम की श्रीर यूनियन पार्क का प्लाट नं० 36 है।

एम० जे० मायन कक्षम प्राधिकारी (सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बस्बई

ता**रीख** : 29-9-1975

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 सितम्बर 1975

निर्देश सं० श्रई० 2/1094/3081/75-76— श्रतः मुझे एम० जे० माथन सहायक

प्रायक्तर श्रामुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, 2, बम्बई श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- ६० से अधिक है और जिसकी संग्राह्मिन प्लाट नंग् 95-अटी पींग् एस॰-III है, जो विलेपालें में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 13-2-1975।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भिष्ठिक है और यह कि भन्तरक (धन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितयों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रिधिनियम, के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ शन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः भव उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रश्रीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थीत्:—

- सर्व श्री सेवन्तीलाल कान्तीलाल श्रौर नवीनचन्द्र कान्तीलाल (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती शकुन्तला कान्तीलाल (1) हिराबेन सोमचन्द्र (2) जे० भ्रार० पटेल (3) व्ही श्रमृतलाल मुनीलाल (4) नन्दलाल खेतान (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितबक किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पादीकरण—इसमें प्रयुक्त गब्दों भौर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं प्रयं होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बस्बई नगर एवं बस्बई उपनगर के बस्बई उपनगर जिले के रिजिस्ट्रेशन जिले श्रीर उपजिले में साउथ सालस्डे तालुका में विलेपार्ले में स्थित एवं श्रवस्थित जमीन का वह तमाम भाग श्रथवा खण्ड या तल जो कि माप में एक हजार एक सौ पैतालिस (1145) वर्गगज श्रयात 957 वर्ग मीटर या उसके समकक्ष है, विलेपार्ले नगर योजना सं० 111 का फाइनल प्लाट सं० 95- ए तथा जिन भूभागों से घरा हुआ है वे इस प्रकार है :—— कि उत्तर या उत्तर की श्रोर स्कीम रोड है, दक्षिण या दक्षिण की श्रोर प्लाट सं० 93 है, पूर्व या पूर्व की श्रोर प्लाट सं० 96 है।

एम० जे० माथन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बस्बई

तारीखं : 29-9-1975

मीहर:

प्रस्प प्राई० टी० एन० एस०----

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) कार्यालय

श्चर्णन रेंज 5 बम्बई

बम्बई दिनांक 30 सितम्बर 1975

निर्देश सं० श्राई० 5/239/74-75—श्रतः मुझे जे० एम०

महरा प्रायक्तर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-च के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाई सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रिधिक है ग्रौर जिसकी संग्ने 172 सी० खंग्ने 3235 से 3244 है, जो घाटकीपर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से बाणित है), रजिस्ट्रीकरत्तां ग्रिधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 12-2-1975।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, 'उक्त श्रिधिनियम', के श्रिधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को, जिन्हों भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः मन उन्त भिधिनियम की धारा 269-ग के ध्रनुसरण में, मैं, उन्त श्रिधिनियम की धारा 269-थ की उपभारा (1) के भभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्यात्:—

- 1. मेसर्स जीवन बिल्डर्स भीर ग्रसोसिएट ग्रीर ग्रदर्स (ग्रन्तरक)
 - 2 प्रेमावाई वेलजी लीलाधर की पत्नी (भ्रन्तरिती)
- 3. भाडोति (ग्रनुसूची 2 के ग्रनुसार (बह व्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)
 - 1. नटवरलाल मगनलाल
 - 2. रजनीकान्स शीवलाल
 - 3. सूर्यकान्त रामजी
 - 4. प्रानशंकर नरवेहशंकर
 - 5. मोहन लाल भगवानजी
 - 6. रानीभाई करसनदास
 - 7. मोहनलाल छगनलाल
 - 8. कान्तीलाल वेलजी
 - . नगरसारमास अलाजा -
 - 9. इच्छलंकर वल्लभजी
- 10. गोरधनभाई हाजा दुकान नं०
 - 1. धोबी जेरु चेतनकी
 - 2. जनार्दन भगवान साने
 - 3. उसमान भीकू

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ध्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षी
 के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त गब्बों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खेती जमीन जो माप में 933 वर्गमीटर है जिसका सर्वे नं० $172\,\mathrm{x}$ विष्टि नं० $229\,\mathrm{x}$ ौर नया शहर सर्वे नं० $3235\,$ से $3244\,\mathrm{x}$ ौर महानगरपालिका म्युनिसिपल नं० $110\,$ एन वार्ड ऋ० $6541\,$ (1), $6741\,$ (2), $6742\,\mathrm{x}$ ौर $6743\,$ जो इमारत सहित खीती लेन घाटकोपर, बम्बई पे स्थित है।

जे० एम० मेहरा सक्षम प्राधिकारी (सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 5 बम्बई

तारीख: 30-9-1975

प्रकृप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रंज 5 बम्बई

बम्बई दिनांक 6 , ग्रम्तूबर 1975

निर्वेश सं० थ्र० ई० 5/26023/74-75—धतः मुझे जे० एम० मेहरा

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है श्रीर जिसकी संग् नं 27 ई० हिस्सा नं ० है, जो देवनार, कुर्ला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणात है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, बंबई में भारतीय रजिस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 24-2-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमाम प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, धीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः मव 'उन्त मधिनिवम' नौ धारा 269-ग के मनुसरण में, में, 'उन्त मधिनियम', की धारा 269-व की उपधारा (1) के मधीन निम्नतिखित व्यक्तियों, भर्षात्:—

- 1. डा० रुस्तम श्रारवेशीर इरानी (श्रन्तरक)
- श्री गजदीश श्रनन्त कामत श्रीर श्री कबीनी चिन्त सुबराया प्रभु (ग्रन्तरिती)
- 3. मेसर्स इस्टर्न स्ट्रीट इण्डस्ट्रीट श्री ए० एन० कामत वह श्यक्ति जिसके ग्रधिभाग में सम्पति है)
- 4. श्री एस० ए० कामत (वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि शह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

बृहत्तर बंबई में रिजस्ट्रेशन उपजिला और बांदरा के रिजस्ट्रेशन सब जिले में जिला बंम्बई उपनगर में देवनार तालुका कुर्ला पर इस्तीप खाली जमीन का यह भाग अथवा खंड जो कि माप में 5958 वर्ग है। तथा 4982 वर्ग मीटर के समत्तुल्य है। अथवा उसके समकक वह सर्वेक्षण संख्या 27ई हिस्सा संख्या 1 की भूमि का एक भाग है और जिसकी सीमाएं इस प्रकार है

उत्तर में या उत्तर की भ्रोर उपनगर स्कीम नंबर 11 के सर्वेक्षण संख्या 10 बी० (पार्ट) की भूमि है।

पश्चिम में या पश्चिम की श्रीर वह भूमि है, जिसका देवनार का सर्वेक्षण सख्या 34 है। दक्षिण श्रीर दक्षिण की श्रीर पश्चिम में 44 फिट चौडी सङक है।

> (जे० एम० मेहरा) सक्षम प्राधिकारी (सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 5 बम्बई

तारी**ख** : 6-10-1975

प्ररूप ग्राई०टी०एन०एस०----

भ्रायकर ऋधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा-269थ (1) के ऋधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाव, दिनांक 29 सितम्बर 1975

सं श्रार ए ए सी ० 127/75/76---पतः मुझे, के ० एस वेंकट रामन.

स्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया हू), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है भौर जिसकी सं० 5-8-644 से 646 एवड़ सर्कल है जो हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनयम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन 14-2-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों), और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) म्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, 'उक्त म्रिधिनियम,' के म्रिधीन कर देने के अन्तरक के दामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) 'उक्त भ्रधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रबं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत् :—

- 1. श्रीमती सऱ्यद, जिसा बेगम पत्नी मीरहसन श्रली खान 4-1-12- 36/2 किंग कौटी रोड, हैदराबाद, (श्रन्तरक)
- 2. श्री श्रसदुल्ला हिम्माती पुत्र हसन हिम्माती, श्रवस्यक, पालक मातीश्री खमर ओकार द्वारा 5-9-217 चिरागश्रली लेन हैदराबाद (श्रन्तरिती)
- 3. किंग सर्कल, होटल द्वारा (1) हसन हिम्माती (2) मोहमदरजाभागीदार (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के झर्जन के लिए कार्यवाहिसां करता हं।

उन्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (स) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की मबधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की मबधि, जो भी मबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद किसी भन्य क्यक्तिद्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पवों का जो 'उक्त भिक्षितयम' के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वहीं भर्ष होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

अनु**स्**ची

बु:मजला मकान का एक भाग जिसका नं० 5-8-644 से 646, क्षेत्र फल 33.445 वर्ग मीटर्स, एबिड्रोड़, हैदराबाद।

> के० एस० वेंकट रामन सक्षम प्रधिकारी सहायक भ्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख: 29-9-1975

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०---

श्रायकर ग्रिवितयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रिवीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

60/61 एरंडबना, क्यें रोड, पूना

पूना 2411004, दिनांक 1 प्रक्तूबर 1975

निर्देश सं० सी० ए० फेंबुबारी 75/हवेली (पुना)—
यत: मुझे, एच० एम० घ्रौलख
ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ग्रीधक है
ग्रीर जिसकी संख्या सी० टी० एस० कमाक 1100/1 है तथा जो
गुन्टेकर्ग (पुना) में स्थित है (ग्रीर इससे पावद धनुसूची में भौर
पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता घ्रधिकारी के कार्यालय हवेली
(पुना) में, रजिस्ट्रीकरण ग्रीधिनयम, 1908 (190 का
16) के ग्रीधीन, तारीख 1-2-1975।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है प्रौर मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है भौर धन्तरक (धन्तरकों) भौर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, 'उक्त भ्रधिनियम', के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्ठिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत:---

- 1. श्रीमती देवीवाई लाकचंद नानवानी तथा श्रीमती देवीबाई, नाधुरमल खैतानी, सिंधु हाऊस' नानमाश्रो बेन, फोर्ट बम्बई-1 (श्रन्तरक)
- 2. श्री (1) श्री हरीकिसन कघासराम पुरस्वामी (2) श्रीमती रेणुका हरीकिसन पुरवानी 52/4 मारा सीसामरी शेंकर सैंठ रोड प्ना-7 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की ता खि से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो 'उक्त श्रिधिनियम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फीहोल्ड खुलि जमीन सब प्लैट कमांक सो०टी० एस० 100/2 गुलरेकर्ग पुना सब प्लैट कमांक क्षेत्रफल 11550 वर्ग फीट (1155वर्ग मीटर्स) (जैस कि रजिस्ट्र कृत के विलेख कमांक 252 1 फेब्रुवार 198 में सब रजिस्ट्र हहवेल II के दप्तर में लिखा है)।

> एच० एस० श्रौलख सक्षम श्रधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज पूना

तारीख: 1-10-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण)
भ्रर्जन रेंज 1/2, दिल्ली-1
4/14-ए० म्रासफ म्रली रोड़, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 24 सितम्बर 1975

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यु०/111/एस० श्रार०-111/ श्रक्रैल/265 (10)/75-76/3879—यतः, मुझे, एस० सी० परोजा

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 **फा 43**) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 2.6**9-ख** के अधीन सक्षम को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक है भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 12, ब्लाक नं० एल० है, जो साउध एकसटैन्शन पार्ट-II, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद भ्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण म्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 24-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरिकों) श्रौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अगन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-म की उपधारा(1) के अधीन निम्नसिक्षित व्यक्तियों, अर्थातः---

- 1: मैं ॰ महावीर एक्सपोर्टस एण्ड इम्पोंटस कं ॰ (प्रा॰) लि ॰, मैंनेजंग डायरेक्टर श्री घरविन्द कुमार जैन, सुपुन्न श्री के ॰ पी ॰ जैन, 519/1, जी ॰ टी ॰ रोड़, शाहदरा दिल्ली (ग्रन्तरक)
- 2. श्री कैलाश चन्द शर्मा तथा नरेश कुमार शर्मा, सुपुत्र श्री सत्यापाल शर्मा, एफ० 2/16, कृष्ण नगर दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फीहोल्ड प्लाट की भूमि जिसका क्षेत्रफल 500 वर्ग गज है भ्रोर प्लाट नं 12 तथा ब्लाक नं एएन है तथा जोकि निवासी कालौनी के नाम से न्यू दिल्ली साउथ एक्सटेन्शन पार्ट- II, नई दिल्ल. में निम्न प्रकार से स्थित है:——

पूर्व:सड़क

पश्चिमः सर्विस लैन

उत्तर : सड़क

दक्षिण : प्लाट नं० एल०-11

एस० सी० परोजा सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजन रेंज----1/2, दिल्ली, नई दिल्ली-।

तारीख: 24 सितम्बर, 1975

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269(व) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 29 सितम्बर 1975

सं० श्रार० ए० सी० 128/75-76---पतः मुझे के० एस० वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ गपये से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० 5-8-644 से 646 श्राबिड सर्कल है, जो हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधितियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-2-1975

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्सरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

- श्रीमती सय्यदुक्तिसा बेगम पत्नी मीर हसन श्रली खान
 1-1236/2. किंग कोटी रोड, हैंदराबाद (अन्तरक)
- 2 श्री हरमत श्रली हिम्माती पुत्र हसन पाल हिम्माती श्रवास्यक चिराग श्रली लेन पालक मानोम खर्मर जोकर द्वारा 5-9-217 चिराग श्रली लेन हैदराबाद

(श्रन्तरिती)

किंग सर्कल होटल भागीरा द्वारा (1) हसन हिम्माती
 (2) मोहम्मद रजा (वह व्यक्ति' जिसके ग्रिधिभोग में संपति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

द:मजले की मध्य भाग नं० 5-8-644 से 646, क्षेत्रफल 33,505वर्गमीटर्स, एबिड सर्कल हैदराबाद में स्थित है।

> के० एस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज हैदराबाद

अतः अय, 'उक्त ग्रधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ध की उपधारा (1) के बारीन निम्निकिक व्यक्तियों, सर्थात्:—
15—296G1/75

सारीख: 29-9-1975

प्ररूप श्राई० टी० एनं ॰ एस०---

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269- घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मद्रास

दिनांक 29 सितम्बर 1975

भ्रायकर श्रधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ए० से श्रीधिक है श्रीर जिसकी सं० 7 5,श्राचारप्पन स्ट्रीट, मद्रास-1 है, जो में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अमें श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्टीकर्ता ध्रधिकारी के कार्यालय, मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रंधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 16 फरवरी 1975 की पूर्वीमत सम्पत्ति के उचित बाजर मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के प्रनुसार श्रन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजर मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत प्रधिक है श्रीर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे श्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिष्ठि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर
- (ख) ऐसी किसी धाम या किसी धन य ध्रन्य ध्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ध्रामकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त ध्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ध्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए का, द्विपाने में सुविधा के लिए।

ग्रतः ग्रव उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, मैं उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269 घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित स्पक्तिकों ग्रतमा :---

- (1) डाक्टर एस० टी० कुलसकरम ग्रौर भ्रादी गुडियातम (ग्रन्तरक)
- (2) श्री नामेन माय हाथीन माय मिलवाला श्रौर श्रादी, मद्रास, (ग्रन्तरिती)
- (3) श्री ए० गुरूसामि रेड्डी ग्रौर श्रादी 75, श्राचारप्पन स्ट्रीट मद्रास 1 (वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति हैं)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सन्वन्ध में कोई भी श्राक्षेप, यदि कोई हो तो

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त गब्दों श्रौर पदों का, उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास, ग्राचारप्पन स्ट्रीट डोर सं० 75 में 2 ग्रौन्डस ग्रौर 644 स्कुथर फीट की भूमि भ्रौर मकान (म्रार० एस० सं० 5550/भाग) (म्रादा भाग)।

जी० रामनातन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख 29-9-1975 मोह्रः प्ररूप प्राई०टी०एन०एस०--

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, मद्रास

दिनांक 29 सितम्बर 1975

निर्देश सं० IX/5/69/74-75—-यतः. मुझे, जी० रामनातन म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् म्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के म्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह० से ग्रधिक है श्रौर जिसकी सं० 75, श्राचारप्पन स्ट्रीट मद्रास है, जो में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन ग्रप्रैल 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य दृष्यमान प्रतिफल के लिए भ्रन्तरित कम के है भ्रौर मुझे यह विश्वास कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रधिक है और ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, 'उक्त श्रिधिनयम, के श्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त ग्रिधिनियम,' या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब 'उक्त श्रधिनियम,' की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, 'उक्त ग्रधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:→

- (1) .डाकटर एस० डी० कुलसेकरन श्रीर श्रादी गुडियानेम (भ्रन्तरक)
- (2) श्री नोमनमाय हाथीममाय मिलवाला ग्रौर श्रादी, 151, बिराडवे, मद्रास । (श्रन्तरिती)
- (3) श्री ए० गुरुसामि रेड्डी श्रौर श्रावी, मद्रास, (वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सिम्पत्ति हैं)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं: ---

उक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविधया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो 'उक्त श्रिधिनियम', के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास, श्राचारप्पन स्ट्रीट डोर सं०, 85 में 20 ग्रीन्डस ग्रौर 644 स्कुयर फीट की भूमि ग्रौर मकान (श्रार० एस० सं० 5550/भाग) (श्रादा भाग)।

जी० रामनातन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 1, मद्रास

सारीख: 29-9-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेज I 54, रफी अहमद किदवाई रोड कलकत्ता दिनांक 1 भक्तूबर 1975

निदेश सं हि॰ ग्रा० 73/सि॰ 67/बम्मत/74-75--यत।
मुझे, एस॰ के॰ चऋवर्ती
ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम ग्रधिकारी को, यह
बिश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ग्रधिक है
ग्रीर जिसकी सं० 5/2, (ग्रापिस नं० 2D) है तथा जो रासेल
स्ट्रीट, कलकता स्थित है (ग्रीर इससे उगाबद्ध ग्रनसूची में ग्रीर
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बम्बे
में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन,
तारीख 13-2-1975।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्बरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्ट्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्ट्यमान प्रतिफल के पन्धह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा क लिए ;और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

- 1. (1) कमना श्रार० श्राटबानी (2) किरण जि० श्रादवानी (3) सारती एस० श्रादवानी (4) पार्बती श्रोर श्रादवानी (5) कमल डि० श्रादवानी (6) जेमी जे० श्रादवानी (7) कबिता एस० कमलानी (8) सरस्वती श्रार० श्रादबानी (9) लिलान के० श्रादबानी (10) मोहन दि० झागीयानी (श्रन्तरक)
 - 2. श्री सुरमा द्रोड प्राइवेट लि० (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभा-षित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

5/2 रासेल स्ट्रीट, कलकता में श्रव स्थित श्रापिस नं० 2 डी० जिसका फोर स्पंस 707 वर्ग फिट श्रौर उसका साथ का फराक 116 वर्ग फीट ।

> एस० के० चऋबती सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 54, रफीग्रहमद किंदवाई रोड, कसकता -16

तारीख: 1-10-1975

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज I 54, रफी भ्रहमद किदवई रोड, कलकत्ता•16

दिनांक 1 प्रक्तूबर 1975

निर्देश सं० टि० श्रार० 319/सि०-318/कलकत्ता-1/74-75-——यतः मुझे, एस० के० चऋवर्ती ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०से ग्रधिक है भीर जिसकी सं० 22 है तथा जो ब्राबोर्न रोड कलकत्ता स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-स्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, 5 गर्वमेंट प्रेस नार्थ, में र'जस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 18-2-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है ग्रीर श्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उ≆त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए ; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

ग्रत: ग्रब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीतु:—

- 1. कुरबन हुसन हमन भ्रालि (भ्रन्तरक)
- 2. श्री सालेभाई इउसुफग्राली (प्रन्तरिती)
- 3. सिफयाबाई मोलाम म्राली, (वह व्यक्ति, श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के म्रर्जन लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी भ्रापेक्ष :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त भव्दों भौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के भ्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं धर्थ होगा, जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

22 क्राब्पेर्ने रोड़ कलकत्ता में श्रब स्थित, लगभग 4 कट्टा 6 छटांक 12 वर्ग फिट जमीन पर तल्ला मन्जिल का 1/3 हिस्सा।

> एस० के० चक्रबर्ती सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजन रेंज I 54, रफीग्रहमद किदबाई रोड कलकत्ता-16

तारीख: 1-10-1975

प्ररूप ग्राई०टी०एन०एस०---

भायभर भ्रधिनियम, 1961 (1961 भा 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज 1/2, दिल्ली-1 4/14-ए, भ्रासकप्रली रोड़,

नई दिल्ली, दिनांक 30 सितम्बर 1975

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/III/एस० श्रार०-III/ मार्च/207 (2)/75-76/--यतः मुझे, एस० सी० परीजा घायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' इसके कहा गया है), 269-खर के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से ग्रधिक है भौर जिसकी सं० मकान नं० सी०-83 है, जो साउथ एक्सटैन्शन, पार्ट- Π , नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपायद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ब्राधीन 3-3-1975 की पुर्वीषत सम्पत्ति

पूवाकत सम्पात के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-फल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ब्रह प्रतिशत से श्रधिक है और अन्तरिक (श्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, 'उक्त ग्रिध-नियम', के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रधिनियम', या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः, भ्रम, 'उन्त ग्रिधिनियम', की धारा 269ग के ग्रनुसरण में, मैं, 'उन्त प्रिधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रिधीन निम्नलिखित स्थितियों, भ्रार्थात्:—

- 1. श्रीमती जोगिन्दर कोर, पत्नी एस० सोहन सिंह, चडडा निवासी 26/बी०, राजपुर रोड़, (यू०पी०) देहरावृन । (श्रन्तरक)
- श्री बैंज नाथ, सुपुत्र श्री हरी चन्द (2) राजिन्द्र नाथ (3) रघु नन्दन (4) नारिन्द्र नाथ, सुपुत्र श्री बैंज नाथ, निवासी 1708, दरीवा कालन, दिल्ली-6 (अन्तरिती)
- 3. श्री (1) राम सरन दास खन्ना सुपुत्र श्री राम रतन, निवासी सी०-83, एन० डी० एस० सी० पार्ट-II, नई दिल्ली (2) श्री किण्न लाल कपूर, सुपुत्र श्री जीवन लाल कपूर निवासी सी०-83, एन० डी० एस० सी० पार्ट-II, दिल्ली-49 (वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं :---

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो 'उक्त अधिनियम', के श्रष्टवाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

1½ मंजिला होल्ड मकान जोकि प्लाट नं सी०-83 पर बना है तथा क्षेत्रफल 500 वर्ग गज है और जोकि निवास कालौनी न्यू दिल्ली साउथ एकस्टैन्शन पार्ट-II, नई दिल्ली के गांव मरूजदि मठ्ठ दिल्ली राज्य, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :---

पूर्व : प्लाट नं ० सी.०-82

पश्चिम : सी०-84

उत्तर : प्लाट नं० सी०-85 तथा लान है।

दक्षिण : सड़क

एस० सी० परीजा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 30 सितम्बर 1975

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०

आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

श्वर्जन रेंज 3 दिल्ली-1 4/14-ए, श्वासफ श्वली रोड़,

नई दिल्ली, दिनांक 4 ग्रक्तूबर 1975

निर्देश सं० श्राई० ए० सी० /एक्यू०-III(एस० श्रार०-III/ फरवरी/ 194 (22) 74-75/4090—-यतः, मुझे एस० सी० परोजा

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जे० 22 है, जो मालवीय नगर एक्सटैन्णन, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 15-2-1975।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और प्रन्तरक (धन्तरकों) भौर धन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसो आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बकने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्षर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात् :—

- श्री याशोवरधन, सुपुत्र श्री टी० पी० सिंह, (श्री टी० पी० सिंह के द्वारा जिनके पास संविधानिक तौर पर पावर ग्राक एटारनी है), 13-ए० बी०, पण्डारा रोत्न, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- 2. श्री जी० पी० श्रीवास्तवा, सुपुत्व स्वर्गीय दीवान प्रयाम किशौरी लाल तथा श्रीमती राज रानी श्रीवास्तवा, पत्नी श्री जी० पी० श्रीवास्तवा, निवासी जे०-22, मालविया नगर एक्सटैन्शन, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी भरके पूर्वीक्त सम्पत्ति के क्षर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भ्रथं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दुमंजिला मकान जो कि लोजहोल्ड प्लाट की भूमि पर बना हुआ है जिसका नं० जे०-22 है तथा क्षेत्रफल 418.065 वर्ग मीटर/500 वर्ग गज है और जोकि निवासी कालौनी मालविया नगर एक्स-टैन्शन, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:--

पूर्व : सड़क पश्चिम : सर्विस लेन उत्तर : प्लाट नं० 23 दक्षिण : प्लाट नं० 21

> एस० सी० परीजा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 4 मन्तूबर 1975।

मोइरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन परिक्षेत्र, बिहार

पटना, दिनांक 8 श्रक्तूबर 1975

निर्देश सं० III-103/म्रर्जन/75-76--1237---यतः मुझे ज्योतीन्द्र नाथ निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायकत श्रर्जन परिक्षेत्र बिहार, पटना आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख़ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु० से अधिक है श्रीर जिसकी म्यु० सर्वे० प्लौट सं० 65 है तथा जो फ्रेजर रोड, पटना में स्थित है (श्रीर इससे उपलब्ध धनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 10-2-75 सम्पत्ति के उचित दुश्यमान प्रतिफल क्म अन्तरित की गई है और मुझे विश्वास यह करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त श्रीधनियम के श्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुवधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित इपक्तियों, अर्थात:--- (1) श्रीमती अस्मा जफर इमाम जौजे स्व० जफर् उमाम, फ्रेजर रोड, माना कोतवाली, पटना

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सरदार जोध सिंह बल्द सरदार सोहन सिंह 'माया निवास," गुरु गोबिन्द सिंह घाट गली, थाना चौक पटना सीटी, पटना

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की लारीख से 45 दिन की धविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसर्में प्रयुक्त शब्दों घौर पदों का, को उक्त घिष्ठ-नियम के झध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस झध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

जमीन रकवा करीब 2041 वर्गफीट, फ्रेजर रोड, पटना, जिसका म्यू० स० प्लौट सं० 65, क्षे० सं० 84 (पुराना) तथा 346 (नया) सर्किल सं० 6, वा० सं०-2, सीट सं० 21।

> ज्योतिन्द्रनाथ सज्जम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेन रेंज, बिद्वार, पटना

तारीख: 4-10-75

मोह्नर:

प्ररूप ग्राई० टी० एत० एन०-----

श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना , दिनांक 4 ग्रक्तूबर 1975

निर्देश सं 0III-104/भ्रर्जन/75-76/9232---यतः मुझे, ज्योतीन्द्र नाथ निरीक्षी

भ्रायकर श्रधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रिवित्यम' कहा गया है), की धारा

269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी म्यू० सर्वे प्लैट० सं० 65 है, तथा जो फ्रोजर रोड, पटना में स्थित है (श्रीर इससे उपलब्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय पटना में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिमयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 6-2-75। को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजर मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है श्रीर अन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितयों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन य श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

भ्रतः भ्रव उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रतु-सरण में, मैं उक्त श्रधिनियम, की धारा 269 घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों भ्रथीत :—— 16—296G1/75

- (2) श्रीमती श्रस्मा जफर इमाम जीजे स्व० जफर इमाम प्रेजर रोड, थाना, कोतवाली, पटना (श्रन्तरक)
- (2) श्री सरदार हर भजन सिंह बल्द सरदार सोहन सिंह, माया निवास''गुरू गोबिन्द सिंह घाट गली, धाना, चौक, पढना सीटी पटना (श्रन्तस्ति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख़ 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिष्ठित्यम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जनीन रकवा करीब 2041 वर्गफीट फेजर रोड, पटना जिसका म्यू० स० प्लौट सं० 65, हो० 84 (पुराना) तथा 346 (या), सर्किल सं० 6, वा० सं० 2, सीटी सं० 22।

> ज्योतिन्द्रनाथ सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज बिहार, पटना

तारीख: '4-10-75

प्ररूप आई० टी० एन• एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-I पटना

पटना, दिनांक 4 श्रक्तू बर 1975

निदेश सं० III-105/म्रर्जन/75-76/123--यतः म्**स** ज्योतीन्द्र नाथ प्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका बाजार मुल्य 25,000/-रु० से भ्रौर जिसकी सं० म्यु० सर्वे० प्लाट सं० 65 है, तथा जो फ्रेंजर रोड, पटा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में घीर धूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय पटना में रिजस्ट्री-करण प्रधिनियम 1908 (1008 का 16) के प्रधीन तारीख, 6-2-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये प्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरिक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अध, 'उक्त अधिनियम' की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त श्रधिनियम', की घारा 269-थ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्।--

- (1) अस्मा जफर इमाम जौजे स्व० जफर इमाम भेजेर रोड, थाना कोतवाली, पटना (अन्तकर)
- (2) श्री सरदार संतोख सिंह बल्द सरवार सोहन सिंह 'माया निवास'' गुरु गोविंद सिंह बाट गली, थाना चौक (श्रांतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पवों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

जमीन रकब करीब 2041 वर्ग फीट, श्रेजर रोड, पटना जिसका म्यू० स० प्लोट सं० 65 टो० सं० 84 (पुराना) तथा 346 (नया) सकिल सं० 6 बा० सं०-2, साट सं० 21।

> ज्योतीन्द्र माथ सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, बिहार, पटना

तारीख: 4-1-75

मोहरः

प्रकृष आई • टी • एन • एस • -----

भ्रायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन परिक्षत्र, बिहार पटना

पटना, तारीख 4 अक्तबर 1975

निर्देश सं०-III 1 0 6/म्रर्जन / 7 5- 7 6/ 1 2 4 0--- यतः मुझे, ज्योतीन्द्र नाथ, श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु०से अधिक है भ्रोर जिसकी सं० सर्वे० प्लाट सं० 65 है, तथा जो फेजर रोड, पटना में स्थित है (ग्रौर इससे उपलब्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण स्प से वर्णित रजिस्टीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, 4-2-75 को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पनद्रह प्रतिशत से अधिक है और अम्लरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अब उन्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उन्त ग्रधिनियम की धारा 269-म की उपग्रारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- ग्रस्मा जफर इमाम जौजे स्व० जफर इमाम, फेजर रोड, थाना कोतवाली, पटना (ग्रन्तरक)
- 2. श्री सरदार श्रमृत सिंह बल्द सरदार सोहन सिंह, "माया निवास" गुरु गोबिन्द सिंह घाट गली, थाना चौक, पटना सिटी, पटना । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

जनत सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हिलबब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अश्वोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

जमीन रक्तबा करीब 2041 वर्ग फीट, फेजर रोड, पटना, जिसका म्यु० स० प्लौट सं० 65, हो० सं०-84 (पुराना) तथा 346 (नया) सर्किल सं०-6, वार्ड सं०-2, सीट सं०-21।

ज्योतीन्द्र नाथ सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बिहार, पटना ।

तारीख: 4-10-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, तारीख 3 श्रक्तूबर 1975

निर्देश सं० टि० ग्रार०-72-सा०-66/काल-1/74-75--ग्रतः, मुझे एस० के० चत्रवर्ती
ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43)(जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/र० से ग्रधिक है

शीर जिसकी सं० 28 है तथा जो इलियट रोड, कलकत्ता स्थित है (श्रीर इससे उपम्बद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्जी श्रिधिकारी के कार्यालय, 5 गवर्नमेंट प्लेस, नार्थ कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1998 का 16) के श्रिधीन, तारीख 1-2-1975 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्षल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिक्षल से ऐसे श्यमान प्रतिक्षल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (कं) अन्सरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बंचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अय्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, ग्रम, उन्त अधिनियम, की झारा 269-म के धनुसरण में, में, उन्त अधिनियम, की धारा 269-म की उपभाषा (1) के समीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्।—

- 1 श्री (1)सईव ग्रहमद (2) शाफीक ग्रहमद (भ्रन्तरक)
- 2 श्री डाक्टर सईद्रक श्रालाम (ग्रन्तरिती) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या सरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में पर-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उसं अध्यायं में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ती सं० 28, इलियट रोड, कलकत्ता में 6 कट्टास, 25 वर्ग फुट क्षेत्रफल का खालो जमीन का श्रविभाजित श्राधः हिस्सा ।

> सी० के० चक्रवर्ती सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-I, 54, रफीग्रहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16 ।

तारीख 3-10-1975 मोहर: प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०----

भ्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, तारीख ः श्रक्तवर 1975

िर्वेश सं० टि० ग्रार०-71/सि०-65/काल-1/74-75-- ग्रातः, मके एस० के० चश्रवर्ती आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से ग्रिधिक है ग्रीर जिसकी सं 28 है तथा जो इलियट रोड, कलकत्ता स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रम्मूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, 5-गवर्नमेंट प्लेस नार्थ में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 1-2-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिल्त बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिल्त बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, 'उक्त श्रधिनियम,' के श्रधीन कर देने के श्रस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर ग्रीधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त ग्रीधिनियम', या धन कर ग्रीधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब 'उक्त ग्रिधिनियम,' की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में मैं, 'उक्त ग्रिधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. ग्रियात्:—

- 1. श्री (1) मईद ग्रहमद (2) पाफीक ग्रहमद (श्रन्तरक)
- 2 श्री मित मुम्त.ज बेगम (भ्रांतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्स सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी, श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्शिकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो 'उक्त श्रीधिनियम,' के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रद्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ती सं० 28, इलियट रोड कलकत्ता में 6 श्रृहास, 24 वर्ग फुट क्षेत्रफल खाली जमीन का श्रविभाजित श्राधा हिस्सा ।

> एस० के० चऋवर्ती सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I 54, रफीकश्रहमद किंदवाई रोड, कलकत्ता-161

तारीख 3 श्रवत्वर, !975 । मोहर : प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीम सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज-II, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 1 श्रक्तूबर, 1975

निर्देश सं० 251/ए० सी० क्यु० 23/462/6-2/75-76--ग्रतः मुझे पी० एन० मित्तल ब्रायकर ब्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है भौर जिसकी सं० नं० 633/2, जमीन का बांधकाम है, तथा जो सयाजी गज, जुनी रेखवे स्टेशन के पास, बड़ोदा में स्थित है (भीर इससे उपाबज्ञ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकार। के कार्यालय, बड़ोदा में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-2-75 और 24-2-75 को पृष्टीक्त सम्पत्ति के उचित बाआर मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्श्यमान प्रतिफल से, ऐसे पृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, 'उक्त अधि-नियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या बन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः श्रव 'उक्त श्रधिनियम' की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, 'उक्त श्रधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत :—

- (1) श्री पुरुशोत्तमभाई भाईलाल भाई पटेल, होरमनभाई किशोर भाई के पावर श्रोफ एटारनी होलंडर सयानी गंज, अहोदा (श्रान्तरक)
- (2) श्रा टक्कर लीलाधर बगरामकाई रेलवे गोडाउन के सामने, बड़ोदा, (ग्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां मुक्क करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन व बांधकाम जिसका हैरे० स० नं० 633/2, (जमीन का माप 1 गुंथा) है छोर जो समाजी गंज, जूती रेलवे स्टेशन के पास, बड़ोदा में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी बडोदा के फरवरी 1975 के रजिस्ट्रीकृत बिलेखों नं० 1278 ग्रीर 1279 में प्रदर्शित है।

> पी० एन० मित्तल सक्षम प्रधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-II, भ्रहमवाबाद

तारीख 1 श्रक्तूबर, 1975 मोहर १ प्रारूप प्राई० टी० एन० एस० ----

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ब्रायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज धारवाड़

धारवाष्ट्र, दिनांक 4 ग्रक्तुबर 1975

निर्देश सं० 81/75-76/ए०सी०क्यु० :——यतः, मुझे पी० सत्यनारायण रॉब,

म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से मधिक है

भीर जिनकी सं० 3140ए है, जो विक्टोरिया रोड, हुनली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिकारी के कार्यालय, हुनली में डाक्युमेंट नं० 3473 के श्रंतर्गत 29-3-1975 के विन में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधि-नियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन

नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के अधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या प्रत्य ध्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27 के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः प्रव उपत ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत:——

- 1. (1) श्री वेंकटेंश गुरुराज चिवटे, कोप्पीकर रोहै, हुबली,
 - (2) श्री श्रीनिवास वेंकटेश चिवटे, फिल्म डिस्ट्रेब्यिटर, कोप्पोकरे रोड, हबली,
 - (3) श्री चितरंजन उर्फ शशिकुमार वेंकटेश चिवटे, कोप्पीकर रोड, हुबली,
 - (4) डा० जयप्रकाश वेंकटेश चिवटे,हुबली
 - (5) श्री शांताराम वेंकटेश चिवटे, विक्टोरिया रोड हुबसी,

- (6) श्री गोविंद वेंकटेश कानडे, त्यांड लार्ड, विठोबा गली, हुबली,
- (7) वासूदेव गोविंद कानडे एम/जी श्री गोविंद कानडे, हबली,
- (8) श्री गोपाल नारायण नखाते, 2, राधा मानस, 5वां रोड, ऋभ ईस्ट, सौताबाई-55।
- (9) श्री धीरेंद्र नारायण नखाते, गांधी नगर, भांद्रा ईस्ट, मंबाई-53।
- (10) श्री श्रीनिवास नारायण नखाते, क्याप्टन दीप रोड, महीम, मुंबाई-16।
- (11) श्री राम चन्द्र नारायण नखाते, 3/15, समर्थ नगर, मुंबाई-70 ।
- (12) डॉ॰ विट्टल नारायण नखाते, केन्डा बाय जीपीए होल्डर श्री एस॰ एन॰ नखाते, मुंबाई-16। (ग्रन्तरक)
 - 2. (1) श्रीपंडलीकसा तुलजासा हबीब,
 - (2) श्री मुरारसा तुलजासा हबीब,
 - (3) श्री रामकृष्णसा तुलजासा हबीब,
 - (4) श्री लक्षमणसा तुलजासा हबीब,
 - 5) श्री वासूवेवसा तुलजासा हबीब,
 - (6) श्री दशरेथसा तुलॅजासा, हबीब, जवलिसाल, हुबली, (श्रन्तरिती)
- 3. श्रीमती सिछब्बा बसप्पा संगम, फायर उड्ड मर्चेंट, विक्टोरिया रोड, हुबली (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधभोग में संपत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त गब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्स ग्रधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

1817 7/9 चदुर यार्ड क्षेत्र का खुल्ला प्लाट बार्ड नं० 1, विक्टोरिया रोड जो भ्राज का श्री जगद्गुरु गंगाधर स्वामी मूस्साबीर मट रोड, हुबली में स्थित है। जिसकी सिटि सर्वे नं० 3140ए है भ्रोर जिसकी सीमायें :──

पूरब में : श्री के० बी० राजू जी के सि० स० नं० 3140बी पश्चिम में : सि० सं० नं० 3144-3269-3272-3273-3274-3275-3276-3277 श्रीर 3279।

उत्तर में : मुनिसीपल रोड,

विक्षण में : सि० स० नं० 3294-3294

2

पी० सत्यनारायण राव सक्षम प्राधिकारी

तारीख: 4-10-1975 सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) मोहर: ग्रर्जन रेंज धारवाड़ । प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस० — ग्रापकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्राथकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैं बराबाद, दिनांक 6 भ्रक्तृबर, 1975

सं० ग्रार० ए० सी०/130/75-76:-यतः मुझे के० एस०वेंकट राभन **भा**यकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से ग्रिधिक है भ्रौर जिसकी सं० 2-2-1105/26 नई नेलाकुनय है, जो हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन को 18-2-1975 । पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान

प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है श्रीर श्रीर यह अन्तरक

(अन्तरकों) ग्रौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिक्ष

उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित

नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस 'जान स्रिधिनियम' के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; स्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रिधिनियम' या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चा।हए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः म्रबं 'उक्त म्रधिनियम' की धारा 269-म के म्रनुसरण में, में, 'उक्त म्रधिनियम' की धारा 269-म की उपधारा (1). के म्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, म्रथीत् :---

- श्रीमित शकुन्तला रंगावारी पत्ती बी० बी० सी० रगा-च्वारी नं० 2-2-1105/26 नलाकुनटा के पास श्रमवरपेट हैदराबाद (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमिति सदीश पती जैनुलाबुदीनकाम नं० 8-2-676/1/A रोड नं० 13 बनजारा टोल हैदराबाद (भ्रन्तरिती)
- 3. श्री की० वी० रंगाच्यारी नं० 2-2-1105/26 नई नला-कुनटा हैदराबाद (वह व्यक्ति, जिसके बारे में घ्रधोहस्ता-क्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितब्द है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें अयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो 'उम्त श्रधिनियम' के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, बही श्रर्थ होगा, जो उस अष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्बक्ती विस्तर्म 1874.77 वर्ग-यार्ड घर नं० 2-2-1105/ 26 'ननदीनी'' नई नलाकुनटा, बाग ग्रमबरपेट---हैवराबाद

> के० एस० वेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन, रेंज हैदराबाद

तारीख 6 ग्रक्तूबर 1975 मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 श्रक्तूबर 1975

सं० ग्रार० ए०सी० 129/75--76---यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्ष्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रुपये से अधिक है ग्रौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 6 दीमलगुड़ा है, जो हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्री-करण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 15-2-75 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्सरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/था
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः अब 'उक्त ग्रधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 17—296GI/75

- 1. बी० रनगारेडी भूतपूर्व रेविन्यू सैंकरेटरी जमीनदार बोलकपूर हैदरावाद (ग्रन्तरक) ।
- श्री ग्रमरजीत सीना पिता—हरबजन सिंह नं० 1-2-593/ 31 दीमलगुडा-हैदराबाद (ग्रन्तरिती)
 - 3. संरक्षक-पिता हरबजन सिंह

(बह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में संपत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के भ्रजंन के लिए कार्यवाहियां गुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

समपती:--जमीन का नं० 6 लेक्चोट नं० 44|लेक्चोट|1|71 तारीख 22-11-71 विस्तीन 600 वर्ग यार्ड दीमलगुडा हैदराबाद गगनमहल गांव में है ।

> के० एस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 6-10-75 मोहर :

प्रकप बाई० टी० एन० एस०---

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269-ज (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्कालय, सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भूजन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 सितम्बर 1975

निदेश सं० 188/अक्युजीशन/गाजियाबाद/74-75—अतः मुझे, एफ० जे० बहादुर भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जीवत बाजार मूल्य 25,000/— रुपये से अधिक है भीर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार स्थित है (और इससे उपाबच अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-2-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूबबमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि बचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से क्वित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसते बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्स अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की बारा 269-न के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-च की उपघारा (1) के घीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- श्री महालक्ष्मी लैन्ड एण्ड फाईनेंस क्रम्पनी लिमिटेड 8- बी जीन्दल ३स्ट बिल्डिंग आसफ झली रोड, नई देहली-1 (धन्तरक)
- 2. श्री हन्स राज डिरारा पुत्नश्री लक्षमन दास निवास फ्लैट नं० 30 सैन्ट्रल मार्किट, लाजपत नगर, नई दिल्ली (श्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उमत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:~

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिस्य — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रवल सम्पति नम्बर 136 बिन्द्रावन साईज कालौनी जो ग्राम पासीन्द्रा परगना बोनी, तहसील गाजियाबाद जिला मेरठ में स्थित है जो कि 70,000 ए० मूल्य में बेची गई है।

> एफ० जे० बहाद्र सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रामकर श्रामुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, कानपुर।

तारीखा: 6-9-1975

प्ररूप आई॰ टी॰ एन॰ एस •---

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 5 सितम्बर 1975

सं० 13/एक्यूजीशन/म्रागरा/75-76--यतः मुझे, एफ० जे० बहादुर

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- इपये से अधिक है प्रौर जिसकी सं क अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याक्षय, आगरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-2-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और यह कि धन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन कर अधिनियम, 1957(1957 का 27) के प्रयोजनार्य भन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, खिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रव उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्भात :—

- 1. श्री कैलाश नाथ पुत्र श्री राम सरन
- 2. श्रीमती फूलो देवी पह्नि श्री कैलाश नाथ
- (3) श्रीमती सरोज देवी पत्नी श्री महेन्द्र प्रसाद सा० पुनियापाड़ा लोहामण्डी श्रागरा—(श्रन्तरक)
- 2 श्री विजय कुमार जैन पुत्र श्री पदम कुमार जैन सा०, लोहामण्डी, ग्रागरा। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास शिक्ति में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्च होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भवल सम्पत्ति नम्बर 23/85 पुकियापाड़ा लोहामण्डी भागरा जो 48,000/- रु० मूल्य में हस्तान्तरित किया गया है।

> एफ० जे० बहादुर सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 5-9-1975

मोहर:--

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

बायकर ब्रिजिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेज, कानपुर

कानपूर, दिनांक 15 सितम्बर 1975

सं० 16/एक्यूजीशन/ग्रागरा/75-76---यतः मुझे, एफ० जे० बहादुर,

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रिधिक है भौर जिसकी सं० प्रनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनु-

सार में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रागरा में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 10-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (खा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अब उक्त प्रविनियम की खारा अनुसरण में, में, उच्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्निशिवत व्यक्तियों, ग्रमीतु:--

- श्री जय प्रकाश गोस्यामी
- (2) श्री महेन्द्र कुमार गोस्वामी पुत्रगण श्री जे राम दास निवासी कारे का ताल देहली दरवाजा भागरा
- (3) श्री लज्जा राम पुत्र गोयल चन्द बजात खुदव मुख्ताराम श्रीमती इन्द्रावती पत्नी लज्जाराम नि० स्वदेशी बीमा नगर, भागरा। (भन्तरक)
- 2. श्री शिवचरन लाल भग्रवाल पुत्र श्री जमनादास भग्रवाल निवासी कदीमवाडी धौलपुर वारिद हाल 25, इनरसिटी रिंग रोड, यागरा। (मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी खासे 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकोंगे।

स्पब्दीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

भ्रवल सम्पत्ति भराजी बतादाद 670 वर्ग गज वाले नगण्य पदी परगना व जिला भागरा जोकि 33500/- रु० मूल्य में हस्ता-न्तरित किया गया है।

> एफ० जे० बहादुर सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपूर

दिनांक:--- 15-- 9-- 1975

मोहर:---

प्ररूप आई• टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुम्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 15 सितम्बर 1975

सं० 17/एक्यूजीशन/श्रागरा/75~76/1443--यतः मुझे, एफ० जे० बहादुर श्रायकर श्रिधिनयम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त मधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विभवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है भीर जिसकी सं० अनुसूची के भनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रागरा में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 10-3-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उखित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित गिक्तियों, अर्थात्:——

- श्री जै प्रकाश गोस्वामी
- (2) श्री महेन्द्र कुमार गोस्वामी पुत्र श्री जैरामदास गोस्वामी नि० कारे का ताल देहली दरवाजा श्रागरा
- (3) श्री लज्जा राम पुत्र श्री गोकलचन्द बजात खुद व मुख्ताराम श्रीमती इन्द्रावती पत्नी लज्जाराम नि० स्वदेशी बीमा नगर, श्रागरा। (भ्रन्तरक)
- 2. डा॰ छोटे लाल गर्ग पुत्र श्री जमनादास भ्रग्नवाल निवासी कदीमवाडी धौलपुर वारिद हाल 25, इनरिसटी रिंग रोड, भ्रागरा। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के भ्रजीन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

श्रवल सम्पत्ति श्रराजी बतादाद 677/4/9 वर्ग गज वाले नगण्य पदी परगना व जिला आगरा जोकि 33872/- रु० मूल्य में हस्तान्तरित की गई है।

> एफ० जे० बहादुर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, कानपुर

दिनांक :--15-9-1975

मोहर:---

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेज, कानपुर -

कानपुर दिनांक, 25 सितम्बर 1975

सं० 15/एक्यूजीशन/ग्रागरा/75-76/1444--म्प्रतः मुझे, एफ० जे० बहादुर

श्रायकर अधिनियम, 1961(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चाम् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मूल्य 25,000/-रु० से भधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याजय, आगरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-3-1975

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इंग्यमान प्रतिफल के लिए

भन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहं प्रतिशत से प्रधिक है श्रीर भन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्सविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रधिनियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (च) ऐसी किसी माय या किसी धन या प्रन्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धनकर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः मन, 'उन्त भिधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त भिधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के भिधीन निम्नलिखित अयिन्तयों, भर्यात्:-

- 1. श्री जै प्रकाश गोस्वामी
- (2) श्री महेन्द्र कुमार गोस्वामी पुत्र जैराम दास नि० कारे का ताल, देहली दरवाजा ग्रागरा
- (3) श्री लज्जा राम पुत्र श्री गोकल चन्द बजात खुद व मुख्ताराम श्रीमती इन्द्रावती, पत्नी लज्जाराम नि० स्वदेशी बीमा नगर, श्रागरा। (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती वीनू श्रश्रवाल पत्नी डा॰ छोटे लाल जी गर्ग नि॰ 25 इनरसिटी रिंग रोड़, श्रागरा। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त भ्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भ्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रवल सम्पत्ति श्रार।जी बतादाद 675/7/9 वर्ग गज वाले नगकी पदी परगना व जिला श्रागरा जोकि 33789/- रु० मूल्य में इस्तान्तरित किया गया है।

> एफ० जे० बहादुर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 25 सितम्बर 1975

प्ररूप भाई • टी० एन० एस०----

भायकर भाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 15 सितम्बर 1975

भ्रायकर म्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उक्त भ्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के भ्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,

जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, आगरा, में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 12-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रशिक्ष है ग्रीर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिधिनियम, के श्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी घन या भ्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रत: श्रवं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपद्यारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रवर्गतः---

- 1. श्री जैप्रकाश गोस्वामी
- (2) श्री महेन्द्र कुसार गोस्वामी पृत्त श्री जैराम दास निवासी कारे का ताल, देहली दरवाजा, ग्रागरा।
- (3) श्री लज्जा राम पुत्र श्री गोकल चन्द बजात खुद व मुख्ताराम श्रीमती इन्द्रावती पत्नी लज्जा राम नि० स्वदेणी बीमा नगर, ग्रागरा।
 (श्रन्तरक्त)
- 2. श्री दाऊ दयाल प्रथ्रवाल पुत्र श्री णिवचरन लाल प्रग्रवाल निवासी 25, इनरसिटी रिंग रोड़, श्रागरा। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी भरके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां भरता हूँ ।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इ.स सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति, दारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगां, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रचल सम्पत्ति श्राराजी बतदाद 673/2/9 वर्ग गज वाले नगण्य पदी परगना व जिला श्रागरा जोकि 33661/- ६० मूल्य में हस्तान्तरित किया गया है।

> एफ० जे० बहादुर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक 15-9-1975 मोह्रः--

प्ररूप प्राई०टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायृक्त (निरीक्षण) भार्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 16 सितम्बर 1975

सं० 64/एक्यूजीशन/म्रागरा/75-76/1446---भ्रतः मुझे एफ० जे० बहादुर

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के भिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/~ ६० से भिधिक है

श्रौर जिसकी सं० श्रनुस्वी के श्रनुसार है तथा जो श्रनुस्वी के श्रनुसार में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुस्वी में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रागरा में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 21→3−1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मत: मत उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के मनु-सरण में, मैं, उक्त मधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, शर्मात् :---

- 1. श्री राम,नारायण पुत्र शाला पन्ना लाल वैश्य नि० बारह-पुरा, बेलन गंज, श्रागरा। (श्रन्तरक)
- 2. श्री बतीश चन्द्र पुत्र श्री राजेन्द्र प्रसाद वैश्य निवासी पीपल मंडी, ग्रागरा। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतस्द्वारा कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इसं सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्धीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भ्रचल सम्पत्ति मकान नं० 31/55 भौर 31/56 जो रावतपारा भ्रागरा में स्थित है 98,000/-रु० मूल्य में हस्तान्तरित किया गया है।

> एफ० जे० बहादुर सक्षम प्राधिकारी) सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण भर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक:-- 16-9-1975

मोहर:---

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय, श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 5 सिसम्बर 1975

सं० 192/एक्यूजीशन/देहरादून/74-75/1447─-श्रतः मुझे, एफ० जे० बहादुर

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० धनुसूची के श्रनुसार है तथा जो श्रनुसूची के श्रनुसार में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, वेहरादून में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, सारीख 11-2-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रधिक है और यह कि श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रौर श्रन्तरिती (श्रन्तरितयों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्श्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत 'उक्त भ्रधिनियम', के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या भ्रन्य म्नास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त म्रधिनियम', या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रंब 'उक्त ग्रधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त ग्रधिनियम', की धारा 269-थ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत:→

- 1. श्री पी० एन० कपूर, श्राई० ए० एस०
- (2) श्रीमती कमलेश कपूर
- (3) श्री श्ररविन्द कपूर
- (4) श्री श्रनिल कपूर संयुक्त परिवार के सदस्यगण सा० सी-1-41-पंडारा पार्क, न्यू देहली-3 (श्रन्तरक)
- 2. श्री भूपेन्द्र कोहली 65-जे॰ राजपुरा रोड, देहरादून (अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी घ्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविधि, जो भी श्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उनत ग्रधिनियम', के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रयं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रवल सम्पत्ति नम्बर 65-जे०-राजपुरा रोड, देहरादून जोकि 1,25,000/- रु० मूल्य में बेचा गया है।

> एफ० जे० बहा**दुर** सक्षम प्राधिक**री** सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 5-9-1975

मोहर:

18-296GI/75

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा। 269-घ 1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 16 सितम्बर 1975

सं० 283/एक्यूजीशन/कानपुर/74-75/1348--- श्रतः मुझे, एफ० जे० बहादुर श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु० से श्रधिक हैं श्रौर जिसकी सं० अनुसूची के श्रनुसार है तथा जो अनुसूची के श्रनुसार में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1909 का 16) के श्रधीन तारीख 21-3-1975 को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह अन्तरक (अन्तरकों) भौर (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-नियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या 'उक्त अधिनियम या' धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

श्रतः अब 'उक्त श्रधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित न्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री कमल शुक्ला पुत्र श्री लक्ष्मी रानायन शुक्ला निवासी 128/46, ई० ब्लाक किदवई नगर, कानपुर। (अन्तरक)
- 2. श्रीमतीः कमला देवी मिश्रा पत्नी श्री श्रोमप्रकाण मिश्रा निवासी 152, कस्सावान गली, डासना रोड़, गाजियाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख़ से: 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्धः किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधि-नियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रचल सम्पत्ति मकान नं० 133/एम/57/जो किदवई नगर, कानपुर में स्थित है, 40,000/- रु० मूल्य में हस्तान्तरित किया गया है।

एफ० जे० बहादुर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज कानपुर

दिनांक 16-9-1975 मोहर:---

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 19 सितंम्बर 1975

सं० 298/एक्यूजीशन/कानपुर/74-75/1449--प्रतः मुझे, एफं० जे० बहादुर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-हु० से अधिक है और जिसकी सं० प्रनुसुची के प्रनुसार है तथा जो प्रनुसुची के प्रनुसार में स्थित है (प्रौर इससे उपाबस प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख, 6-4-1975।

को पूर्वीक्षत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्षत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है —

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत 'उक्त ग्रधि-नियम' के श्रधीन कर वेने के ग्रन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः ग्रब उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा-269-घ की उपधारा (1) के श्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रथात्:--

- 1. श्रीमती मुलतान जहान पत्नी श्री ताजवीर खान नियासी 112/1, ताज मैनसन बैनाजाबर, कानपुर (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती ग्रांशा भ्रोबराय पत्नी श्री जी० एस० श्रोबराय निवासी 7/202 ए०, स्वरूप नगर, कानपुर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपक्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितंबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रष्ठोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा संकेंगे।

हपद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के श्रष्टयाय 20क में परिभाषित है, वही श्रयं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रचल सम्पत्ति नं० 112/1, ताज मैनसन, बैनजाबर कानपुर जो 45,000/- रु० मूल्य में हस्तान्तरित की गई है।

एफ० जे० बहादुर सक्षम प्राधिकारी सह(यक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, कानपुर

विनांक :--19-9-1975 मोहर:--- प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०--

भ्रायकर म्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 19 सितम्बर 1975

सं० 9/एक्यूजीशन/कासमगंज/74-75/1450---श्रतः मुझे, एफ० जे० बहादुर

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है और जिसकी सं० श्रनुसूची के श्रनुसार है तथा जो श्रनुसूची के श्रनुसार में स्थित है (शौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कासमगज में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन सारीख 29-4-1975

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए प्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से ग्रधिक है ग्रौर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रौर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितयों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त प्रधिनियम के अक्षीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने म सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, में, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1). के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रथीत्:——

- ा श्रोमतो राजरानी विधवा पतनी श्री चन्द्र प्रकाश
- (2) श्री श्रीप्रकाश पुत्र श्री चन्द्र प्रकाश निषासी मुहल्ला मजीद जिला फर्रूखाबाद (ग्रन्सरक)
 - (1) श्री श्रशोक कुमार खुद श्रौर प्रतिनिधि
 - (2) श्री भ्रजय कुमार
 - (3) श्री भ्रजीत कुमार
- (4) श्रतुल कुमार बालिकसन पुत्रागण श्री राजेन्द्र सिंह नि॰ महाजना, श्रमशाबाद, जिला, फर्रुखाबाद। (श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां मुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की घ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की घ्रविध, जो भी
 ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूधी

श्रचल सम्पत्ति (खेतिहर जमीन) नम्बर 98 जो मकजना तह० नायमगंज जिला फर्च्छाबाद में स्थित है, 50,000 च० मूल्य में हस्तान्तरित की गई है।

> एफ० जे० बहादुर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख :—-19-9-1975 मोहर :—- प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

स्रर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 19 सितम्बर 1975

सं० 225/एक्यूजीशन/मुजक्फरनगर/74-75/1451---म्रतः मुझे, एफ० जे० बहादुर

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रधिक है श्रौर जिसकी सं० श्रनुसूची के श्रनुसार है तथा जो श्रनुसूची के श्रनुसार में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मुजफ्फरनगर, में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के

स्रधीन, तारीख 25-4-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप में
कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त ग्रिधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:—

मतः अन 'उक्त मधिनियम', की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, 'उक्त भधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन निम्मलिखित व्यक्तियों मधीन :---

- 1. श्री हरिकोल्ड स्टोरेज एण्ड जनरल मिल्स कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड, मुजक्फरनगर द्वारा मैनेजिंग प्रोपराइटर ला० माधव कुमार स्वरूप पुत्न ला० हरिराज स्वरूप निवासी कोठी राम बाग, मुजक्फरनगर (ग्रन्तरक)
 - 2. श्री डा० वेद भूषण पुक्ष डा० ग्रानन्द प्रकाश
 - (2) श्रीमती शकुन्तला भूषण पत्नी डा० वेद भूषण
 - (3) श्री बाकें बिहारी
 - (4) श्री कुन्ज बिहारी पुत्रगण ला० केशोदास निवासी मुजक्फर नगर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अझोइस्ताक्षरी के पास लिखात में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थे होगा, जो उस अध्याय में विया पया है।

अनुसूची

ष्मचल सम्पत्ति साथ में जमीन जो सूजडू परगना श्रौर जिला मुजक्फरनगर में स्थित है, 1,94,000/- रु० मूल्य में हस्तान्तरित की गई है।

> एफ० जे० बहादुर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख:--19-9-1975 मोहर:--- प्रकृप आई० टी० एन० एस०-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कींग्रीलय, संहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, विनांक, 16 भ्रक्तूबर 1975

निर्देश सं० 16/एकयूजीणन/उन्नाव/74-75/1655—अप्रतः मुझे, एफ० जे० बहादुर श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा

269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० श्रनुसूची के श्रनुसार है तथा जो श्रनुसूची के श्रनुसार में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, उन्नाय में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 25-10-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित सदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कैमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (धा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों/ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः श्रव 'उक्त श्रधिनियम', की धारा 269-ग के श्रनुसरण में,मैं 'उक्त श्रधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (i) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत्:—

- 1. श्री रामनाथ भागवा (2) श्री जनन्नाथ भागवा (3) श्री प्रेमनाथ भागवा पुत्रगण श्री छज्जू राम भागवा निवासी 17/3 (1) माल रोड कानपुर (ग्रन्तरक)
- 2. श्री मोहम्मद गुलजार पुत्र श्री नूर मोहम्मद (2) मो० महीद पुत्र दोस्त मोहम्मद (3) मो० नसीम व मो० बईम (बाबा लिगान) पिसराव श्री नूर मोहम्मद (5) मो० खालिद व (6) मो० साजिद बाबा लिगान पिसराव श्री दोस्त मोहम्मद साहिब मकान नम्बर 7373 मोहल्ला कसाबपुरा, सदर बाजार, देहली-6 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के संबन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वध्वीकरण: ---इसमें प्रयुक्त मध्दों और पदौं का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20 क में यथापरिमाकित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

श्र**न्स्ची**

जमीन जिसका क्षेत्रफल 11 बीघा 5 बिस्या 10 किस्बसी भूमिधरी नम्बरी 593, 594 और 595 और 688 है और जो कि ग्राम शेखपुरा जिला उन्नाव में स्थित है, 75,000-रु० मूल्य में हस्तान्तरित किया गया है।

एफ० जे० बहादुर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायंकर भ्रायुक्त, (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, कानपुर

दिनांक : 16-10-1975

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 30th September 1975

No. A-31014/1/75-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission, is pleased to appoint Smt. Indumati Shocrey, a temporary Junior Research Officer (Marathi) in the Language Unit of the Union Public Service Commission to the permanent post of Junior Research Officer (Marathi) in a substantive capacity w.e.f. 1st May 1975.

P. N. MUKHERJEE, Under Secy.

New Delhi-110011, the 22nd September 1975

No. A. 35017/1/75-Admn.II.—On his selection for appointment, on deputation, Shri H. R. Singh, Section Officer of the office of the A.G. C.R. New Delhi, has been appointed to officiate as Accounts Officer a gazetted Class II post in General Central Service—in the Office of the Union Public Service Commission with effect from the forenoon of 9th September, 1975 initially for a period of two years or until further orders, whichever is earlier.

P. N. MUKHERJEE,, Under Secretary; Union Public Service Commission

CABINET SECRETARIAT (DEPARTMENT OF PERSONNEL & ADM. REFORMS) CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 26th September 1975

F. No. C-8/72-AD-V.—Consequent on his superannuation, Shri C. M. Raghavan, Dy. Supdt. of Police, Central Bureau of Investigation relinquished charge of the Office of the Dy. Supdt. of Police (Index Section), Central Bureau of Investigation on the afternoon of 12th September 1975 and proceeded on 108 days L.P.R. with effect from 15th September 1975, with permission to prefix 2nd Saturday & Sunday on 13th & 14th September, 1975.

G. L. AGARWAL, Administrative Officer (E), Central Bureau of Investigation

MINISTRY OF HOME AFFAIRS DIRECTORATE GENERAL CRP FORCE

New Delhi-110001, the 24th September 1975 CORRIGENDUM

No. P. VII-4/74-Estt.—The name at S. No. 15 of this Dte. General Notification of even number dated 17-5-75 may be read as "SHEO NARAIN SINGH" instead of "SHIV NARAIN SINGH".

The 25th September 1975

No. F. 2/33/75-Estt. (CRPF)—The President is pleased to appoint on promotion on ad-hoc basis the following DY SP (Coy. Commdr/ QMs) as Assistant Commandants in the CRP Force until further orders.

2. Their postings and the dates of handing /taking over charge are indicated against each:—

S. No. Name	Rank & Unit of handing over charge	Date of handing over charge	Rank & Unit of taking over charge	Date of taking over charge
(1) (2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1. Shri B.B. Sharma	DYSP/coy. Comdr. 5th Bn CRPF	17-7-75 A N	Assitt. Comdt. 45th Bn CRPF	24-7-75 FN
2. Shri Constaintine	DYSP/Coy. Comdr. (Adm) GC CRPF Poona	11-8-75 AN	Asstt. Comdt. 56th Bn CRPF	<i>26-</i> 8-75 FN
3. Shri M.K. Dhagat	DYSP/Coy. Comdr. 51st Bn CRPF	25-7-75 A:N	Asstt. Comdt. 23rd Bn CRPF	26-7-75 AN
4. Shri S.N. Mathur	Asstt, Principal RTC-I CRPF Barwaha	9-8-75 AN	Asstt. Comdt. 19th Bn CRPF	21-8-75 AN
5. Shri Ramendra Dixit	Coy. Comdr. DYSP. GC. II CRPF Ajmer	7-8-7,5 FN	Asstt. Comdt. 14th Bn CRPF	7-8-75 FN
6. Shri R.K. Vats	DYSP/Coy. Comdr GC CRPF Durgapur	16-8-75 AN	Asstt. Comdt. 34th Bn CRPF	21-8-75 FN
7. Shri Ram Chander	DYSP/Coy. Comdr. GC CRPF Gauhati	7-8-75 AN	Asstt. Comdt. 55th Bn CRPF	8 -8-75 FN
8. Shri Jit Singh Rajput	DYSP/ Coy. Comdr. 31st Bn CRPF	2-8-75 FN	Asstt. Comdt. 31st Bn CRPF	2-8-75 FN

1 2	3	4	5	6
9. Shri C.M. Bahuguna	DYSP/ Coy. Comdr. 37th Bn CRPF	19-8-75 AN	Asstt. Comdt. 47th Bn CRPF	22-8-75 AN
10. Spri Rajondor Pal Singh	DYSP/ Coy. Comdr. 9th Bn CRPF	8-8-75 AN	Asstt. Comdt. 48th Bn CRPF	19-8-75 FN
11. Shri Balwant Singh Azad	DYSP/Coy. Comdr. 22nd Bn CRPF	13-8-75 AN	Asstt. Comdt. 54th Bn CRPF	24-8-75 FN
12. Shri Molak Singh Sidhu	DYSP/Coy. Comdr. 43rd Bn CRPF	2-8-75 FN	Asstt. Comdt, 43rd Bn CRPF	2-8-75 FN
13. Shri K.D. Pachori	DYPS/Coy. Comdr. GC CRPF Nagpur	11-8-75 AN	Asstt. Comdt. 29th Bn CRPF	13-8-75 FN
14. Shri A.N. Scinivasan	Asstt. Principal RTC-II CRPF Avadi.	13-8-75 AN 4	Asstt. Comdt. 50th Bn CRPF	26-8-75 FN
15. Shri N. Venkata Swamy	DYSP/Coy. Comdr GC CRPF Bhubaneswar	27-8-75 AN	'Asstt, Comdt, 57th Bn CRPF	30-8-75 AN
16. Shri Bhupinder Singh	DYSP/Coy. Comdr. 20th Bn CRPF	6-8-75 AN	Asstt. Comat. 2nd Bn CRPF	7-8-75 AN
17. Shri M.C. Joseph	DYSP/Coy. Comdr. 10th Bn CRPF	6-8-75 FN	Asstt. Comdt. 10th Bn CRPF	6-8-75 FN
18. Shri S.B. L. Kharo	DYSP/Coy. Comdr. 33rd Bn CRPF	2-8-75 FN	Asstt. Comdt. 33rd Bn CRPF	/2-8-75 FN
19. Shri N.P. Dutta	DYSP/Coy. Comdr. 56th Bn CRPF	25-8-75 AN	Asstt. Comdt. 26th Bn CRPF	9-9-75 FN

The 26th September 1975

No. O.II-1022/75-Estt(CRPF).—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. Sanatan Tripathy as Junior Medical Officer in the CRP Force, on an adhoc basis initially for a period of one year with effect from the forenoon of 30th July, 1975.

2. Dr. Sanatan Tripathy, is posted to 51st Bn., CRPF,

No. D.I-3/74-Estt.—The services of the following officers of CRPF are placed at the disposal of Cabinet Secretariat, Government of India, w.e.f. the dates noted against each:—

- 1. Shri H. S. Arneja, Dy. S. P. w.e.f. 19-6-1975 AN.
- 2. Shri M. S. Rathore, Dy. S.P. w.e.f. 30-4-75 AN.
- 3. Shri P. N. Sharma, Dy. S.P. w.e.f. 30-4-75 AN.
- 4. Shri S. P. Gairola, Dy. S.P. w.e.f. 15-3-75 AN.

The 1st October 1975

No. O.II-1038/72-Estt.—The President regrets to notify that Shri S. M. Avasthi, Dy. SP of 19th Bn., CRPF expired on 22nd August, 1975.

A. K. BANDYOPADHYAY, Assistant Director (Adm.)

DIRECTORATE OF COORDINATION

(POLICE WIRELESS)

New Delhi-1, the 29th Sepember 1975

No. A.21/26/71-Wireless.—Consequent on his reversion to J.C.B., Ministry of Defence, Shri L. D. Gupta relinquished charge of his duties as Extra Assistant Director (Cipher) in the Directorate of Coordination (Police Wireless) on the afternoon of the 19th September, 1975.

C. P. JOSHI,
Director,
Police Telecommunications

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 2nd September 1975

No. E-38013(3)/21/75-Ad.I.—On transfer to Jhansi, Shri M. K. Chopra, Deputy Superintendent of Police/Intelligence Wing, Central Industrial Security Force, New Delhi relinquished the charge of the post with effect from

the Forenoon of 1st September, 1975 and assumed the charge of the post of Assistant Commandant, Central Industrial Security Force, Bharat Heavy Electrical Limited, Jhansi with effect from the Forenoon of the same date, while on Camp at New Delhi.

The 3rd September 1975

No. E-38013(3)/11/75-Ad.I.—On transfer to Hardwar, Shri R. K. Bhagat, relinquished the charge of the post of Assistant Commandant, Central Industrial Security Force Unit, Bharat Heavy Electrical Ltd. (Heavy Electrical Equipment Plant). Hardwar with Hqrs. at New Delhi with effect from the forenoon of 1st September, 1975.

The 22nd September 1975

No. E-38013(3)/8/75-Ad.I.—On transfer to Khetri, Shri B. D. Bahukhandi, relinquished the charge of the post of Assistant Commandant, Central Industrial Security Force Unit, Bokaro Steel Limited, Bokaro Steel City with effect from the Forenoon of 1st September, 1975.

No. E-38013(2)/11/75-Ad.I.—On transfer to Hardwar, Lt. Col. G. C. S. Bisht, Commandant Central Industrial Security Force, Unit, Heavy Engineering Corporation Ltd., Ranchi, relinquished the charge of the post with effect from the Forenoon of 1st September, 1975.

No. E-31013(2)/5/74-Ad.I.—The President is pleased to appoint Inspector R. B. Kuruvilla, to officiate as Assistant Commandant, Central Industrial Security Force Unit, Salem with effect from the Forenoon of 24th August, 1975, until further orders, who assumed the charge of the said post with effect from the same date.

No. E-38013(3)/18/75-Ad.I.—On transfer from Jharia, Shri B. Dalai, assumed the charge of the post of Assistant Commandant, Central Industrial Security Force Unit, Paradip Port Trust, with Headquarters at Paradip with effect from the Forenoon of 23rd August 1975.

No. E-31013(2)/5/74-Ad.I.—The President is pleased to appoint Inspector H. C. Panwar, to officiate as Assistant Commandant, Central Industrial Security Force Unit, Heavy Engineering Corporation, Ranchi with effect from the Forcenoon of 8th July 1975, until further orders who assumed the charge of the post with effect from the same date.

The 25th September 1975

No. E-16014(3)/17/75-Ad.I.—On the expiry of his term of deputation in the Central Industrial Security Force, Shri S. S. Bhavanandam, relinquished the charge of the post of Assistant Commandant, Central Industrial Security Force Unit, Madras Port Trust, Madras, with effect from the afternoon of 31st August 1975.

L. S. BISHT Inspector General

MINISTRY OF FINANCE (DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS) INDIA SECURITY PRESS

Nasik Road, the 22nd September 1975

No. 990/(A).—In continuation of Notification Nos. 3650/(a) dated 29th March 1975 and 26/(A) dated 5th April 1975 the adhoc appointments of the following officers as Deputy Control Officers are extended up to 31st December 1975 on the same terms and conditions or till the posts are filled on a regular basis whichever is earlier.

- 1. Shri F. H. Kolhapurwala
- 2. Shri S. V. Chandwadkar
- 3. Shri H. K. Shejwal

- 4. Shri N. C. Sengupta-Proforma Promotion
- 5. Shri B. S. Patil
- 6. Shri V. Y. Deshpande
- 7. Shri J. C. Lodh
- 8. Shri T. N. Valvi

No. 991/(A).—In continuation of Notification No. 3595/(A) dated 18th March 1975 the ad hole appointments of the following officers as Deputy Control Officers are extended upto 31st December 1975 on the same terms and conditions or till the posts are filled on a regular basis whichever is earlier.

- 1. Shri D. M. Patki
- 2. Shri V. Sriniyasan
- 3. Shri A. J. Mauskar
- 4. Shri B. M. Mandal

No. 992/(A).—In continuation of Notification No. 3596/
(A) dated 18th March 1975 the ad hoc appointments of Shri D. P. Jambotkar as Stamp Supply Officer is extended up to 31st December 1975 on the same terms and conditions or till the post is filled on a regular basis whichever is earlier.

V. J. JOSHI, General Manager

BANK NOTE PRESS Dewas (MP), the 27th September 1975

F. No. BNP/E/Spl/27.—The ad-hoc appointment on deputation of Shri R. A. Misra, Section Officer in the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs as Junior Administrative Officer in the Bank Note Press, Dewas is continued on the same terms and conditions w.e.f. 1st July 1975 to 31st December 1975 or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

D. C. MUKHERJEA, General Manager

SECURITY PAPER MILL

Hoshangabad (MP), the 22nd September 1975

PF. No. Pd-7/1438/7046.—Shri Joy Peter, Foreman (Production) is appointed on an adhoc basis to officiate as Assistant Works Manager in the Scale of Rs. 840—40—1000—FB—40—1200 vide Shri A. K. Ghosh Assistant Works Manager proceeding on leave for 30 days from 24th September 1975 to 23rd October 1975.

S. R. PATHAK, General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE ACCOUNTNA GENERAL ANDHRA PRADESH-I

Hyderabad-500004, the 1st October 1975

No. E.S.I/8-312/74-75/264.—The Accountant General, Andhra Pradesh-I, has been pleased to promote Shri B. Natesha Rao, a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 26th September 1975 F.N. until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors.

S. R. MUKERJEE, Senior Deputy Accountant General, (Admn.) Andhra Pradesh, Hyderabad

19—296G1/75

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi, the 25th September 1975

No. 40011 (2)/75-AN-A— (1) The undermentioned Accounts Officers will be transferred to the pension establisment with effect from the afternoon of the date shown against each on their attaining the age of superannuation.

Sl. No.	Name with Roster No.	Grade	Date from which transferred to pension establishment	Organisation
	S/Shri			
1.	Suraj Parkash S. Malik (P/1)	Permanent Accounts Officer	31-10-75	Controller of Defence Accounts (Pensions) Allahabad.
2.	M.K. Majumdar (P/98)	Permanent Accounts Officer	30-11-75	Controller of Defence Accounts (Factories) Calcutta.
3.	V.S. Dhande (P/215)	Permanent Accounts Officer	30-11-75	Controller of Defence Accounts (Officers) Poona.
4.	N. Sivasubramanian (P/228)	Permanent Accounts Officer	30-11-75	Controller of Defence Accounts (Officers) Poona.
5.	Poshori Lal Gohri (P/356)	Permanent Accounts Officer	31-12-75	Controller of Defence Accounts (Air-Force) Dehradun.

⁽²⁾ Shri D. Janaki Rama Sarma, Permanent Accounts Officer (Roster No. P/214), serving in the organisation of the Controller of Defence Accounts (Other Ranks) North, Meerut has been compulsarily retired from service with effect from the foreneon of 8th August, 1975.

(3) The Controllor General of Defence Accounts regrets to notify the the death of Shri A. K. Subramanyam, Permanent Accounts Officer (Roster No. P/429) in the organisation of the Controller of Defence Accounts, Southern Command, Poona on 7th August, 1975.

Shri A.K. Subramanyam is accordingly struck off the strength of the department from the ferencon of 8th August, 1975.

- (4) The following is added as para (3) to this office Notification No.40011(2)/74-AN-A dated 24th July 1975:—
- "Shri K. Ramaswami, Permanent Accounts Officer (Roster No. P/213) has been granted earted leave preparatory to retirement for 79 days from 14th July, 1975 to 30th September, 1975."
- (5) The following is added as para (4) to this office notification No. 40011(2) /74-AN-A-dated 27th June, 1975:—

"Shri P.M. Shidhaye, Officiating Accounts Officer (Roster No. O/268) has been granted leave as under:— E.L. 21 days from 5-7-75 to 25-7-75

H.P.L. for 63 days from 26-7-75 to 26-9-75.

E.O.L. for 4 days from 27-9-75 to 30-9-75."

S. K. SUNDARAM.

MINISTRY OF DEFENCE

INDIAN ORDINANCE FACTORIES SERVICE
DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES

New Delhi, the 27th September 1975

No. 38/75/G.—On attaining the age of superannuation, Shri H. Dutt, offg. Sr. D.A.D.G.O.F. (Substantive Officer Supervisor) retired from service with effect from 31st July, 1975 (A.N.).

M. P. R. PILLAI, Assit. Director General, Ordnance Factories

MINISTRY OF COMMERCE OFFICE OF THE JOINT CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS & EXPORTS

Madras-600001, the 12th August 1975 ORDER OF CANCELLATION

Sub.:—Cancellation of Customs copy of Import Licence No. P/E/0210637/C/XX/50/M/37-38 dated 12-3-74 issued to M/s. G. V. K. C. & Co., Madras-c.

No. ITC/DUP.COPY/2/A.M.76/E.I.—M/s. G. V. K. C. and Co., No. 123, Nyniappa Naick Street, Madras-3 were granted a licence No. P/E/0210637/C/XX/50/M/37-38 dated 12-3-1974 for Rs. 1797/- (Rupces One thousand seven hundred and ninetyseven only) by this office for import of Drugs and Medicines—S. No. 87-109/IV for the period April 1973—March 1974.

The firm have now applied for grant of duplicate copy of the Customs Copy of the above licence on the ground that the original has been lost/misplaced without having been registered with any Customs authorities and utilised at all.

I am satisfied that the original Customs copy of the licence has been misplaced/lost and I directed that a duplicate copy of the Customs Copy of the licence should be issued to the applicant firm. The original of the Customs copy of the above licence is hereby cancelled to the extent of its face value (i.e. Rs. 1797/-).

This is reported for your information.

I. A. RASHID, Dy. Chief Controller of Imports & Exports

DEPARTMENT OF SUPPLY

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 27th September 1975

No. A-1/1(242).—Shri Maihman Singh permanent Assistant Director (Grade II) and officiating as Deputy Director in the Directorate of Supplies (Textiles). Bombay retired from Government Service with effect from the afternoon of 31st August, 1975 on attaining the age of superannuation (58 years).

K. L. KOHLI,
Deputy Director (Administration)
for Director General of Supplies & Disposals

MINISTRY OF STEEL AND MINES (DEPARTMENT OF MINES) GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700013, the 24th September 1975

No. 6387/B/10/71/19A.—Shri Sujit Roy is appointed as Press Operator in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—880—40—1000—EB—40—1200 in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 25th August 1975, until further orders.

The 27th September 1975

No. 6420/B2251(SH)/19B.—Shri Salan Horo, Senior Drilling Assistant, Geological Survey of India is appointed as Driller in the Geological Survey of India on pay according

to rules in the scale of pay Rs. 650—30—740—35—810—EB —35—880—40—1000—EB—40—1200 (Revised) in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 30th July, 1975, until further orders.

V. K. S. VARADAN, Director General

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 25th September 1975

No. A-19011(150)/75-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri M. K. Ghosh to the post of Assistant Controller of Mines in the Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 8th September, 1975 until further orders.

The 1st October 1975

No. A-19011(180)/75-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri R. R. Gopal to the post of Assistant Controller of Mines in the Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the afternoon of 17th September, 1975 until further orders.

A. K. RAGHAVACHARY, Sr. Administration Officer, for Controller

ANTHROPOLOGICAL SURVEY OF INDIA INDIAN MUSEUM

Calcutta-700013, the 8th September 1975

No. 4-112/75/Estt.—The Director, Anthropological Survey of India, is pleased to appoint Shri Vidyanand Singh to a post of Asstt. Keeper at North Western Station of this Survey, Dehra Dun, on a temporary basis, with effect from the forenoon of 26th August 1975, until further orders.

C. T. THOMAS, Sr. Administrative Officer

DIRECTOR GENERAL, ALL INDIA RADIO

New Delhi-110001, the 27th September 1975

No. 4(98)/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Kumari V. Sekhose as Programme Executive, All India Radio, Kohima in a temporary capacity with effect from the 11th August, 1975 and until further orders.

The 29th September 1975

No. 5(60)/70-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Lutiur Rahman, Transmission Executive, Radio Kashmir, Jammu, as Programme Executive, All India Radio, Dibrugarh in a temporary capacity with effect from the 28th June, 1975 and until further orders.

No. 4(121)/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Syed Mohd. Musanna Rizvi as Programme Executive, All India Radio, Bhopal in a temporary capacity with effect from the 6th September, 1975 and until further orders.

The 30th September 1975

No. 4(120)/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Lewang Pinchoo Yolmo as Programme Executive, All India Radio, Kurseong in a temporary capacity with effect from the 28th August, 1975 and until further orders.

SHANTI LAL,
Deputy Director of Administration,
for Director General

New Delhi-110001, the 29th September 1975

No. 2/6/62-SII.—Director General, All India Radio, is pleased to appoint Shri M. G. Victor, Accountant, High Power Transmitter, All India Radio, Avadi, Madras to officiate as Administrative Officer, All India Radio, Calicut on ad-hoc basis with effect from 22nd September, 1975 (F.N.).

I. S. PANDHI, Section Officer for Director General

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL PUBLICITY

New Delhi-110001, the 22nd September 1975

No. 2/10/56-Est.I.—The Director of Advertising & Visual Publicity hereby appoints Shri Sia Ram Gool, Sentor Accountant to officiate as Accounts Officer in this Directorate with effect from the 4th September, 1975 vice Shri J. N. Gupta granted leave.

R. L. JAIN,

Deputy Director (Admn.)

for Director of Advertising & Visual Publicity

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES New Delhi, the 4th September 1975

CORRIGENDUM

No 28-8/74-Admn.-1.—In paragraph 2 of this Directorate's Notification No. 28-8/74-Admn.-1., dated the 19th August, 1975, for afternoon of 16th July, 1975 read afternoon of 15th July, 1975.

The 27th September 1975

No. 9-14/75-Admn.-I.—While proceeding on Study leave, Shrimati Asha Sharma, relinquished charge of the post of Tutor, Rajkumari Amrit Kaur, College of Nursing, New Delhi, with effect from the afternoon of the 16th July, 1975.

The 1st October 1975

No. 12-1/75-Admn.-I.—The President is pleased to appoint Shri K. Sunderraj a permanent Grade IV Officer of the Central Secretariat Service as Section Officer in the Directorate General of Health Services in an officiating capacity with effect from the forenoon of 8th September, 1975 and until further orders.

S. P. JINDAL, Deputy Director Administration

New Delhi, the 26th September 1975

F. No. 16-42/74-SI.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri R. S. Pange, Officiating Stores Superintendent, Government Medical Stores, Depot, Bombay as Assistant Depot Manager, in the Medical Stores Depot Bombay on temporary basis with effect from 22nd July, 1975 (forenoon) until further orders.

SANGAT SINGH,
Deputy Director Administration (Stores)

New Delhi, the 29th September 1975

No. 41-34/75-D.—The Director General of Health Services hereby appoints Shri Alapati Krishna Dev as Drugs Inspector in the South Zone office of the Central Drugs Standard Con-

trol Organisation of the Director General of Health Services at Madras in temporary capacity with effect from the fore-noon of the 27th August, 1975 and until further orders.

S. S. GOTHOSKAR,
Drugs Controller (India)
for Director General of Health Services

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE (PERSONNEL DIVISION)

Bombay-400085, the 20th September 1975

No. 5/1/75/Estt.V/485.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre, hereby appoints Chintamani Vasudeo Pandse, Assistant to officiate as Assistant Personnel Officer in a temporary capacity in this Research Centre for the period 7th April 1975 to 23rd May 1975.

V. P. CHOPRA, Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY TARAPUR ATOMIC POWER STATION

Tarapur, the 25th September 1975

No. TAPS/ADM/735-A.—The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy, extends the ad hoc appointments of S/Shri P. Ganapathy, V. K. P. Pillai and R. R. Bandooni as Assistant Personnel Officer for a further period of three months with effect from October 1, 1975 or till regular incumbents are appointed whichever dates are earlier.

K. V. SETHUMADHAN Chief Administrative Officer.

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500 016, the 24th September 1975

No. AMD/1/18/75-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division, hereby appoints Shri Shaik Yusuf as Scientific Officer/Engineer (Geology) Grade 'SB' in an officiating capacity in the Atomic Mineral Division, with effect from the foreuoon of 19th September, 1975 until further orders.

S. RANGANATHAN, Sr. Administrative & Accounts Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 29th September 1975

No. A-32013/4/75EA.—The President hereby promotes Shri M. M. Joglekar to the grade of Deputy Director/Controller of Aerodromes in the Air Routes & Aerodromes Organisation of the Civil Aviation Department, in the scale of Rs. 1500—60—1800, in an officiating capacity with effect from the 19th September, 1975 and until further orders. Shri Joglekar is posted as Regional Controller of Aerodromes, Bombay Region, Bombay Airport, Bombay.

V. V. JOHRI,
Asstt Director of Administration

COLLECTORATE OF CUSTOMS CENTRAL EXCISE

Allahabad, the 23rd August 1975

No. 132/1975.—Shri Abdul Hamid, officiating Inspector (S.G.) of Central Excise, posted in the Central Excise Collectorate Headquarters Office, Allahabad, appointed to officiate as Superintendent, Central Excise, Class II, until further orders, in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, vide this office Establishment Order No. 212/1975, dated 30-7-1975, issued under Endorsement C. No. II(3)2-Et/75/28088, dated 30-7-1975, assumed charge of the Office of the Superintendent of Central Excise, Class II, in the Central Excise Collectorate Hdgrs. Office, Allahabad on 1st August, 1975 (forenoon).

The 10th September 1975

No. 104/1975.—Shri Param Hans Singh Chauhan, confirmed Inspector (S.G.) of Central Excise, posted in the Central Excise Division 1 kanpur, in the Central Excise Collectorate, Kanpur and appointed to officiate as Superintendent, Central Excise, Class II, until further orders, in the scale of Rs 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, vide this Office Establishment Order No. 212/1975, dated 30-7-1975—issued under Endorsement C. No. II(3)2-Et/75/28088, dated 31-7-1975, took over charge as Superintendent, Central Excise, Class II at Barhni Customs in the Customs Division, Gorakhpur, on 21st August, 1975 (forenon), relieving Shri A. C. Srivastava, Superintendent, Class II of the additional charge.

No. 105/1975.—Shri Hukum Chand Arora, confirmed Inspector (S.G.) of Central Excise, posted at Mathura in the Central Excise Collectorate, Kanpur, and appointed to officiate as Superintendent, Central Excise, Class II, until further orders, in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, vide this Office Establishment Order No. 212/1975 dated 30-7-1975, issued under Endorsement C. No. II(3)2-Et/75/28088, dated 31-7-1975, took over charge as Superintendent, Central Excise, Class II, Chandausi, in the Central Excise Integraated Divisional Office, Rampur, on 26th August, 1975 (forenoon), reliving Shri R. D. Singh, Superintendent, Central Excise, Class II of the additional charge.

The 18th September 1975

No. 108/1975.—Shri Gur Narain Srivastava, confirmed Inspector (S.G.) of Central Excise, posted in the Central Excise Integrated Divisional Office, Lucknow, appointed to officiate as Superintendent, Central Excise, Class II, until further orders, in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, vide this Office Establishment Order No. 212/1975, dated 30-7-1975—issued under Endorscment C. No. II(3)2-Et/75/28088, dated 31-7-1975, assumed charge of the office of the Superintendent, Central Excise, Class II in the Central Excise Integrated Divisional Office, Mirzapur on 29th August, 1975 (forenoon).

No. 111/1975.—In pursuance of this office Establishment Order No. 224/1975, dated 13-8-1975, issued under Endorsement C. No. II()168-Confl/75/2605-2612, dated 13-8-1975 Shri S. P. Singh officiating Superintendent, Central Excise, Class handed over charge of the Office of the Superintendent (Central Excise), Central Excise Collectorate Hdqrs. Office, Allahabad, to Shri B S. Singh, Superintendent, Central Excise, Class II, Central Excise Collectorate, Hdqrs. Office, Allahabad, on 13th August, 1975 (afternoon) and retired from service from the forenoon of the 14th August, 1975.

H. B. DASS, Collector, Central Excise, Allahabad

Patna, the 26th September 1975

C. No. II(7)5-ET/75/9452.—In pursuance of this Office Estt. Order No. 271/75 dated the 4th July, 1975, issued under Endorsement C. No. II(3)43-ET/73-3402-27 dated 5th July, 1975, appointing Sri K. D. Ghose Hazra, Inspector (S.G.) Central Excise and Customs Collectorate, Patna to officiate as Superintendent Class-II in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 plus usual allowances as admissible under rules, Sri Ghose Hazra assumed charge as Superintendent (Tech) Central Excise, Muzaffarpur, in the afternoon on 11th July, 1975.

H. N. SAHU, Collector Central Excise, Patna.

NARCOTICS DEPARTMENT

Gwalior-474006, the 27th September 1975

No. 33.—On his transfer from Nagpur Collectorate, Shri R. R. Tilloo, Superintendent of Central Excise Class II, took over charge as District Opium Officer, Shamgarh in the forenoon of the 10th September, 1975 relieving Shri Muneshwar Ram of the additional charge.

No. 34.—Shri D. D. Sharma, Intelligence Officer, Narcotics Intelligence Bureau, Narcotics Commissioner's Office, Gwalior is allowed to cross the efficiency bar at the stage of Rs. 810 in the scale of 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from 1st March, 1974.

A. SHANKER, Narcotics Commissioner of India

MINISTRY OF SHIPPING & TRANSPORT OFFICE OF THE CHIEF ENGINEER AND ADMINISTRATOR, PORT OF NEW TUTICORIN

Tuticorin-4, the 10th September 1975

No. A.39013(1)/75/Admn/4499.—Chief Engineer & Administrator, Port of New Tuticorin is pleased to accept the resignation tendered by Shri M. Nagu, of the post of Assistant Engineer (Civil) with effect from the afternoon of the 27th August, 1975

D. I. PAUL, Chief Engineer and Administrator

DEPARTMENT OF SPACE

INDIAN SCIENTIFIC SATELLITE PROJECT INDIAN SPACE RESEARCH ORGANISATION

Peenya-562140, the 15th September 1975

No. 020/3(061)/75.—Director, Vikram Sarabhai Space Centre is pleased to appoint on promotion the following personnel to the posts mentioned against each, with effect from 1st July 1975 (FN) on a basic pay of Rs, 650 per month in the revised scale of pay of Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—960 in the Indian Scientific Satellite Project of the Indian Space Research Organisation.

- 1. Shri Puttaiah—Engineer SB.
- 2. Shri K. N. Madhavan-Engineer SB.
- 3. Shri T. S. Narayanan-Engineer SB.

V V. S. CHOWDARY, Administrative Officer

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110022, the 22nd September 1975

No. A-19012/550/75-Adm.V.—The Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri H. S. Jayaram, Head Draftsman to officiate as an Extra Assistant Director/Assistant Engineer/Assistant Research Officer (Engineering) in the Central Water Commission on a purely temporary and ad-hoc basis in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from 18th July, 1975 (forenoon) until further orders.

Shri Jayaram took over charge of the office of Assistant Engineer in the Southern Gauging Sub-Division Bangalore under Central Discharge Circle of Central Water Commission, with effect from the above date and time.

K. P. B. MENON, Under Secretary, Central Water Commission

New Delhi, the 23rd September 1975

No. A-31014/2/74-Adm.V.—The Chairman, Central Water Commission is pleased to appoint the following officers to the grade of Assistant Research Officer (Scientific-Mathematics Group) in the Central Water Commission, in a substantive capacity, with effect from the dates shown against each :—

S. No.	Name of Officer		e from vointed s tively	
	Shri G. D. Khatavkar	7th	August	1972
	K. N. Katyal	7th	August	1972

No. A-31014/2/74-Adm. V.—The Chairman, Central Water Commission is pleased to appoint the following officers to the grade of Assistant Research Officer (Scientific-Physics Group) in the Central Water Commission, in a substantive capacity, with effect from the dates shown against each:

S. No.	Name of Officer	Date from which appointed substantively.
1. Shr	i M. N. Ramakrishna Rac	13th January 1971
2. Shr	i Krishna Nand	22nd October 1971
3. Shr	i P. J. Desai	22nd October 1971
4. Shr	i M. Bardhan	22nd October 1971
5. Shr	i G. V. Rao	1st January 1974

No. A-31014/2/74-Adm. V—The Chairman, Central Water Commission is pleased to appoint the following officers to the grade of Assistant Research Officer (Scientific-Chemistry Group) in the Central Water Commission, in a substantive capacity, with effect from the dates shown against each:—

Date from which appointed substantively
4th October 1967
22nd October 1971
26th October 1971
30th December 1971

K. P. B. MENON
Under Secretary
for Chairman, C.W. Commission.

CENTRAL RAILWAY

Bombay, the 17th September 1975

No. HPB/220/G/I/AC.—The following Officers are confirmed in Senior Scale from the dates

shown against each, in the Indian Railway Accounts Service of this Railway.

S. Name			Date of confirmation in Senior Scale.		
No.	ТИПК		Provisional	Final	
1. Shri F	N. Maini		7-11-67	15-11-68	
2. Shri F	. V. Kawthalkar	,	15-11-68	27-6-69	
	3. M. Sathye ·		27-6-69	12-7-71	
	S. Goyal ·		5-10-70	1-4-75	
5. Shri k	K. Viswanathan		1-4-75		

CENTRAL RAILWAY

Bombay, the 25th September 1975

No. HPB/220/G/11/3.—Shri N. Natarajan is confirmed in Class II Service of the Stores Department of this Railway with effect from 13th December 1971.

B. D. MEHRA General Manager

DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Beacon Fertilizers Private Limited

Ahmedabad, the 30th September 1975

No 1868/560.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Beacon Fertilizers Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved,

J. G. GATHA, Registrar of Companies, Gujarat

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ORDER No. 308

Calcutta, the 26th July 1975

F.No.2E/35/59-60—The undermentioned officer has been confirmed as ITO, Cl. II with effect from the date noted against his name:—

S. Name of the I.T.O. No. with present posting	Date of Confirma- tion	Post against which confirmed
1. Sri Raghunath Sahai [Now working in the Directorate of Organisation and Management Services (Incom Tax) New Delhi as Addl. Asstt. Director	e	Against one of the permanent posts sanctioned vide G.I.M.F (D.R.&I) letter dt. 31-5-1973.

II. Date of Confirmation is liable to change, if found necessary.

K. SRINIVASAN, Commissioner of Income-tax West Bengal-I

(1) Shri Darshan Singh Advocate, Jullundur, Singh r/o Bajrah, Teh, Jullundur. Chanan (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Mohinder Kaur w/o Jaswant Singh s/o Bhagat Singh & Smt. Satpal Kaur w/o Sulakhan Singh r/o Jagan, Teh. Jullundur. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property).

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX.

(4) Any other person interested in the land. (Person whom the undersigned knows to interested in the property.)

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

Jullandur, the 24th September 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. AP/1287.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

> (b) by any other person intersted in the said immovable property within 45 days from the date of the publi-

No. As per Schedule situated at Vill. Jagan. (and more fully described in the Schedule annexed here-

cation of this notice in the Official Gazette.

to), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the

> EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Registering Officer at Jullundur on Dec. 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to

between the Parties has not been truly stated in the said ins-

trument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Land as mentioned in Regd. deed No. 8284 of Dec. 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 26-2-1975

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 23rd September 1975

Ref. No. KPL/152/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/4th Kothi, situated at Kapurthala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kapurthala in January 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely:—

(1) Shri Surinder Nath s/o R. B. Durga Dass r/o Kapurthala GA Shri Dapinder Nath.

(Transferor)

- (2) Shri Jarnail Singh s/o Shri Bagga Singh s/o Shri Harnam Singh r/o Kapurthala. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property, (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th Kothl as mentioned in the Registered Deed No. 2371 of January, 1975 of the Registering Authority, Kapurthala.

V. R. SAGAR,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date: 23-9-1975

(2) Shri Manjit Singh s/o Shri Bagga Singh s/o Shri Harnam Singh r/o Kapurthala. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

(4) Any other person interested in the property. (Person whome the undersigned knows to be interested in the property.)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Amritsar, the 23rd September 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. KPL/153/74-76,--Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

No. 1/4th Kothi, situated at Kapurthala

EXPLANATION: -The terms expressions herein as rae defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesald property and I have reason to

believe that the fair market value of the property as aforesaid

exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of meaning as given in that Chapter.

Kapurthala in January 1975

transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

1/4th Kothi as mentioned in the Registered Deed No. 2540 of January, 1975 of the Registering Authority, Kapurthala.

New, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

V. R. SAGAR,

Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Amritsar.

(1) Shri Surinder Nath s/o R. B. Durga Dass T/o Kapurthala GA Shri Dapinder Nath, (Transferor)

Date: 23-9-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 23rd September 1975

Ref. No. KPL/154/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Kothi, situated at Kapurthala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kapurthala in January 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of the section 269D of the said Act, to the following persons namely.—

(1) Shri Surinder Nath s/o R. B. Durga Dass r/o Kapurthala GA Shri Dapinder Nath.

(Transferor)

(2) Shri Jarnail Singh, s/o Shri Bagga Singh Shri Major Singh s/o Shri Bagga Singh, & Shri Manjit Singh s/o Shri Bagga Singh r/o Kapurthala.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property.

 Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are dened in Chapted VVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kothi as mentioned in the Registered Deeds Nos. 2371 & 2540 of January, 1975 and 139 and 217 of April, 1975 of the Registering Authority, Kapurthala.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 23-9-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009 the 20th September 1975

Ref. No. P.R. No. 250 Acq.23-463/6-1/75-76.—Whereas, I, P. N. MITTAL,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. New Sur. No. 633 admeasuring 20207 sq. yds. land situated at Kalati Road, Atladra Road, Baroda,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Baroda on 5-2-1975

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Shashikumar Devidas Shroff, Excel Estate, S. V. Road, Goregaon (West), Bombay-400062.

 (Transferor)
 - The Principal Officer, Transpek Industry Pvt. Ltd.
 Kalali Road, Atlodra, Baroda.

(Transferor)

*(3) The Principal Officer, Kalali Chemicals Pvt. I.td., 635, Kalati Road, Atlodra, Baroda, (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said, immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazettee.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that the piece or parcel of land situated on Kalali Road, Atlodra, Baroda being a portion of New S. No. 633 and admeasuring 4-28 gunthas i.e. 20207 sq. yds. or fully described in sale deed registered under No. 927 of February, 1975 by registering Officer, Baroda.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 20-9-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANA

KARVE ROAD, POONA-411004.

Poona-411004, the 26th September 1975

Ref. No. C.A.5/Thana/March'75/234/75-76.—Whereas, I, H. S. AULAKH.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 21-H, No. 4 (Part) and B (Part) situated at Chandani, Thana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at at S. R. Thana on March, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely : --

- (1) Smt, Lilabai Narayan Chaudhary R.B.III 3-6, Railway Quarters, Kolwada, Bombay. (Transferor)
- (2) M/s. Rajpal Builders, Solanki Sadan Shivaji path, (Transferee)
- (3) (1) Shri P. G. Borde, (2) Shri B. P. Tanpure, (3) Shri N. N. Supre,

 - (4) Shri D. M. Khopde.
 - (5) Shri S. L. Salkar. (Person in occupation of the property).

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a), by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (a) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Municipal Council S. No. 21, H. No. 4 (Part), S. No. 21 No. B (Part) admeasuring 808 sq. yds.—Freehold open plot with building at Mauje Chendani, District Thana.

H. S. AULAKH, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Poona.

Date: 26-9-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1). OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 24th September 1975

C.R. No. 62/4024/74_75/Acq./(B).—Whereas, I. R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Portion of vacant site corporation No. 163 Ist Main Road situated at Seshadripuram, Bangalore (Division No. 7) (and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

- at Gandhinagar Bangalore, Doc. No. 5441//74-75 on 19-3-75, for an apparant consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-
 - (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of the section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri D. Mariyappa S/o late Sri V. Devappa No. 3, Kilary Raod, Bangalore-2. (Transferor) (2) Shri D. J. Kandhari S/o late Sri Jeevandas J. Khandari, No. 15, Viswanatha Rao Road, Madhavanagar, Bangalore,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the SMC immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered in Document No. 5441/74-75 dated 19-3-1975) Portion of vacant site corporation No. 163, Ist Main Road, Seshadripuram, Bangalore (Division No. 7). Site area :-

East to West 30' North to South 55' } 1650 sq. ft.

Boundries :--

North: IVth Cross, Nagappa Street. South: Sri D. Nanjappa's plot No. 162, East: The remaining portion of land No. 163, retained

by the vendor. West: Sri N. Rajagopal's land.

R. KRISHNAMOORTHY, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore.

Date: 24-9-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 24th September 1975

C.R. No. 62/3832/74-75/Acq./(B).—Whereas, l, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. All that piece and parcel of vacant land being a building site bearing Corporation No. 59/8 (formerly known as Plot No. 7, Charles Campbell Road, which was a portion of No. 59/1 which again was formerly a portion of Survey No. 113, Doddigunda, situated at Charles Campbell Road, (Extension), Cox Town, Civil Station, Bangalore, in corporation Division No. 49.

(and more fully

described in the schedule annexed here to), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivaji Nagar, Bangalore Doc. No. 4117/74-75 on 12-3-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' is respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C, of the 'Sald Act', I hereby intiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely:—

- (1) Shri M. Syed Ibrahim, S/o. late Syed Mahamood Saheb, Retired L.I.C. employee 67, Williams Town, Bangalore.
 - (Transferor)
- (2) (1) K. A. Mathew S/o. Rev. Fr. K. M. Abraham, Christian, Chartered Accountant.
 - (2) Smt. Essie Mathew, (D/o. M. I. Koreth), W/o. K. A. Mathew,

Both presently residing at No. 89, D'Costa Square, Bangalore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered in Document No. 4117/74-75 dated 12-3-75)
All that piece and parcel of vacant land being a building site bearing Corporation No. 59/8 (formerly known as Plot No. 7, Charles Campbell Road, which was a portion of No. 59/1 which again was formerly a portion of Survey No. 113 Doddigunta), situate on Charles Campbell Road (Extension), Cox Town, Civil Station, Bangalore, in Corporation Division No. 49.

Site area :--

North to South: 44' East to West: 65' 3260 sq. ft.

Boundries :-

North: By portion of 59/1-B and 59-1 Charles Campbell Road (Extension).

South: By Road leading to Bypanahally now also known

East: As Campbell Road, (Extension).

East: By a portion of site No. 59/1 Charles Campbell Road (Extension) which is being used as a private road or passage.

West: By site No. 59/1-D later numbered as 59/7 Charles Campbell Road (Extension), belonging to Janab Noor Ahmed Hussain Sahib.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 24-9-75

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 27th September 1975

Ref. No. R.A.C. No. 126/75-76.—Whereas, I, K. S. VEN-KATARAMAN,

being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5-2-992, situated at Nizamshahi Road, Risala Abdullah, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad on 4-2-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said act to the following persons, namely:—

- (1) (1) Shri Rameshchander S/o. Jagannath Darak, No. 14-6-220,
 - Prakash Chand Darak S/o Jagannath Darak. H. No. 14-6-220, Nagarkhana, Begumbazar, Hyderabad.

(Transferor)

- (2) (1) Mohd Abdul Hafeez S/o Abdul Gaffoor,
 - (2) Mohd Abdul Aziz S/o Abdul Gaffoor, D. No. 5-2-992, Nizamshahi Road, Risala Abdulla, Hyderabad. (Transferee)
- (4) (1) Taradevi W/o Santosh Goel (2) Vikas Goel S/o Subhash Goel, minor represented by guardian, father Subhash Goel S/o. Matedin Goel, both are residing at 3-4-886/1, Barkathpura Hyderabad. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any o fthe aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Mulgi bearing No. 5-2-992 Nizamshahl Road, Risala Abdullah, Hyderabad having an area of 322.50 sq. yards bounded by:

North: Neighbour's stone shop; South: Lane to Risala Abdulla; East: Neighbour's house;

West: Nizamshahi Road and footpath.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 27-9-1975.

 (1) Smt. Lalitaben Yaswantrai Modi.
 (2) Shri Pankaj Yaswantrai Modi. "Krishna Kunj", Plot No. 2174, Atabhai Road, Bhavnagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Harishkumar Savdas Patel, Kuber Patel Sheri, Kanbiwad Bhavnagar

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 25th September 1975

Ref. No. Acq. 23-I-660 (229)/5-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 2275-A situated at Krishnanagar, Bhavnagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhavnagar on 24-2-1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27, of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of the 'Said Act', to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 1125 sq. yds situated at Plot No. 2275-A, Krishnanagar, Bhavnagar and as fully described in the sale deed.

J, KATHURIA,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ahmedabad.

Date: 25-9-1975.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 25th September 1975

Ref. No. Acq.23-J-661(230)/16-6/75-76.—Whereas, I, J. Kathuria,

being the competent authority under

section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Survey No. 626, Plot No. 23 situated at Government Servant Society Near A.G.'s Office, Rajkot,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Rajkot in February 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to b_c disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely:—
21—296/75

(1) Shri Trambaklal Manishanker Acharya, "Chaitannya", 13, Jagnath Plot, Rajkot.

(Transferor)

(2) Shri Bhupatlal Khimji Ladva, Professor, Mahila College, Kalawad Rd., Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 305-7 sq. yds. bearing Survey No. 626, Plot No. 23, situated at Govt. Servants Society, Behind A.G's office, Rajkot and as fully described in the sale-deed.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I Ahmedabad

Date: 25-9-1975

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF T961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 25th September 1975

Ref. No. Acq.23-I-610(231)/16-1/75-76.--Whereas, I, J. Kathuria,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Survey No. 245, Plot No. 3 situated Near Patidar Oil Cake Industries, Dhoraji,

(and more fully des-

cribed in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Dhoraji in February 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Jiva Devshi Mavani, Charakhadi Falia, Dhoraji.

(Transferor)

(2) Saurashtra Fats and Proteins Industries, through its partner—Shri Maganlal Nathubhai, Station Road, Dhoraji.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of laud admeasuring 16698-0 sq. yds. bearing Survey No. 245, Plot No. 3, situated near Patidar Oil Cake Industries, Dhoraji and as fully described in the sale deed.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I Ahmedabad,

Date: 25-9-1975

FORM ITNS----

(1) Shri Ratilal Premchandbhai Shah, Danapith, Rajkot.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) QF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 25th September 1975

Ref. No. Acq.23-I-517(232)/16-6/74-75.—Whereas, I, J. Kathuria.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Survey No. 391-A situated at Street No. 17, Panchnath Plot, Rajkot,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 13-2-1975,

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evsion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shri Jayantilal Maganlalbhai Vakharia, Shakti Saurashtra Corporation, Garedia Kuwa Road, Rajkot.
(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A two storeyed building standing on land admeasuring 123-6 sq. yds. situated at Street No. 17, Panchnath Plot, Rajkot and fully described in the sale deed.

J. KATHURIA,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.

Acquisition Range-I Ahmedabad.

Dato: 25-9-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-400020.

Bombay-400 020, the 22nd September 1975

Ref. No. ARI/1091-3/Feb. 75.—Whereas, I. N. K. Shastri, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-I, Bombay,

being the competent authority under section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C.S. 3527 of Bhuleshwar Division situated at Khoja Street

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sub-Registry, Bombay on 17-2-1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Abdullabhai Mulla Kalimuddin,

(Transferor)

(2) Shri Salehbhai Adamali & Ors.

(Transferec)

(3) Tenants.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL that piece or parcel of land or ground of quit and ground Rent Tenure with the messuage tenement or dwelling house ranges or Chawl of Building with thirteen compartments standing thereon containing by admeasurement 361 sq. yds. equivalent to 301 sq. meters or thereabouts according to the City Survey Register situate at Khoja Street near Null Bazar without the Fort of Bombay in the Registration Dis-trict and Sub-District of Bombay City and Bombay Suburban and bounded as follows: that is to say, on or towards the 1.AST by a Sweeper's passage and beyond that by the property of Yahyabhai Ebrahim and others, on or fowards the WEST by Bara Imam Road, on or towards the NORTH by Khoja Street Cross Lane and on or towards the SOUTH by Erskine Road and assessed by the Collector of Municipal, Assessment formerly under No. 85 and at present under C Ward Nos. 7232 and 7233 and old Street Nos. 1-21 and 23-27 and at present Street Nos. 235 to 239 and 241-259 Khoja Street and Nos. 166-168 Erskine Road and Registered in the Books of the Collector of Land Revenue under old 2846 and 2887 New Nos. 9828 and A/9828. Old S Old Survey No. 2838 New Survey No. 1/4714 and 2/4714 Cadastral Survey No. 3527 and 3527 part of Bhuleshwar Division fronting on the East side of Khoja Street aforesaid.

N. K. SHASTRI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I. Bombay.

Date: 22-9-1975

(1) Dr. K. M. Selvaraj, Associate Professor, Veterinary College, No. 1, Miller's Road, Madras-10.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 26th September 1975

Ref. No. F. IX/6/11/74-75.—Whereas, I, G. Ramanathan, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 4773 situated at Aringnar Anna Nagar Batch IV Scheme Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at West Madras on February 1975,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the suid Act to the following persons, namely:--

(2) Dr. H. John Kirkpatrick, 'Arkdale', Kattu Road, Kowdiar PO, Trivandrum-695003.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring I ground and 1116 sq. ft. and house under construction at Plot No. 4773, Aringnar Anna Nagar, Batch IV Scheme, R.S. No. 13/5 part and 4 part of Naduvakkarai village, Madras.

> G. RAMANATHAN, Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-1, Madras-6.

Date :26-9-1975.

NOTICE U/S 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 25th September 1975

Ref. No. RAC. No. 114/75-76.—Whereas, I, K. S. VEN-KATARAMAN,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Portion No. 16-8-242 situated at Kala Dera, Malakpet, Hyderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Azampura, Hyerdabad on 16-2-1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) (1) Mohammdi Begum, and
 - (2) Mohd. Masihuddin Farooqul, H. No. 16-8-242 at Kala Dera, Malakpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Ismail H. Aziz, R/o Begum Bazar, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall, have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: All the western rear portion M. No. 16-8-242, with relative first floor containing area; 378 sq. yds. at Kala Dera, Malakpet, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 25-9-1975.

FORM ITNS----

NOTICE U/S 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 25th September 1975

Ref. No. RAC. No. 125/75-76.—Whereas, I, K. S. VEN-KATARAMAN.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 16-9-682 situated at Old Malakpet, Hyderabad,

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Azampura, Hyderabad on 27-2-75,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said' Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- (1) Smt. Rayani Vimalamba W/o Sobhanadari Chowdry, R/o Rajendranagar, Gudivada, P.O. Krishna District.
 - (Transferor)
- (2) (1) Dr. Kosuri Narayana Rao,
 (2) Dr. Kosuri Lalitha,
 (3) Dr. V. Hemakumar.
 Through their G.P.A. Sri K. Veera Swamy, Naidu H. No. 3-4-876 at Barkatpura Hyderabad.
 (Transferee)
- (3) Director of Agriculture Govt. of Andhra Pradesh, Hyderabad.(Person in occupation of the property).
- (4) Director of Agriculture Govt. of Andhra Pradesh, Hyderabad.
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: All that premises bearing H. No. 16-9-682 excluding about 1000 sq. yds. already sold by Vendor to G. T. Rao, P. S. Rao and others and including the buildings at Old Malakpet, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 25-9-1975.

Seal.

-..-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR,

HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,

AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 26th September 1975

Ref. No. Acq. 23-I-567(233)/16-6/74-75.—Whereas, I, J. KATHURIA.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Survey No. 373, Plot No. 24, situated at Karsan Bava Laud, Ward No. 7 Mavdi Plot, Rajkot,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajkot in February 1975,

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely:—

(1) (1) Smt. Jaswanti Pramodchandrabhai Shah.
(2) Shri Pramodchandra V. Shah, "Khera Nivas"
Diwan para-2, Rajkot.
(Transferor)

(2) Shree Anil Manufacturers, Opp: Central Bus Station, Dhebharbhai Road, Rajkot. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX-A of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An immovable property standing on land admeasuring 706 sq. yards bearing Survey No. 373, Plot No. 24, Karsan Bava Land Ward No. 7, situated at Mavdi Plot, Rajkot and bounded as under:—

East: 30' wide road. West: Plot No. 23. North: 25' wide road. South: Plot No. 60.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 26-9-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 24th September 1975

C.R. No. 62/3735/74-75/Acq./(B).—Whereas, I, R KRISHNAMOORTHY,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. The property being Agricultural land, measuring-

As. Gs. 0-21 0-32 0-04 0-04 0-06 0-05 1-32

in S. Nos. 29, 46/12, 27, 28, 38 and 41 situated at Bilekahalli, Begur Hobli, Bangalore South Taluk,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore South Taluk,

Doc. No. 8360/74-75 on 1-2-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

22-296GI/75

- (1) Shri L. S. Ramalingaiah, S/o Patel Sidde Gouda, No. 13, South End, Basavanagudi, Bangalore-City. (Transferor)
- (2) Shri C. Govindappa, S/o Chikkanna Sarakki Agrahara, Bangalore South. (Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered in Document No. 8360/74-75 dated 1-2-75) The property being agricultural land measuring

> As. Gs. 0--21 0--32 0--04 0--04 0--05 1--32

in S. Nos. 29, 46/12, 27, 28, 38 and 41 situated at Bileka-halli, Begur Hobli, Bangalore South Taluk.

Boundaries :-

Total

East: Vendee's land

West: Road

North: Govt. Channul South: Arasappa's land.

R. KRISHNAMOORTHY,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 24-9-1975.

(1) Smt. B. S. Savitri Devi, D/o. H. Subbaiah, No. 12/6, Model Street, Basavangudi, Bangalore City. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri C. Govindappa S/o Sri Chikkanna, Sarakki Agrahara, Bangalore South Taluk. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 24th September 1975

C.R. No. 62/3736/74-75/Acq./(B).—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY.

being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. The property being agricultural land measuring-

A. G. 1—21 2—00 3—21

in S. No. 39 and 70 situated at Bilekahalli, Begur Hobli, Bangalore South Taluk,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Bangalore South Taluk

Doc. No. 8361/74-75 on 1-2-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered in Document No. 8361/74-75 dated 1-2-75) The property being agricultural land measuring—

A. G. 1—21 2—00 3—21

in S. No. 39 and 70 situated at Bilekahalli, Begur Hobli, Bangalore South Taluk.

Boundaries :--

East: Hanumanta God's Manya Land. West: Vendee's land in S. No. 38.

North: Govt. Channal. South: Govt. Channal.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 24-9-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27.

Bangalore-27, the 20th September 1975

No. C.R. No. 63/3796/74-75/Acq./(B).—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, being

the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Vacant site No. 499, Corporation of the City of Bangalore No. 499/6 in 9th Cross Road (Dn. No. 45) Raja Mahal Vilas Extension, situated at Bangalore,

(and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gandhinagar, Bangalore, Doc. No. 4835/74-75 on 5-2-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 A. Sreeramalah, S/o late Shri Anajanppa, Jakkur Village, Yelahanka Hobli, Bangalore North Taluk.

(Transferor)

(2) Smt. Nirmala Shankar, W/o Shri G. M. Bhavanì Shankar, H. No. 30, "Amba Prasanna", Nehru Circle, Bangalore-30.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered in Document No. 4835/74-75 dated 5-2-75)

Vacant site No. 499, Corporation of the City of Bangalore No. 499/6 in 9th Cross Road (Dn. No. 45) Raja Mahal Vilas Extension, Bangalore.

Site area E. W. $\frac{75'+76'}{2}$ xN. S. 48' = 3628 sq. ft.

Boundaries:

N: Site No. 498. S: Site No. 500 W: Site No. 513 E: Road

> R. KRISHNAMOORTHY, Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 20-9-75.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27.

Bangalore-27, the 24th September 1975

No. C.R. No. 62/3849/74-75/Acq./(B).—Whereas, I, R. KRISIINAMOORTHY.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Factory land bearing No. 54, with buildings, Borewell and garden trees, Industrial Suburb, Rajajinagar, Yeshwanthapur, Bangalore-22, situated at

(and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Rajajinagar, Bangalore, Doc. No. 6692/74-75, on 14-2-75, for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (!) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) I. Shri V. R. Subramanyam s/o Sri V. Raju Mudaliar, 2. T. Jayaprakash s/o Sri C. Thanikachalam, both residing at "Raja Snow Rajamma Nilayam" No. 209, S. C. Road, Seshadripuram, Bangalore-20, Partners of M/s Manyam and Company.

(Transferor)

(2) M/s. Vorion Chemicals and Distilleries Limited, registered Office at No. 114, Mowbrays road, Madras-18, represented herein by its Managing Director, Sri P. Govindaswamy.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

(Registered in Document No. 6692/74-75, dated 14-2-75)

Factory land bearing site No. 54, Industrial Suburb, Rajajinagar, Yeshwanthapur, Bangalore-560022, with buildings, Borewell and well maintained garden with trees.

Site area: E.W. 195' N.S. 251' + 154' = 4486 sq. yards.

Boundarles:

East by 60' Road. West by Site No. 41. North by site No. 53. South by 60' road.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 24-9-75

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX. ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 25th September 1975

Ref. No. RAC. No. 113/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkataraman,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing.

No. Portion H. No. 16-8-242 at Kaladera, situated at Malakpet,

(and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Azampura, Hyd, on 18-2-75,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the Said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Sail Act, to the following persons namely:—-

I. Mohammadi Begum, W/o Late Hakeem Mohammed Moizuddin Farooqui, C/o Karkhana Zinda Tilasmath, Amberpet, Hyderabad.
 Mohammed Mashuddin Farooqui, S/o late Hakeem Mohammed, Moiduddin, Farooqui, C/o Kharkana Zindha Tilasmath, Amberpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Ibrahim H. Aziz, R/o Begum Bazar, Hyderabad. (Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: All the Northern Middle portion of the House bearing Mu. No. 16-8-242, with relative first floor Area: 230 Sq. Yards, at Kalu Dera, Malakpet, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 25-9-1975,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 25th September 1975

Ref. No. RAC. No. 111/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding 'Rs. 25,000/- and bearing

No. Portion of H. No. 16-8-242, situated at Kala Dera,

Malakpet, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Azampura, on 12-2-1975,

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Smt. Mohammadi Begum, W/o late Hakeem Mohammed Moizuddin Farooqui, C/o Karkhana Zinda Tilasmath Amberpet, Hyderabad. 2, Mohd. Mashuddin Farooqui, C/o Karkhana Zinda Tilasmat, Amberpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Waheed, S/o H. Z. Azecd, H. No. 16-8-242 at Kala Dera, Malakpet, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: Portion of the house bearing No. 16-8-242 at Kala Dera, Malakpet, Hyderabad, containing.

Area: 354 Sq. Yds. of 1st Floor.

East: Road.

West: Vendor's property. North: Vendor's property.

South: Neighbour's building No. 16-8-243,

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 25-9-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD,

Hyderabad, the 25th September 1975

Ref. No. RAC. No. 110/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkataraman,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. S. No. 887, situated at Miryalguda, Nalgonda, Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Miryalguda, on 1-2-1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Didugu Chenna Keshava Rao, H. No. 11-33 at Miryalguda, Nalgonda-Dist.

(Transferor)

(2) Smt. Karnati Sunnanda W/o Chandrasekhar, H. No. 26-17 at Miryalguda, Nalgonda-Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: Dry land of the extent of Acrs. 5.1936 Sq. Yrds. or Hec. 2.18 in Survey No. 887 situated at Miryalguda, Nalgonda. Dist.

East: land in S. No. 886.

South: Land of Sri Pusala Mattiah. North: Road. to Nandi Pahad.

West: Land of Sri Sakinala Appiah and Sri Aluviah Biksham Kotiah.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 25-9-1975.

FORM JTNS---

(1) Shri Rajiv Jindal, 8A, Alipore Road, Calcutta.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sushila Devi Modi, 55, Canning St., Calcutta.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Calcutta, the 23rd September 1975

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AC-28/R-II/Cal/75-76.—Whereas, I, R. V. LALMAWIA,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 8A, situated at Alipore Road, Calcutta,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under

the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Registrar of Assurances, Calcutta, on 11-1-75,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Three bed-roomed flat, measuring 1878 sq. ft., on 2nd floor of 8A, Alipore Road, Calcutta.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. V. LALMAWIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 23-9-75.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, POONA-411004

Poona-411 004, the 23rd September 1975

Ref. No. C.A.5/Haveli-I/April'75/231,--Whereas, I, H. S. AULAKH,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. S. No. 1086, F.P. No. 466, Bhamburda, situated at Shivajinagar (Poona),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haveli, I, Poona on 17-4-75,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
23—296GI/75

 Real Estate Development Corporation, Poona. Partners: (1) Premchand Ratanchand Bafna, 122, Bhavani peth, Poona (2) Suresh Chaturohuj Zamwar, "srikripa Housing Society, Poona-5. (3) Smt. Indumati Punamchand Parmar, 10, Gita Housing Society, Poona-1. (4) Suresh Ratanchand Bafna, 122, Bhavani peth, Poona. (5) Kiran Ratanchand Bafna 122, Bhavani peth, Poona.

(Transferor)

(2) Smt. Sarita Prataprao Shirke, 1205, Shivajinagar, Apte Road, Poona-4.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Final plot No. 466, C.S. No. 1086, with structure. Area of plot H.O.-49.16 R, i.e., 52896 sq. ft. partly freehold and partly lease hold structure about 4000 sq. ft.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1025 dated 17-4-75 registered in the office of the sub-registrar, Haveli-I, Poona).

H. S. AULAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax,
Acquisition Range, Poona.

Date: 23-9-75.

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 25th September 1975

Ref. No. RAC. No. 112/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the competent authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property,

having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Portion No. 16-8-242, situated at Kaladera Malakpet, Hyderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Azampura, Hyderabad, on 15-2-75,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the 'sald Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to b_c disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

 Shrimati Mohammadi Begum, W/o Jate Hakeem Mohd Moizuddin Farooqui, C/o Karkhana Zinda Tilismath, Amberpet, Hyderabad.
 Mohd. Mashuddin Farooqui, C/o Karkhana Zinda Tilasmath, Amberpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Abdul Rahim, H. No. 16-2-242 at Kafa Dera, Malakpet, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: All the front Norther Eastern portion of House No. 16-8-242 at Kala Dera with relative first floor containing an area of 318 Sq. Yds. Bounded; at Kala Dera, Malakpet, Hyderabad.

East: Road.

West: Vendor's property. North: Vendor's property.

South: Neighbouring building No. 16-8-242.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 25-9-1975.

Scal:

(1) Shri Krishna Woollen Mills Pvt, J.td., 166, D. N. Road, Bombay-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Bombay Card Clothing Co. Ltd., Chitalsar, Manpada, S.V. Road, Thana. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-POONA-411004

Poona-411 004, the 23rd September 1975

Ref. No. C.A. 5/Bombay(Thana)/April'75/232,---Whereas, I. H. S. AULAKH,

being the competent authority under section

269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (here-inafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Gat No. 18, Chitalsar, Manpada, Thana situated at Thana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S. R. Bombay, on 2-4-75,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act. 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Gat No. 18, Village Chitalsar, Manpada, G.B. Road, Thana.

Area: 4000 sq. yds.=3344 sq. mtrs.—Freehold.

(Property as mentioned in the sale deed Regd. No. 1451/74 dated 2-4-75 registered in the office of the S.R. Bombay).

H. S. AULAKH,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Poona.

Date: 23-9-75.

Seal:

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act'. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, POONA-411004

Poona-411 004, the 23rd September 1975

Ref. No. C.A.5/Dhulia/April'75/233.—Whereas, I, H. S. AULAKH.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land S. No. 47/1 & 47/2, Mahindale situated at Mahindale, Dhulia,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Dhulia, on 2-4-75,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Maruti Narayan Yeolc, Navbudha Moglai.
 - 2. Shri Shankar Narayan Ycole, Navbudha Moglai.
 - 3. Shri Omkar Narayan Yeole, Navbudha Moglai.

(Transferor)

(2) 1. Shri Sakharam Narayan Sawant,
Suyog Bldg., Deopur, Dist. Dhulia.
2. Shri Punja Deola Patil,
Prof. Colony, plot No. C, Deopur, Dist. Dhulia.

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S. No. 47/1—Area: 1 H—86 R.

S. No. 47/2—Area: 5 H—91 R.

at Mouje Mahindale, Tal & Dist., Dhulia.

(Property as mentioned in the Sale deed registered under No. 711 dated 2-4-75 in the office of the sub-registrar, Dhulia.)

H. S. AULAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax,
Acquisition Range, Ahmedabad.

Date: 23-9-75.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II, 4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 22nd September 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/875/75-76/3723.—Whereas, I, C. V. Gupte,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereInafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 47/26, situated at East Patel Nagar, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer. at

Delhi, on 27-5-75,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the 'said Act', in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

(1) Shri Surjit Singh s/o Shri Jai Singh, r/o A(8)-C, Kalkaji, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shrimati Parvesh Chadha, w/o Shri Mangal Sain Chadha r/o 47/15, East Patel Nagar, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A single storeyed house constructed an a regular corner plot measuring 200 sq. yds. situated at 47/26, East Patel Nagar, New Delhi and bounded as under:—

North: Tenement No. 27.

South: Road. East: Road. West: Lane.

C. V. GUPTE,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date: 22-9-75.

NOTICE UNDER SECTION 269-D (I) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISTTION RANGE-POONA-411004

Poona-411 004, the 18th September 1975

Ref. No. C.A. 5/Bombay/(Thana)/April'75/229/75-76.—Whereas, I, H. S. AULAKH,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. S. No. 143 (Part) & 152 (Part), Navgarh, Dist.

Thana situated at Navgarh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Bombay, on 2-4-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly

stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Ilability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act. I here-

by initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- M/s Dalmia Sales Corporation, 5, New Marine Lines, Churchgate Chambers, Bombay. Partners: (1) Hanuman Prasad Pralhadrai Dalmia,
 - (2) Purshottam, Dwarkadas Saraf,
 - (3) Sushilkumar Hanuman Prasad Dalmia.

(Transferor)

- (2) M/s Amar Industries (Bombay) 15, Bada Mandir, Gaushala, 3rd Bhoiwada, Bombay-2. Partners: (1) Balmukund Mangaldas Shah.
 - (2) Amratlal Vadilal Shah.
 - (3) Lalbhai Amratlal Shah.
 - (4) Tarlika Budhalal Shah.
 - (5) Ramilaben Balmukund Shah.
 - (6) Vinod Hargovindas Patel,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Freehold Plot Survey Nos. 143 (Part) and 152 (Part) at Village Navgarh, Dist. Thana,

Area: 3891 Sq. yds. i.e. 3253.35 sq. mtrs.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 738 dated 2-4-75, in the Registering Authority, Bombay).

H. S. AULAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Date: 18-9-1975.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, POONA-411004

Poona-411 004, the 18th September 1975

Ref. No. C.A. 5/Bombay(Thana)/April'75-76/230.—Whereas, I, H. S. AULAKH,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. S. No. 143(Part) & 152 (Part), Navgarh, Dist. Thana, situated at Sub. Registrar, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub. Registrar, Bombay, on 2-4-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which havae not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11) of 1922) or the 'said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act', to the following persons namely:—

- M/s Dalmia Sales Corporation, 5, New Marine Lines, Churchgate Chambers, Bombay.
 - Partners: (1) Hanuman Prasad Pralhadrai Dalmia.
 - (2) Purshottam, Dwarkadas Saraf.
 - (3) Sushilkumar Hanuman Prasad Dalmia.

(Transferor)

- (2) M/s Amar Industries, (Bombay) 15, Bada Mandir, Gaushala, 3rd Bhoiwada, Bombay-2.
 - Partners: (1) Balmukund Mangaldas Shah.
 - (2) Amratlal Vadilal Shah.
 - (3) Lalbhai Amartlal Shah.
 - (4) Tarlika Budhalal Shah.
 - (5) Ramilaben Balmukund Shah.
 - (6) Vinod Hargovindas Patel.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Freehold plot Survey Nos. 143 (Part) and 152 (Part) at Village, Navgarh, Dist. Thana.

Area: 3,990 Sq. yds. i.e., 3336.12. sq. mtrs.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 737 dated 2-4-1975, in the Registering Authority, Bombay).

H. S. AULAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Poona.

Date: 18-9-1975.

(1) Shri Dulal Chandra Paul.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Rekharani Saha.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA.

Calcutta, the 16th September 1975

Ref. No. AC-223/R-IV/Cal/75-76.—Whereas, I, A. K. Batabyal,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 43, Block-A, situated at Bangur Avenue, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Cossipore, Dum Dum on 4-2-1975,

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period express later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3 Cottahs 4 Chittacks 20 sft, with a two storied building at Plot No. 43, Block-A, Bangur Avenue, P. S. Dum Dum, Calcutta.

A. K. BATABYAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta.

Date: 16-9-1975.

(Transferce)

PART III---SEC. 11

FORM ITNS-

(1) Shri Genda Lal Agrawal S/o Sri Ram Chandra Agrawal At Fraser Road, P.S.-Kotwali, Patna. (Transferor)

(2) Shrimati Manorama Devi W/o Sri Govind Prasad Gupta and Sri Kailash Prasad Gupta S/o Sri Nanak Chand Agrawal At-Fraser Road, P.S.-Kotwali, Patna.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PATNA.

Patna, the 15th September 1975

Ref. No. III-103/Acq./75-76/1069.—Whereas, I, J. Nath.

being the competent authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. H. No. 239/343 B. W. No. 2, Cr. No. 6, situated at Fraser Road, Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Patna, on 22-1-75,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

24-296GI/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building at Fraser Road, Patna, bearing tanzi No. 673 H. No. 239/343 B, Cr. No.-6, W. No.-2, which is fully described in document dated 22-1-75.

J. NATH,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,

Acquisition Range, Patna, Bihar.

Date: 15-9-75.

FORM ITNS ---

(1) Shri Pritam Singh S/o Rana S/o Utam, Rurka Khurd,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULI.UNDUR

Jullundur, the 24th September 1975

Ref. No. AP-1235.-Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing As per Schedule situated at Mujafarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jullundur in January, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shri Nirmal Singh S/o Banta, R/o Mujafarpur, Teh. Jullundur.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in land.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are confined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. Deed No. 8799 of January, 1975 of the Registering Authority, Jullundur,

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 24-9-1975

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 24th September 1975

Ref. No. AP 1265.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As pr schedule attached situated at Jullundur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur in January, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of he property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by

more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between

the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the 'said Act,'
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act,' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'said Act,' to the following persons namely:—

- Shri Bhag Ram S/o Rakha Ram,
 Harnam Singh,
 Sant Nagar, Ladowali Road, Jullundur,
- (2) M/s. Giani Finance Co. (P) Ltd., Jullundur, through Shri Jagjit Singh Managing Director, Ladowali Road, Jullundur.
- (3) As per S. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. Deed No. 8918 of January, 1975 of the Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 24-9-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE JULIUNDUR

Jullundur, the 24th September 1975

Ref. No. AP 1266,-Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing As per schedule attached situated at Kabli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Nakodar in March, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as

not been truly stated in the said instrument of transfer with

agreed to between the parties has

the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:

- Smt. Deepo Sh. Dalipa on Tahli near Shankar Teh, Nakodar.
- (2) Sh. Balbir Singh Surinder Singh Joginder Singh SS/o Kartar Singh village Tahli Tch. Nakodar.
- (3) As per S. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in land.
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the proper y

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. Deed No. 2765 of March, 1975 of the Registering Authority, Nakodar.

RAVINDER KUMAR.

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 24-9-1975

Scal :

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 24th September 1975

Ref. No. AP 1271.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at New Jwahar Nagar, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jullandur in January/April 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri K. D. Shori s/o Sh. Tirath Ram, 121, New Jawahar Nagar, Jullundur.

(Transferor)

- (2) Sh. Gian Singh s/o Sh. Kartar Singh Shrimati Kuldip Kaur w/o Sh. Gian Singh, (Transferce)
- (3) As per S. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the building.
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building as mentioned in Regd. Deed No. 8791 of January, 1975, No. 985 of 4/75 and No. 879 of 4/75 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 24-9-1975

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE JULLUNDUR

Jullundur, the 24th September 1975

Ref. No. AP 1272.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

As per Schedule situated at New Jawahar Nagar, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jullundur in April, 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri K. D. Shori s/o Sh. Tirath Ram, 121. New Jawahar Nagar, Jullundur.

(Transferor)

(2) Smt, Kuldip Kaur w/o Sh. Gian Singh, 121, New Jawahar Nagar, Jullundur.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the building.
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building as mentioned in Regd. Deed No. 879 of 4/75 of S.R. Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 24-9-1975

Seal ;

(1) Shri K. D. Shori s/o Sh. Tirath Ram, 121, New Jwahar Nagar, Jullundur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE JULLUNDUR

Jullundur, the 24th September 1975

Ref. No. AP 1273.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at New Jawahar Nagar, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Jullundur in January, 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(2) Sh. Gian Singh s/o Shri Kartar Singh, 121, New Jwahar Nagar, Jullundur.

(Transferce)

- (3) As per S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the building.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building as mentioned in Regd. Deed No. 8791 of Jan. 1975 of S.R. Jullundur,

RAVINDER KUMAR.

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 24-9-1975

FORM ITNS——

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE JULLUNDUR

Juljundur, the 24th September 1975

Ref. No. AP 1274.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act,

1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs.

25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at New Jwahar Nagar, Jullundur (and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jullundur in April, 1975,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub_section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri K. D. Shori s/o Sh. Tirath Ram, 121, New Jwahar Nagar, Jullundur.

(Transferor)

(2) Sh. Gian Singh & Smt. Kuldip Kaur, 121, New Jwahar Nagar, Jullundur.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the building,
 (Person whom the undersigned knows to be
 interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Building as mentioned in Regd, Deed No. 985 of 4/75 of S.R. Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 24-9-1975

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE **JULLUNDUR**

Jullundur, the 24th September 1975

Ref. No. AP 1276.-Whereas, I Ravinder Kumar. being the competent authority under section 269B of the Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing As per Schedule situated at Vandala (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Jullundur in January, 1975,

Nov. & Dec. 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid properly and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957):

namely:-

Now, therefore, in pursuance of section 269C. of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, 25--296GI/75

- (1) Sh. Dilbagh Singh s/o Udham Singh of 300-L Model Town, Jullundur, G.A. of Kuljit Singh s/o Dilbagh Singh, & Amariit Kaur Kamaljit Kaur d/o Dilbagh Singh, Paramjit Kaur & Amarjit Kaur Ds/o Dilbagh Singh of 300-1., Model Town, Jullundur. (Transferor)
- (2) S.I. Bircks & Builders Pvt. Ltd. Chowk Deepak Cinema, Eudhiana,

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the land. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. of 8923 of January, 1975 of the Registering Authority, Jullundur,

> RAVINDER KUMAR, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax. Acquisition Range, Jullundur.

Date: 24-9-1975

(1) Smt. Taro d/o Dalip s/o Guza r/o Tahli.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE JULLUNDUR

Jullandar, the 24th September 1975

Ref. No. AP 1279.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As mentioned in the enclosed form of schedule situated at Tabli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Nakodar in January, 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been

truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(2) S/Sh. Balwir Singh, Surinder Singh, Joginder Singh ss/o Kartar Singh r/o Vill, Tahli.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. Deed No. 2346 of January 1975 of the Registring Authority, Nakodar.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range. Jullundur.

Date: 24-9-1975

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME_TAX, ACQUISITION RANGE JULLUNDUR

Juliundur, the 24th September 1975

Rf. No. AP 1288.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Jagan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in January, 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Darshan Kaur w/o Sh. Bhagat Singh of Vill. Bajrah, Teh. Jullundur.

 (Transferor)
- Smt. Mohinder Kaur w/o Jaswant Singh & Surjit Kaur w/o Sulakhan Singh of Vill. Yagan,

(Transferce)

- (3) As per S. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. Deed No. 9121 of January 1975 of the Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 24-9-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 24th September 1975

Ref. No. AP/1289.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. As per schedule situated at Vill. Nagra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

at Jullundur in Jan 1975

Registering Officer

for an aapparent cosideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely: --

- (1) Shri Jagat Singh s/o Mangal Singh of Vill. Nagra. (Transferor)
- (2) Shri Amarjit Singh s/o Hakam Singh (Basti Pirdad Khan, Jullundur) now 455-A, Jwahar Nagar, Jullundur.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX-A of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Registration Deed No. 8890, dated January 1975 of Registration authority Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range Jullundur.

Date: 24-9-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME.
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullandar, the 24th September 1975

Ref. No. AP/1290.—Whereas, J. RAVINDER KUMAR being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinalter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per schedule situated at Nagra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jullundur in Jan 1975

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jagat Singh s/o Mangal Singh of V. Nagra. (Transferor)
- (2) Shri Gurbinder Singh s/o Hakam Singh, 455A. Jawahar Nagar, Jullundur. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in property.
 (Person whome the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Registration Deed No. 8892 of Jan. 1975 of Registration authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR.

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisiton Range, Jullandur.

Date: 24-9-1975

 Smt. Harnam Kaur d/o Radha Singh, 455-A. Jawahar Nagar, Jullundur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 26th September 1975

Ref. No. AP/1291,—Whereas, I, RAVINDER KUMAR. being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Nagra (and more fully described in the Schedule annoxed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Jullundur in Jan. 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and 1 have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Jagat Singh s/o Mangal Singh R/O Vill. Nagra

(Transferor)

Date: 26-9-1975

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said inamovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Registration Deed No. 8891 of Jan. 1975 of Registration Authority, Juliundur.

RAVINDER KUMAR.

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisiton Range, Jullundur.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 24th September 1975

Ref. No. AP/1292.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Nagra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Jan. 1975 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not

been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jagat Singh s/o Mangal Singh of Nagra (Transferor)
- (2) Shri Amarjit Singh s/o Hakam Singh, 455-A, Jawahar Nagar, Julundur. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in property.

(Person whome the undersigned knows to be interested in the property).

Obections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Registration Deed No. 9304 of Jan. 1975 of Registration Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisiton Range, Jullundur.

Date: 24-9-75

FORM ITNS----

(1) Shri Jagat Singh s/o Mangal Singh, Nagra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 24th September 1975

Ref. No. AP/1293,—Whereas 1, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Nagra

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at Jullundur in Jan. 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269-D of the said Act to the following persons, namely:

(2) Shri Gurbinder Singh s/o Hakam Singh, 455-A, Jawahar Nagar, Jullundur.

(Transferec)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in property. (Person whome the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this Notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Registration Deed No. 9307 of Jan. 1975 of Registration Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisiton Range, Jullundur.

Date: 24-9-75

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR,

Jullundur, the 24th September, 1975

Ref. No. A.P./1294.—Whereas, I RAVINDER KUMAR being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. As per schedule situated at Nagra (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jullundur in January, 1975.

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

26-296GI/75

- (1) Shri Jagat Singh s/o Mangal Singh of Vill. Nagra.
 (Transferor)
- (2) Smt. Harnam Kaur D/o Radha Singh, 455-A, Jawahar Nagar through Sh. Gurbinder Singh, Jullundur.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property).
- (4) Any person interested in property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any person other interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX-A of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Registration Deed No. 9166 of Jan. 1975 of Registration authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 24-9-75.

FORM ITNS----

(1) Dharam Singh 5/0 Udham Singh, Jullundur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 26th September, 1975

Ref. No. AP.1296.—Whereas, I RAVINDER KUMAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Sabowal (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in January 1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid purporty by the issue of this notice under sub-section (1) of secture 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) The Vasant Vihar Co-op. house building & Society Ltd., Jullundur.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above. [persons in occupation of the property]
- (4) Any person interested in property.

 [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 9215 of Jan. 75 of the Registering authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 26-9-75

(1) Shri Dharam Singh s/o Udham Singh, Sabowal.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Juliundur, the 26th September, 1975

Ref. No. AP/1297.—Whereas, J RAVINDER KUMAR, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per schedule situated at Sabowal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act 1908

(16 of 1908) in the office of the Regstering Officer at Jullundur in Jan. 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes, of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(2) The Vasant Vihar Co-operative house building Society, Ltd., Jullundur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

[persons in occupation of the property]

(4) Any person interested in property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 9311 of Jan. 75 of the Registering authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 26-9-75.

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullandar, the 26th September, 1975

Ref. No. AP/1303.—Whereas, I RAVINDER KUMAR, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'). have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Subash Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in April, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act'. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons namely:—

- (1) Sh. Charan Das Khanna s/o Sh. Shadi Ram Khanna R/o Mandir Khannian, Mandi Road, Jullundur.

 (Transferor)
- (2) Smt. Bimla Devi w/o Sh. Om Parkash, H. No. 25, Subash Nagar, Jullundur.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above. [persons in occupation of the property]
- (4) Any person interested in property.

 [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires, later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined to Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop as mentioned in the Registered Deed No. 62 of April, 75 of the Registering authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR, Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 26-9-75.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 4th September 1975

Ref. No. FDK/149/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land situated at V. Khunde Halal,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Muktsar in January 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati Pritam Kaur w/o S. Shaminder Pal Singh s/o Bhai Jabharjang Singh r/o Muktsar.

 (Transferor)
- (2) Shri G. C. Harprit Singh s/o Barinder Pal Singh r/o Khunde Halal Teht. Muktsar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above.

 [Person in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the property.

 [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2660 of January, 1975 of the Registering Authority, Muktsar.

V. R. SAGAR,

Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Amritsar.

Date: 4-9-75

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 4th October 1975

Ref. ASR/73-74/AP-179.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. Plot situated at Rai Bahadur Parkash Chand Road, Asr. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in March, on 1973,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Mohinder Chand, Narinder Chand ss/o Shri Rai Sahib Labh Chand, Sh. Parkash Chand, Lal Chand, Khushal Chand r/o R. B. Parkash Chand Road, Amritsar.
 - (Transferor)
- (2) M/s Sajdeh & Co. Amritsar Cantt.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above.

 [Person in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the property & S/Shri Kamal Kishore and Shri Dev Raj ss/o Sh. Durga Dass, Both r/o Kt. Dulo Amritsar (Parties impleaded).

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land at Rai Bahadur Parkash Chand Road, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 3540 of March, 1973 of the Registering Officer, Amritsar.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 4-10-75.

FORM ITNS ----

.....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 3rd October 1975

Ref. No. KPL/168/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority

under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Bhawanipur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kapurthala in January 1975,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the

said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act. I hereby

Initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Mahabir Singh S/o Shri Bakshish Singh s/o Shri Mula Singh r/o Kapurthala.

(Transferor)

(2) Shri Jagir Singh s/o Shri Bhajan Singh s/o Shri Harnam Singh Shri Bhajan Singh s/o Shri Harnam Singh s/o Shri Kahan Singh r/o Bhagatpur,

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2375 of January, 1975 of the Registering Authority, Kapurthala.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 3-10-75

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 3rd October 1975

Ref. No. KPL/169/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land situated at Bhawanipur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer at

Kapurthala in January 1975,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the 'Said Act',
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely:—

(1) Shri Mahabir Singh s/o Shri Bakshish Singh s/o Shri Mula Singh r/o Kapurthala,

(Transferor)

(2) Shri Dayal Singh s/o Shri Harnam Singh s/o Shri Kahan Singh Smt. Gian Kaur w/o Shri Dayal Singh s/o Shri Harnam Singh r/o Bhagatpur.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice or the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2374 of January, 1975 of the Registering Authority, Kapurthala.

V. R. SAGAR,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range, Amritsav.

Date: 3-10-75.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH.

Chandigarh, 29th September 1975

Ref. No. CHD/288/74-75.—Whereas, I, V. P. Minocha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/2 share in SCO No. 87-88, Sector 17-D, Chandigarh, situated at Chandigarh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chandigarh in March 1975, for an

apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

27—296GI/75

- (1) Smt. Kanwaljit Kaur, d/o Late Shri Mukand Singh, Resident of 7-New Town Moga, District Faridkot. (Transferor)
- (2) Shri Indermit Singh Gill, minor son of Shri Gurdip Singh Gill, 7-New Town Moga, Distt, Faridkot.

(Transferee)

- (3) (i) M/s Chief Boot House,
 - (ii) M/s Lilly Restaurant,
 - (iii) M/s Om Parkash Manoj Kumar,
 - (iv) The Representative of Business Research Corporation, Agency Division,
 - (v) Assistant Director, Labour Bureau of India,
 - (vi) Excise & Taxation Commissioner, Haryana, SCO No. 87-88, Sector 17-D, Chandigarh.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in SCO No. 87-88, Sector 17-D, Chandigarh.

V. P. MINOCHA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh.

Date: 29-9-1975.

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH.

Chandigarh, 29th September 1975

Rcf. No. CHD/291/74-75.—Whereas, I, V. P. Minocha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 2369, Sector 23-C, situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to beween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Surjit Kaur, w/o Shri Inder Singh, through her General Attorney Shri Manohar Singh, s/o Shri Mota Singh, House No. 1663, Sector 22-B, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Junesh Munjal, s/o Shri Desh Raj Munjal, Resident of Abohar, District Ferozepur. At present H. No. 2369 Sector 23-C Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX-A of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 2369, Sector 23-C, Chandigarh.

V. P. MINOCHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Date: 29-9-1975,

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 29th September 1975

Ref. No. IAC/Acq.I/SRIII/May-I/740/75-76.—Whereas, I, C. V. Gupte,

being the Competent Authority

under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. N-132, Greater Kailash 1/3rd share in 2½ storeyed building) at New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on 3/5/1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Man Mohan Chopra, s/o Dewan Chand, 146-C, Tilak Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Dr. Kamlesh Kumar Modawal, Subhash Kumar & Jogesh Kumar s/o Sh. C. N Modawal r/o C-I/40 Pandra Park, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All the rights, title and interest in 1/3rd share in a two and half storeyed house bearing No. N-132 alongwith the land underneath and around it measuring 300 sq. yds. situated at Greater Kailash, New Delhi bounded as under:—

North: Service Lane.

South: Road.

East: Property No. N/132. West: Property No. N/130.

C. V. GUPTE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date: 29-9-75.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI.

New Delhi, the 29th September 1975

Ref. No. IAC/Acq.I/SRIII/May-I/739/75-76,---Whereas I, C. V. Gupte,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. N-132, Greater Kailash (2/3rd share in 2½ storeyed building at New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on 3-5-1975,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the

apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269°D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Inder Bir Bhandari s/o Late S. Wazir Singh 132, Greater Kailas, New Delhi.
 - Shri Manmohan Chopra s/o Sh. Dewan Chand Chopra, r/o 146-C, Tilak Nagar, New Delhi. (Transferor)
- (2) Dr. Kamlesh Kumar Modawal, Sh. Subhash Kumar, (3) Sh. Yogesh Kumar, sons of Sh. N. C. Modawal r/o C-1/40, Pandara Park, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said properly may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All the rights, title and interest in 2/3rd share in a two and half storeyed house bearing No. N-132 alongwith the land underneath and around it measuring 300 sq. yds. situated at Greater Kailash, New Delhi bounded as under:—

North: Service Lane.

South: Road.

East: Property No. N-132.

West: Property No. N-130.

C. V. GUPTE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date: 29-9-75.

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-I, NEW DELHI.

New Delhi, the 3rd October 1975

Ref. No. IAC/Acq.I/SRIII/March-II(40)/74-75.—Whereas, I, C. V. Gupte,

being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. M-83, situated at Greater Kailash, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi, on 31-3-75,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act,' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely:—

(1) M/s D.L.F. United Limited, 40-F, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Shakuntla Sharma w/o Sh. Kishan Sahai r/o 370 Masjid Moth, New Delhi.

(Transferee)

(3) Smt. Shakuntla Sharma w/o Sh. Kishan Sahai, r/o 370, Masjid Moth New Delhi,

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All rights, title and interest into and upon that piece and parcel of land being plot No. 83 No. 'M' measuring 262 sq. yds in the residential colony known as Greater Kailash-II situated in village Bahurpur in the Union Territory of Delhi bounded as under:—

North: Plot No. M-81.

South : Road. East : Road.

West: Service Lane.

C. V. GUPTE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date: 3-10-75.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD,

NEW DELHI

New Delhi, the 3rd October 1975

Ref. No. IAC/Acq.I/SRIII/74-75/April/726.—Whereas, I. C. V. Gupte,

being the competent authority under section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (here-inafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. R-37, situated at Greater Kailash-I, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on 22-4-75,

apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Lt. Col. Surinder Singh Khurana s/o Dr. Jaimal Singh Khurana r/o 13, Princess Park, Officer Hostel, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Sudarshan Parti w/o Sh. Darbari Lal Parti, r/o R-37, Greater Kailash, New Delhi.

(Transferee)

(3) Shri D. L. Parti as tenants.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A free hold plot of land measuring 500 sq. yds bearing No. R-37, Greater Kallash-I, New Delhi together with a single storeyed house constructed thereon and bounded as under:

East: House No. R-39. West: House No. R-35. North: Road. South: Service Road.

C. V. GUPTE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date: 3-10-75.

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMEN'T OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD,

NEW DELHI

New Delhi, the 3rd October 1975

Ref. No. IAC/Acq.I/SRIII/March-I/(31)/74-75.—Whereas I, C. V. Gupte,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. H-24, situated at Jangpura Extension, New Delhi, (and more fully described in the

schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer at New Delhi on 10-3-75,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269°D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Gurbachan Singh S/o Late Shri Teja Singh r/o C4A/36A, Pankha Road, New Delhi.

 (Transferor)
- (2) Shrimati Bimla Rani Kohli w/o Sh. Gurdial Kohli r/o 10175 Nawab Ganj, Delhi. Now at H-24, Jangpura Extension, New Delhi. (Transferee)
- (3) State Trading Corporation of India.

 (Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5th Share of property No. H-24, Jangpura Extension, New Delhi with lease-hold rights respecting the land underneath the said portion and alongwith all other rights of enjoyment, assessment etc., attached to the said property.

C. V. GUPTE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date: 3-10-75.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 3rd October 1975

Ref. No. IAC/Acq.I/SRIII/March-II/(42)/74-75.—Whereas 1, C. V. Gupte,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

H-24, (1/5th Share of) situated Jangpura Extension, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Λ ct, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on 31-3-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Gurbux Singh s/o Late Sh. Teja Singh r/o D-23, Jorbagh, New Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Bimla Rani Kohli w/o Sh. Gurdial Kohli r/o 10175 Nawab Ganj, Delhi. (Transferee)
- (3) State tranding Corporation of India, New Delhi.

 (Preson(s) in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5th share of property bearing No. H-24, Jangpura Extension New Delhi with lease hold rights respecting the land underneath the said portion alongwith all other rights of enjoyment, easement etc. attached to the property.

C. V. GUPTE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date: 3-10-75.

<u>=-. + +-. - ---</u>

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd October 1975

Ref. No. IAC/Acq.I/SRIII/March-I(22)/74-75.—Whereas, J. C. V. Gupte,

being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/_ and bearing No. H-24, situated at Jangpura Extension, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer at

New Delhi on 10-3-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1972 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by issue of this notice under-sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

28-296 GI/75

(1) Shri Jaswant Singh s/o Sh. Teja Singh R/o A-125 Netaji Nagar, New Delhi.

(Transferor)

- (2) Smt. Bimla Rani Kohli w/o Sh. Gurdial Singh Kohli r/o 10175, Nawab Ganj Delhi. Now at H-24, Jangpura Extension, New Delhi. (Transferec)
- (3) State Trading Corporation of India, New Delhi.

 [Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5th Share of property No. H-24, Jangpura Extension, New Delhi with the lease-hold rights respecting the land under-neath the said portion and alongwith all other rights of enjoyment, casement etc. attached to the said property.

C. V. GUPTE.

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range-I, New Delhi.

Date: 3-10-75.

FORM ITNS----

(1) Shri Pritam Singh s/o Rama Vill. Raka Khurd, Tch. Phillaur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Nirmal Singh s/o Buta Singh, Vill. Mujafar-(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCMOME-TAX,

(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

(4) Any other person interested in property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Jullundur, the 19th September 1975

Ref. No. AP-1236.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. As per schedule situated at Mujafarpur,

(and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at Basavanagudi, Bangalore-4, Jullundur in January 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 9219 of Jan. 75 of the Registering authority, Jullundur.

> RAVINDER KUMAR. Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the sald Act, to the following persons, namely:-

Date: 19-9-1975

(1) Shri Pritam Singh s/o Rama Vill. Raka Khurd, Teh. Phillaur. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Guftar Singh, Kirpal Singh ss/o Nirmal Singh, Vill. Mujafarpur, Teh. Jullundur. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 19th September 1975

Ref. No. AP-1237.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Mujafarpur,

(and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Jullundur in January 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of section 269°D of the said Act to the following persons, namely:—

- (3) As per Sr. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 9218 of Jan. 1975 of the Registering authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Jullundur.

,<u>,</u>

Date: 19-9-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 19th September 1975

Ref. No. AP-1238.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Mujafarpur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in January 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- Shri Pritam Singh s/o Rana s/o Utam r/o Rurka Khurd.
 (Transferor)
- (2) Shri Swaran Singh, Bachittar Singh ss/o Nirmal Singh, Vill. Mujafarpur.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 8800 of January 1975 of the Registering authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range, Jullundur.

Date: 19-9-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullandur, the 19th September 1975

Ref. No. AP-1239.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Mujafarpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in January 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Pritam Singh s/o Rana Vill. Rurka Khurd, Teh. Phillaur. (Transferor)
- (2) Shri Jarnail Singh 5/0 Pakhar Singh, Vill. Mujafarpur. (Transferce)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested to property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons, interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Deed No. 9217 of January, 1975 of the Registering authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 19-9-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 19th September 1975

Ref. No. AP-1240.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per schedule situated at Jagral,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in January 1975.

for an apparent consi-

deration which is less than the fair market value of the afore-said property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Gurnam Singh, Narinder Singh ss/o Gulzar Singh, Vill. Ojla, Teh. Phillaur.
 (Transferor)
- Shri Harbhajan Singh S/o Pritam Singh Vill. Jagral, Teh. Jullundur,

(Transferce)

- (3) As per Sr. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 9023 of Jan. 1975 of the Registering authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 19-9-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 19th September 1975

Ref. No. AP-1241.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Jagral, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, -1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullandur in January 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- Shri Gurnam Singh Narinder Singh ss/o Gulzar Singh Vill. Ojla, Teh. Phillaur.
 (Transferor)
- (2) Piara Singh s/o Rur Singh Vill. Jagral, Tch. Julindur.
 (Transferce)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 9024 of January 1975 of the Registering authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 19-9-1975

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

BOPAL

Bhopal, the 9th September 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76,---Whereas, I, M. F. Munshi.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 35/1 situated in Gali No. 1, Rampura, Indore, situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Indore on 6-1-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Ali Hussain S/o Shri Hataimalji Bhohra, R/o Bohra Bakhal, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Shaheer Hussain S/o Shri Abdul Hussain, Nalawala Bohra, R/o Ranipura, Nai Bagad, Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 35/1, situated in Gali No. 1, Rampura, Indore.

M. F. MUNSHI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 19-9-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Bhopal, the 9th September 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, M. F. Munshi

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. House No. 35/1 situated in Ranipura, Gali No. 1, Indore, situated at Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Indore on 7-1-75.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

29-296GI/75

(1) Shri Ali Hussain S/o Shri Hatimali, R/o Bohra Bakhal, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Saifuddin S/o Shri Abdul Hussain, Nalwala Bohra, R/o Ranipura, Nai Bagad, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 35/1 situated in Ranipura Gali No. 1, Indore.

M. F. MUNSHI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Bhopp. 1.

Date: 9-9-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 10th October 1975

Ref. No. ASR/155/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land situated at Green Avenue, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in February and March, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(1) Lt. Col. Om Parkash Bhatia s/o Shri Ram Lal Bhatia Green Avenue, Amritsar through Shri Saligram Bhatia s/o Shri Sunder Dass Bhatia, Batala Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Bakshish Singh s/o Shri Jaswant Singh, Jaswant Singh s/o Shri Wasawa Singh, Sultanwind Road Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 317 Green Avenue, Amritsar as mentioned in the registered Deed No. 3644 of February, 1975 and 3939 of March, 1975 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR.

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 10-10-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACOUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 10th October 1975

Ref. No. ASR/156/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

1/2 share of House situated at 2133/VIII-17 or 7 Quilla Bhagian, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Amritsar on February 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269°D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Parshotam Dass Popli s/o Shri Puran Chand r/o 16 Layland Lane, Metropolitan Distt. of Brad Ford, London through Shri Prem Nath Popli, F-31 Green Park, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Om Parkash s/o Shri Labhu Ram Arora, H. No. 2133/VIII-17 Killa Bhakngian, Abadi Gokal Chand, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 House No. 2133/VIII-17, or 7 Killa Bhangian, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 3704 of February, 1975 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 10-10-1975

Gokal Chand.

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OF FICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 10th October 1975

Ref. No. ASR/157/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/2 share of House situtaed at 2133/VIII-17 or 7 Quilla Bhangian, Amritsar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Amritsar in February 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly

stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- Shri Prem Nath Popli s/o Shri Puran Chand Popli r/o F. 31 Green Park, New Delhi.
 (Transferor)
- (2) Shri Om Parkesh s/o Shri Labhu Ram Arora, H. No. 2133/VIII-17 Quilla Bhangian, Amritsar, Abadi

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above, (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1 House No. 2133/VIII-17 or 7 Killa Bhangian, Amritsar is mentioned in the Registered Deed No. 3707 of February, 1975 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 10-10-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 10th October 1975

Ref. No. ASR/158/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and beating

No. 1/3rd Kothi situated at 576/XIII, Braham Nagar, Amrit-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the offce of the Registering officer at Amritsar in February 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

- (1) Shri Manohar Lal s/o Shri Vidya Dhar c/o M/s Vidya Dhar & Sons, o/s Hall Gate, Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Kundan Lal, Shri Sham Sunder ss/o Shri Vidya Dhar Tandon r/o 576/XIII, Braham Nagar, Lawrance Road, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd Kothi No. 576/XIII, Braham Nagar, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 3662 of February 1975 of the registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 10-10-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 10th October 1975

Ref. No. ASR/159/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land situated at Plot No. 9 Shivala Bhaian, Amritsar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering office at Amritsar in February 1975.

for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
 - (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Baljit Singh s/o Shri Kulbir Singh r/o Kothi No. 21 Cantt Amritsar Smt. Sunit Kaur D/o Major Vir Singh, 399-Defence Colony, New Delhi through Dr. Ranbir Singh s/o Dr. Sohan Singh, 21 Cantt, Amritsar.

(Transferor

- (2) Shri Surinder Mohan Aggarwal s/o Bakshi Ram Aggarwal, 105 Lawrance Road, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Plot No. 9 Shivala Bhaian, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 3698 of February 1975 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR.

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 10-10-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 10th October 1975

Ref. No. ASR/160/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land situated at 62 Improvement Trust Scheme, Amritsar.

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Amritsar in February 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) M/s Nirankari Financiers and Chit Fund (P) Ltd. through Shri Kalyan Singh Managing Director, Chowk Baba Bhori Wala, Amritsar.
 - (Transferor)
- (2) Shri Kewal Krishan s/o Shri Raghupat Ram and Shri Swtanter Kumar, Vijay Kumar and Virinder Kumar ss/o Shri Kewal Krishan Gali Lamba Kt. Bagh Singh, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 3764 of February 1975 of the Registering Authority Amritsar,

V. R. SAGAR,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Amritsar.

Date: 10-10-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 10th October 1975

Ref. No. GSP/161/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at V. Gurdaspur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Gurdaspur in February 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act,' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act,' to the following persons, namely:—

- (1) Shri Pritam Singh, Naranjan Singh s/o Shri Lachhman Singh.

 (Transferor)
- (2) Shri Kashmir Singh s/o Gurbax Singh c/o Coop Marketing Society Ltd. Pathankot. & Smt. Jagir Kaur. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 6168 of February 1975 of the Registering Authority, Gurdaspur.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 10-10-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX'ACT, 1961 (43 OF 1961)

e elementa de la com

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 10th October 1975

Ref. No. FDK/162/75-76.—Whereas, I. V. R. Sagar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/~ and bearing No. Plot of land situated at Ferozepur Kot Kapura Road, Faridkot. (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridkot in February 1975. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:—
30-206G1/75

 Shri Naib Singh Gill s/o Shri Tara Singh s/o Shri Natha Singh of Mall Road Faridkot.

(Transferor)

(2) Shri Devinder Pal Singh s/o Shri Vir Singh Timber Merchant, Faridkot.

(Transferce)

- (3) As at S. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land as mentione din the Registered Deed No. 3409 of February 1975 of the Registering Authority, Faridkot.

V. R. SAGAR,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Amritsar.

Date: 10-10-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 10th October 1975

Ref. No. FDK/163/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land situated at Samawali,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Maktsar in February 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:——

- Shri Sohan Singh s/o Shri Harkishan Singh GA of Dr. Avtar Singh s/o Shri Teja Singh of Dosiana Kalan District Jullundur.
 - (Transferor)
- Smt. Jagpal Kaur w/o S. Joginder Singh now at Hajipur Tch. Phagwara.

 (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above and the tenants occupying the land.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2686 of February. 1975 of the Registering Authority, Muktsar.

V. R. SAGAR,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range, Amritsar.

Date: 10-10-1975

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 10th October 1975

Ret. No. FDK/164/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land situated at Kot Kapura,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridkot in February 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration tion and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act, or the Wealthtax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons namely:—

- (1) Shri Harnek Singh and Shri Tek Singh r/o Kot Kapura.

 (Transferor)
- (2) Shri Natha Singh Gurcharan Singh s/o Shri Partap Singh r/o Kot Kapura. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3562 of February, 1975 of the Registering Authority, Faridkot.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 10-10-1975

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 10th October 1975

Ref. No. FDK/165/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land situated at Kot Kapura,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridkot in February 1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely:—

 Shri Ujagar Singh s/o Shri Jhanda Singh GA for Nachhtar Singh, Bachiter Singh, Jit Singh Malkiat Singh r/o Kot Kapura.

(Transferor)

(2) Shri Natha Singh, Gurcharan Singh s/o Shri Partap Singh r/o Kot Kapura.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Officia! Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3560 of February 1975 of the Registering Authority, Faridkot.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 10-10-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 10th October 1975

Ref. No. FDK/166/75-76.--Whereas, I, V. R. Sagar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Kot, Kapura, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian at Faridkot in February 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'Said Act'. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Balwant Singh Balbir Singh, Surjit Singh Makhan Singh ss/o Shri Maghar Singh r/o Kot Kapura.

(Transferor)

(2) S/Shri Natha Singh Gurcharan Singh s/o Shri Partap Singh r/o Kot Kapura,

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3561 of February 1975 of the Registering Authority, Faridkot.

V. R. SAGAR,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,

Acquisition Range, Amritsar.

Date: 10-10-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE. AMRITSAR

Amritsar, the 10th October 1975

Ref. No. FDK/167/75-76,—Whereas, I, V. R. Sagar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Chakarian Road, Mansa, fully described Schedule more in annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Mansa in February 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald

exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said

instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:—

- (1) Shri Bant Singh, Atma Singh, Sita Singh s/o Shri Kehar Singh, Harnek Singh s/o Shri Kehar Singh, Nar Singh s/o Shri Bant Singh r/o Mansa Mandi. (Transferor)
- (2) Shri Lachhman Dass, Mansa Ram s/o Shri Chuni Lal, Diwan Chand, Telu Ram, Prem Kumar s/o Shri Chuni Lal r/o Mansa.
 (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deeds Nos. 4170 & 4169 of February 1975 of the Registering Authority Mansa.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Dato: 10-10-1975

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, 4-A/14, ASAF ALI ROAD.
3RD FLOOR. NEW DELHI

New Dehli, the 30th September 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/876/75-76/3936.—Whereas. S.N.L. Agarwala.

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. 1/2 of J-168 situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi on 22-5-1975,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moncys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :--

(1) Smt. Vidhyawanti w/o Shri Mukand Lal Choudhary. r/o 5/42, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Sarla Indu Enterprises, 3072/2CA, Gali No. 10, Ranjit Nagar, New Delhi through its partners.

1. Smt. Sarla Mahuja w/o Shri M. F. Mhuja

- 2. Shri Inder Kumar Tolani s/o Shri Haru Mal K. Tolani.
- Shri Sacha Nand T. Rijhwani w/o Shri Taru Mal Rijhwani.
- Smt. Nirmala Devei w/o Shri Haru Mal K. Tolani.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of a single storcycd house constructed on a plot of land measuring 151 sq. yds. (Total measuring 302 sq. yds) situated at plot No. 168 in Block J. RAJOURI GARDEN, area of Village Bassai Darapur, Delhi and bounded as under:—

North: House built on plot No. J-169

East: Property No. J-148/A South: House built on plot J-167

West: Road.

S. N. L. AGARWALA.

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 30-9-1975

FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 29th September 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/879/75-76/3936.—Whereas. I, S.N.L. Agarwala,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. B-6/1 situated at Model Town, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 14-4-1975,

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely:—

 Shri Jai Parkash Jain s/o Late Shri Nem Chand Jain r/o 3555 Gali Hanuman Mandhir. Subzi Mandi, Delhi-7.

(Transferor)

(2) Shri Vijay Kumar Sood, w/o Shri Anand Saroop Sood r/o B-6/2, Model Town, Delhi.

(Transferes)

- 1. Shri Ram Sass Shop No. 1.
- 2. Shri Kashi Ram Shop No. 2,
- 3. Shri Ishwar Dass Shop No. 3.
- 4. Shri Manmohan Kohli Barsati Floor.
- 5. Shri Kashi Ram Khokha in passage, all at B-6/1, Model Town, Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A 2½ storeyed pucca construction on a free-hold plot No. 1, Block No. B 6 Measuring 53.33 sq. yds and situated in Model Town, Delhi,

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Incompetation,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 29-9-1975

(1) Shri Brij Kishore s/o Shri Barkat Ram r/o H/56, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, 4-A/I4, ASAF ALI ROAD,
3RD FLOOR. NEW DELHI

New Dehli, the 30th September 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/878/75-76/3936.—Whereas, S.N.L. Agarwala,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961),

(hereinafter referred to as the 'Said Act')

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. H/56 situated at Kirti Nagar, New Delhi,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 22-4-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

31--296GI/75

- (2) Shri Ram Nath Khurana s/o Shri Ram Lal Khurana r/o 33/27 West Patel Nagar, New Delhi.
 - 2. Shri Harbans Lal Khurana.
 - 3. Shri Amrit Lal .
 - Shri Krishan Lal sons of Shri Ram Lal r/o C-12, Shopping Centre, Vasant Bihar, Delhi-57.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2½ storeyed house constructed on a plot of land measuring 326-2/3 sq. yds. bearing No. H/56, situated in Kirti Nagar, New Delhi area of village Bassai Darapur, Delhi and bounded as under:—

North: Open land.

South: Road

East: House No. H/56. West: House No. H/57.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 30-9-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, 4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Dehli, the 30th September 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/877/75-76/3936.—Whereas, S.N.L. Agarwala, being the competent authority under Section 269B of the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/2 of J-168 situated at Rajouri Garden, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 22-5-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:

 Shri Harkesh Kumar Saluja s/o Shri Mohinder Nath Saluja r/o 5/42, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

- (2) M/s Sarla Indu Enterprises, 3072/2CA, Gali No. 10 Ranjit Nagar, New Delhi through its partners.
 - 1, Smt. Sarla M. Ahuja w/o Shri M. F. Ahuja.
 - Shri Inder Kumar Tolani s/o Shri Haru Mal Tolani.
 - Shri Sacha Nand T. Rijhawani s/o Shri Tharu Mal Rijhawani; and
 - 4. Smt. Nirmala Devi w/o Shri Haru Mal K. Tolani. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

BHOPAL

1/2 share of a single storeyed house constructed on a plot of land measuring 151 sq. yds (total measuring 302 sq. yds) situated at Plot No. 168 in Block J, Rajouri Garden, area of Village Bassai Darapur, Delhi and bounded as under:—

North: House built on plot J-169. East: Property No. J-148/A. South: House built on plot J-167.

West: Road.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax.
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 30-9-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-V, AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG. BOMBAY-400020,

Bombay-400 020, the 3rd October 1975

Ref. No. AR, V/264/74-75.—Whereas, I, J. M. Mchra, 27

hereinafter referred to as said act

being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. Survey No. 136 and S. No. 154 (part) situated at Village Bhandup,

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Officer at

Bombay on 25-2-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) (1) Ratansey Karsondas.

(2) Pratapsinh Mathuradas. (3) Pushpabai, w/o Pratapsinh Mathuradas.

(4) Jainsinh Vithaldas.

(5) Pratapsinh Shoorji Vallabhdas. (6) Dilipsinh Shoorji Vallabhda.

(7) Bhanji Surji.

(8) Gopalji Virji Surji.(9) Manibai Widow of Virji Surji. (10) Damayanti W/o Virji Surji,

(11) Bachubai, widow of Purshottam Bhanji, (12) Saraswati w/o Prahladrai Kheraj.

(13) Damayanti w/o Liladhar Kanji. (14) Rukminiben w/o Purshottam Dayalji.

(15) Kalyanji alia Arunkumar Purshottam Bhanji,

(16) Vasantkumar Purshottam Bhanji.

(Transferor)

(2) Shri Bharatsingh Kubersingh Thakur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land out of Survey No. 136 and S. No. 154 (part C.T.S. Nos. 161

-and 1 to 17 1 to 9

of Village Bhandup Taluka Kurla District Bombay Suburban Registration Sub-District of Bandra, admensuring 6613 sq. yds. or 6046.93 sq. metres situated at Gamdevi Road, Tembe Pada, which is bounded as follows: that is to say on or towards the East partly by property of Bhandup Estate and partly by Nala on or towards west by Tansa Pipe Line on or towards North property of Bhandup Estate bearing S. No. 136 (part) and Survey No. 137 (part) on or towards the south property of Bhandup Estate.

J. M. MEHRA,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-V, Bombay.

Date: 3-10-1975

(1) The Union Land & Building Society Ltd. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,

BOMBAY-400020

Bombay-400 020, the 29th September 1975

Ref. No. AR-II/1092/3061/75-76.—Whereas, I, M. J. Mathan.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 35 S. No. 15 H. No. 2 S. Nos. 326A, 322 & 289A situated at Danda

(and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bandra on 7-2-1975

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act,' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

- (2) Inland Trading & Engg. Co. Pyt. Ltd. (Transferee)
- (3) M/s. Bombay Finance Co. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice of the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of land or ground together with the messuages tenements or dwelling houses standing thereon forming part of land known as Pali Hill Estate situate lying and being at Pali Hill, Danda, in the registration Sub District of Bandra Taluka South Salsette. District Bombay Suburban now Greater Bombay containing by admeasurement 977.54 square yards or thereabouts being Plot No. 35 of the Vendor's private Scheme and being part or portion of land bearing Survey No. 15 Hissa No. 2 and part of Survey Nos. 326A, 322 and 289A and bounded as follows: that is to say on or towards the North by land of Mr. Fernandes, on or towards the South by Road of the Union Park, and on or towards the West by Plot No. 33 of the Union Park, and on or towards the West by Plot No. 36 of the Union Park.

M. J. MATHAN,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Date: 29th September 1975

FORM ITNS——

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-ACQUISITION RANGE-II, AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-400020

Bombay-400020, the 29th September 1975

Ref. No. AR-II/1094/3061/75-76.—Whereas, I, M. J. Mathan,

being the competent authority under section 269B of the recome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Final Plot No. 95-A TPS No. III situated at Vile Parle (and more)

fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 13-2-1975

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Sevantil Kantilal & Navinchandra Kantilal.

(2) Shakuntata Kantilal,

(Transferor)
(Transferee)

(3) 1. Hiraben Somehand 2. J. R. Patel

3. V. Amrutlal Munilal

4. Nandlal Khetan

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (a) by any of the aforesaid persons within a period of vable property within 45 days, from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground situate lying and being at Vile Parle, Taluka South Salsette, Bombay Buburban District, in the Registration District and Sub-District of Bombay

City and Bombay Suburban, containing by admeasurement one thousand one hundred and forty five (1145) square yards i.e. 957 sq. metres or thereabouts being final plot No. 95-A of the Town Planning Scheme No. III of Vile Parle and all which piece of land is bounded as follows: that is on or towards the North by the Scheme Road, on or towards the South by Plot No. 93, on or towards the East by Plot No. 92 and on or towards the West by Plot No. 96.

M. J. MATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 29th September 1975

(1) Smt. Premabai w/o of Velji Laladhar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-V, AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-400020

Bombay-400020, the 30th September 1975

Ref. No. AR.V/239/2/74-75.—Whereas, I, J. M. Mehra being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 172, Entry No. 229 & new city S. No. 3235 to 3244 situated at Ghatkopar

(and more fully described in the Schedule part I annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Bombay on 12-2-1975,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the trnasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(2) M/s. Jeevan Builders & Associates. (Transferee)

(3) Tenants as per schedule part II (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in Chapter.

THE SCHEDULE PART I

Khoti land admeasuring about 933 sq. metres Survey No. 172 Entry No. 229 and new city survey No. 3235 to 3244 and Municipal No. 110 N. Ward Nos. 6741(1), 6741(2), 6742 and 6743 situated at Khot Lane, Ghatkopar, Bombay, with building thereon.

SCHEDULE PART II

Room No.

Name of Tenants

- 1. Natwarlal Maganlal
- Rajnikant Shivlal 3. Usman Bhikhoo
- Pranshankar Narbheshankar Mohanlal Bhagwanji
- Ranybhai Karsondas Mohanlal Chhaganlal
- 8. Kanilal Velji
- Jehhashankar Vallabhji 10. Gordhanbhai Haja

Shop No.

- 1. Dhobi Jeroo Chhetanki
- 2. Janardan Bhagwan Sane 3. Usman Bhikhoo

J. M. MEHRA.

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-V, Bombay

Date: 30th Sepember, 1975

NS----- (1) Dr. Rustom Ardeshir Irani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-V, AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-400020

Bombay-400020, the 6th October 1975

Ref. No. AR.V/260/23/74-75.—Whereas, I, J. M. Mehra being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 27E Hissa No. 1 situated at Deonar—Kurla

(and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 24-2-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (2) Shri Jagdish Anant Kamat & Shri Kabbinochittu Subraya Prabhu. (Transferee)
- (4) M/s, Eastern Steel Industries, Shri A. M. Kamath,

Shri S. A. Kamath.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of vacant land or ground situate at Deonar Taluka Kurla, District Bombay Suburban within Greater Bombay and Registration Sub-District of Bandra admeasuring 5958 sq. yds. equivalent to 4982 square metres of thereabouts being a part of land bearing Survey No. 27E Hissa No. 1 and bounded aas follows, that is to say on or towards the North by land bearing S. No. 10B (part) of Suburban Scheme No. II, on or towards the East by land bearing survey No. 34 of Deonar, and on or towards the South and West by a 44 feet wide road.

J. M. MEHRA,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-V, Bombay

Date: 6th October 1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 29th September 1975

Ref. No. R.A.C. 127/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkataraman.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5-8-644 to 646 situated at Abid Circle, Hyderabad situated at Nangal Jiwan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the

Registering Officer

at Hyderabad on 14-2-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act,' to the following persons, namely:—

 Shrimati Syedunnisa Begum W/o Mir Hassan Ali Khan, H. No. 4-1-1236/2, King Kothi Road, Hyderabad.

(Transferor)

- Shri Asadullah Himmathi S/o Hassan Himmathi, being minor represented by guardian mother Qamar Joker W/o Hassan Himmathi, H. No. 5-9-217, Chirag Ali Lane, Hyderabad. (Transferee)
- (3) King Circle, Restaurant represented by partners (1) Hassan Himmathi and
 - (2) Mohd. Raza, (Person in occupation of the property)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Porion of double storied building bearing Municipal No. 5-8-644 5-8.646, admeasuring 33,445 Sq. metres situated at Abid Circle, Hyderabad,

K. S. VENKATARAMAN.

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range

Hyderabad.

Date: 29-9-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANA KARVE ROAD, POONA-411004

Poona-411 004, the 1st October 1975

No. C.A.5/February'75/Haveli-II(Poona)/236.—Whereas, 1, H. S. Aulakh,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Sub Plot No. CTS. 100/2, situated at Gultekdi (Poona)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Haveli-II, Poona on 1-2-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has, not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth Tax, Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

32-296GI/75

- (1) Shrimati Devibai D/o Lalchand Nanwani, Alias Smt. Devibai Nathurmal Khaitani, Sindhu House, Nanabhai Lane, Fort, Bombay-1. (Transferor)
- (2) 1. Shri Harikishin Ladhraram Poorswani,
 2. Smt. Renuka Harkishin Poorswani,
 52/4 Mira Society, Shankarshet Road, Poona-9.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Freehold Open land at Sub-Plot No. CTS 100/2, Gul Tekdi, Poona city.

Area: 11550 sq. ft. (1155 Sq. Mtrs)
(Property as mentioned in the Registered Deed No. 252 of 1st February, 75 at the Registering office, Haveli-II, Poona)

H. S. AULAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Poona

Date: 1-10-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 24th September 1975

No. IAC.Acq.III/SR.III/April/265(10)/75-76/3879.— Whereas, J. S. C. Parija, the Competent Authority under section being of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 12, Block L situated at New Delhi South Extension Part II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 24-4-1975, for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely:—

 M/s. Mahabir Exports and Imports Co. (P) Ltd., through its Mg. Director, Shri Arvind Kumar Jain S/o Shri K. P. Jain, 519/1, G.T. Road, Shahdara, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Kailash Chand Sharma and Shri Naresh Kumar Sharma ss/o Shri Satya Paul Sharma, F-2/16, Krishan Nagar, Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A free-hold plot of land measuring 500 sq. yds. bearing Plot No. 12, Block No. L, situated in the residential colony known as New Delhi South Extension, Part II, New Delhi and bounded as under:—

East: Road West Service Lane North: Road South: Plot No. L-11

S. C. PARIJA

Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-III, New Delhi,

Date: 24-9-75

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 29th September 1975

No. R.A.C. 128/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-8-644 to 646 situated at Abid Circle Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Hyderabad on 14-2-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth Tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act, to the following persons, namely:—

- Smt Syedunnissa Begum W/o Mir Hassan Ali Khan, H. No. 4-1-1236/2, King Kothi Road, Hyderabad. (Transferor)
- (2) Shri Rahmat Ali Himmathi S/o Hassan Himmathi aged 12 years minor represented by mother Smt. Qamar Jokar W/o Hassan Himmathi, 5-9-217, Chirag Ali Lane, Hyderabad.

(Transferee)

*(3) King Circle, Restaurent represented by its partners
(1) Hassan Himmathi (2) Mohd. Riza.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period, of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Middle portion double storied building bearing No. 5-8-644 to 646, admeasuring 33.505 sq. metres situated at Abid Circle, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 29-9-75

(1) Dr. S. D. Kulasekaran & Shri Sanjai (Minor) 36, Goodanagaram Road, Gudiyattam, N.A.Dt. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-1, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 29th September 1975

No. F.IX/5/54/74-75.--Whereas, I, G. Ramanathan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. 75, situated at Acharappan Street, Madras-1, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras on February 1975

for an apparent consideration which is less the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly

stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor: and/or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(2) Shri Nomanbhai Hatimbhai Millwala, Shri Saifuddinbhai Turabally Namuwala, Smt. Khattonbai, Smt. Akhtarbai Smt. Fatemabai Akberali Udaipurwala & Smt. Nasemanbai Taherbai Millwala,

151, Broadway, Madras-1.

(Transferec)

*(3) Shri A. Guruswamy Reddy, Shri N. Munuswamy Naidu, Shri Abadul Gafoor, Shri Rajagopal Mudaliar & Smt. Kanta Amma, 75, Acharappan St., Madras-1. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used here-In as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half share in land and building measuring 2 grounds and 645 sq. ft. bearing door No. 75, Acharappan Street, Madras (R.S. No. 5550/part).

G. RAMANATHAN, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-1, Madras-6.

Date: 29-9-75

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, 123, MOUNT ROAD,

MADRAS-6

Madras-6, the 29th September 1975

No. F.IX/5/69/74-75.—Whereas, I, G. Ramanathan, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act').

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. 75, situated at Acharappan Street, Madras-1, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at Madras on April 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

In the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of in any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the Said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Dr. S. D. Kulasekaran & Shri Sanjai (Minor) 36, Goodanagaram Road, Gudiyattam, N.A.Dt. (Transferor)
- (2) Shri Nomanbhai Hatimbhai Millwala. Shri Saifuddinbhai Turabally Namuwala, Smt. Khattonbai, Smt. Akhtarbai Smt. Fatemabai Akberaly Udaipurwala & Smt. Nasemanbai Taherbai Millwala, 151, Broadway, Madras-1.

(Transferee)

(3) Shri A. Guruswamy Reddy, Shri N. Munuswamy Naidu, Shri Abadul Gafoor, Shri Rajagopal Mudaliar & Smt. Kanta Amma, 75, Acharappan St., Madras-1. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half share in land and building measuring 2 grounds and 645 sq. ft. bearing door No. 75, Acharappan Street, Madras (R.S. No. 5550/part).

G. RAMANATHAN,
Commetent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range-1, Madras-6.

Date : 29-9-75

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 1st October 1975

Ref. No. TR-73/C-67/Bombay/74-75.—Whereas, I. S. K. Chakravarty being the competent authority under section 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5/2 (office No. 2D), situated at Russel Street, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 13-2-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fliteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

 Kamla R. Advani, 2. Kiran G. Advani, 3. Sarli S. Advani, 4. Parpati R. Advani, 5 Kamal D. Advani, 6. Jethi J. Advani, 7. Kavita S. Kamalani, 8. Saraswati R. Punwani, 9. Lilan K. Punwani, 10. Mohan P. Jhangiani.

(Transferor)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 2D at 5/2 Russel Street, Calcutta, Floor space 707 sq. ft. and car parking space 116 sq. ft.

> S. K. CHAKRAVARTY, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I. 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 1-10-75

(1) Shri Kurban Hussain Hussanally.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 1st October 1975

Ref. No. TR-319/C-318/Cal-1/74-75.—Whereas, I, S. K. Chakravarty being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 22, situated at Brabourne Road, Calcutta.

(and more

fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

5. Government Place North on 18-2-75

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shri Salebhai Yusufali

(Transferce)

(3) Sofia Baim, Golam Ali (Person whom the undersigned knowns to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share of six storied building with land measuring 4K, 6 Ch, 12 sq. ft. more or less at 22, Brabourne Road, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisiton Range I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 1-10-75

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 30th September 1975

Ref. No. IAC.Acq.III/SR.III/March/207(2)/75-76.—Whereas, I, S. C. Parija,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. C-83 situated at New Delhi South Extension, Part II, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 3-3-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269°D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. Joginder Kaur w/o S. Sohan Singh Chadha, r/o 26/B, Rajpur Road, Dehradun (UP).

(Transferor)

- (2) 1. Shri Baij Nath s/o Shri Harichand
 - 2. Shri Rajindra Nath, 3. Raghu Nandan
 - 4. Narinder Nath ss/o Shri Baij Nath,

all r/o 1708, Dariba Kalan, Delhi-6.

(Transferor)

(3) 1. Shri Ram Saran Dass Khanna
s/o Shri Ram Rattan
r/o C-83, NDSE Part II, New Delhi
2. Shri Kishan Lal Kapoor
s/o Shri Jiwan Lal Kapoor,
r/o C-83, NDSE Part II, New Delhi-49.
[Persons in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

One and a half storeyed free hold house, built on plot No. C-83, measuring 500 sq. yds. situated in the residential colony known as New Delhi South Extension Part II, New Delhi in the area of village Masjid Moth Delhi State, Delhi and bounded as under:—

North: Plot No. C-85, and lawn

East: Plot No. C-82 South: Road West C-84

S. C. PARIJA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, New Delhi.

Date: 30-9-75

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, 4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 4th October 1975

Ref. No. IAC.Acq.III/SR.III/Fcb/194(22)/74-75/4090..... Whereas, I. S. C. Parija,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. J-22 situated at Malviya Nagar Extn. New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act.

1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 15-2-1975

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

33--296GI/75

 Shri Yashovardhan s/o Shri T. P. Singh through Shri T. P. Singh, holding constituted Power of Attorney, 13-AB, Pandara Road, New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri G. P. Shrivastava s/o late Dewan Shyam Kishore Lal and Smt. Raj Rani Shrivastava W/o Shri G. P. Shrivastava, r/o J-22, Malviya Nagar Extn., New Delhi. (Transferee)
 - (3) Transferee
 [Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The term and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A double storcyed residential house No. J-22, on a lease-hold plot of land measuring 418.065 sq. mtrs./500 sq. yds. situated in the colony known as Malviya Nagar Extn., New Delhi and bounded as under:—

North: Plot No. 23 South: Plot No. 21

East: Road West: Service lane

S. C. PARIJA.

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, New Delhi.

Date: 4-10-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, BIHAR, CENTRAL REVENUE BUILDING, PATNA

Patna, the 4th October 1975

Ref. No. III-103/Acq/75-76/1237.—Whereas, I, J. Nath. being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

M. S. Plot No. 65 situated at Fraser Road, Patna (and more

fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Patna on 10th February 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pa ytax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section 1) of Section 269°D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Asma Jafar Imam w/o Late Jafar Imam. Fraser Road, P.S. Kotwali, Patna. (Transferor)

(2) Sardar Jodh Singh s/o Sardar Sohan Singh, "Maya Niwas", Guru Govind Singh Ghat Lane, P. S. Chowk, Patna City, Patna.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring more or less 2041 sq. ft. at Fraser Road, Patna, bearing M. S. Plot No. 65, H. No. 84 (old) and 346 (new), Cr. No. 6, W. No. 2, Sheet No. 21

J. NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date: 4-10-1975

FORM JTNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BIHAR, CENTRAL REVENUE
BUILDING, PATNA

Patna, the 4th October 1975

Ref. No. III-104/Acq/75-76/1238.—Whereas I, J. Nath, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

M. S. Plot No. 65 situated at Fraser Road, Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 6-2-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Asma Jafar Imam W/o Late Jafar Imam Fraser Road, P. S. Kotwali, Patna. (Transferor)

(2) Sardar Harbhajan Singh s/o Sardar Sohan Singh, "Maya Niwas" Guru Govind Singh Ghat Lane, P. S. Chowk, Patna City, Patna. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring more or less 2041 sq. ft. at Fraser Road, Patna, bearing M. S. Plot No. 65, M. No. 84 (old) and 346 (new) Cr. No. 6, W. No. 2, Sheet No. 21.

J. NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date: 4-10-1975

FORM JTNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BIHAR, CENTRAL REVENUE BUILDING, PATNA

Patna, the 4th October 1975

Ref. No. III-105/Acq/75-76/1239.—Whereas, I, J. Nath, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. M. S. Plot No. 65, situated at Fraser Road, Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 7-2-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'said Act, L hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Asma Jafar Imam w/o Late Jafar Imam Fraser Road, P. S. Kotwali, Patna.

(Transferor)

(2) Sardar Santokh Singh s/o Sardar Sohan Singh, "Maya Niwas", Guru Govind Singh Ghat Lane, P.S. Chowk, Patna City, Patna. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring more or loss 2041 sq. ft. at Fraser Road, Patna, bearing M. S. Plot No. 65, H. No. 84 (old) and 346 (new) Cr. No. 6, W. No. 2, Sheet No. 21.

J. NATH,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date: 4-10-1975

FORM ITNS ___

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BIHAR, CENTRAL REVENUE
BUILDING, PATNA

Patna, the 4th October 1975

Ref. No. III-106/Acq/75-76/1240.—Whereas, I, J. Nath, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. M. S. Plot No. 65 situated at Fraser Road. Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 4-2-1975.

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Mrs. Asma Jafar Imam w/o Late Jafar Imam, Fraser Road, P. S. Kotwali, Patna. (Transferor)
- (2) Sardar Amrit Singh s/o Sardar Sohan Singh, "Maya Niwas", Guru Govind Singh Ghat Lane, P. S. Chowk, Patna City, Patna. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring more or less 2041 sq. ft. at Fraser Road, Patna, bearing M. S. Plot No. 65, H. No. 84 (old) and 346 (new) Cr. No. 6, W. No. 2, Sheet No. 21.

J. NATH,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date: 4-10-1975

(1) 1. Sayeed Ahmed, 2. Shafiq Ahmed

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Dr. Saidul Islam

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I, CALCUITA

Calcutta, the 3rd October 1975

Ref. No. TR-72/C-66/Cal-1/74-75.—Whereas, I. S. K. Chakravarty,

being the competent authority

under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/_ and bearing

No. 28, situated at Elliot Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at 5 Govt. Place North, Calcutta on 1st February 1975, for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided half share of vacant land measuring six cottahs of 25 sq. ft. at 28 Elliot Road, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I,
54. Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 3-10-1975.

(1) 1. Sayced Ahmed, 2. Shafique Ahmed.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Mumtaz Begum

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, CALCUITA

Calcutta, the 3rd October 1975

Ref. No. TR-71/C-65/Cal-1/74-75.—Whereas, I, S. K. Chakravarty,

being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a far market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 28, situated at Elliot Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at 5, Govt. Place North, on 1-2-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shal lhave the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided half share of vacant land measuring six cottah and 25 sq. ft. at 28 Elliot Road, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 3-10-1975.

and the second

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 1st October 1975

Ref. No. P. R. No. 251/Acq/23-462/6-2/75-76.—Whereas, I. P. N. MITTAL

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. R. S. No. 633/2, land and structure situated at Sayaji Ganj, area near old Railway Station, Baroda.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Baroda on 21-2-1975 and 24-2-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any monyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act, to the following persons, namely:—

 Purshottambhai Bhailalbhai Patel, Power of Attorney Holder Hormanbhai Kishorbhai, Sayaji Ganj, Baroda.

(Transferor)

(2) Shri Thakkar Liladhar Vashrambhai, Opp. Railway Godown. Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and structure bearing R. S. No. 633/2 (Land admeasuring 9 gunthas) situated in Sayaji Ganj, area near old Railway Station, Baroda as fully described in sale deeds registered under No. 1278 & 1279 of February 1975 by registering Officer, Baroda.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 1st October 1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, DHARWAR

Dharwar, the 4th October 1975

Notice No. 81/75-76/ACQ.—Whereas, I, P. SATYANARA-YANA RAO, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

C. S. No. 3140A

situated at Victoria Road, Hubli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Hubli under document No. 3473 on 29th March, 1975 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

24-29(FI/75

- 1. (1) Shri Venkatesh Gururaj Chivate, Koppikar Road, Hubli.
 - (2) Shri Srinivas Venkatesh Chivate, Film Distributors, Koppikar Road, Hubli.
 - Shashikumar Venkatesh (3) Shri Chittaranjan alias Chivate, Koppikar Road, Hubli.
 - (4) Dr. Jayaprakash Venkatesh Chivate, Hubli.
 - (5) Shri Shantaram Venkatesh Chivate, Victoria Road, Hubli.
 - (6) Shri Govind Venkatesh Ranade, Landlord, Vithobagalli, Hubli.
 - (7) Vasudev Govind Kanade, M/G by Shri G. V. Kanade, Hubli.
 - (8) Shri Gopal Narayan Nakhate, 2, Radha Manas, 5th Road, Shanta-cruz East, Bombay-55.
 - (9) Shri Dheerendra Narayan Nakhate, Gandhinagar, Bhandra East, Bombay-53.
 - (10) Shri Srinivas Narayan Nakhate, B/2, Gajanan Coop. Housing Society Ltd., Capt. Deep Road, Mahim, Bombay-16.
 - (11) Shri Ramachandra Narayan Nakhate, 3/15, Samarthangar, opp. Chuna Bhatti Station, Bombay-70.
 - (12) Dr. Vithal Narayan Nakhate, Canada by GPA holder Shri S. N. Nakhate, Bombay-16.

(Transferors)

- (1) Shri Pundaleeksa Tulajasa Habib,
 (2) Shri Murarsa Tulajasa Habib,

 - (3) Shri Vasudevsa Tulajasa Habib
 - (4) Shri Ramkrishnasa Tulajasa Habib, (5) Shri Laxmansa Tulajasa Habib and

 - (6) Shri Dasharathsa Tulajasa Habib, all residing at New Javalisal, Hubli.

(Transferees)

(3) Shrimati Siddavva Basappa Sangam, Firewood Merchant, Victoria Road, Hubli.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot in C. S. No. 3140A measuring 1817 7/9 yds, situated at Ward No. 1, Victoria Road now called as Shri Jagadguru Gangadharswamy Murusawirmath Hubli.

Boundaries:

On the East; C. S. No. 3140B belonging to Sri K, V,

On the West: C. S. No. 3144, 3269-3272, 3273, 3274, 3275, 3276, 3277 and 3279.

On the North: Municipal Road.

On the South: C. S. No. 3294/1-3294/2.

P. SATYANARAYANA RAO. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.

Acquisition Range, Dharwar.

Seal:

Date: 4-10-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 6th October 1975

Ref. No. RAC No. 130/75-76.—Whereas, I. K. S. VEN-KATARAMAN.

being the Competent Autho-

rity under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having

a fair farket value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2-2-1105/26 situated at New Nallakunta, Bagh Amberpet, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at Hyderabad on 18-2-1975

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Shakuntala Ranga Chari, W/o B. V. Rangachari, "Nandini" H. No. 2-2-1105/26 at New Nallakunta, Amberpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Sudesh W/o Zainulabuddin Khan, H. No. 8-2-676/1/A Road. No. 13 Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferce)

(3) Shri B. V. Ranga Chari, H. No. 2-2-1105/26 at New Nallakunta, Amberpet, Hyderabad.

(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: Area: 1874.77 Sq. Yds. with Bu'lding No. 2-2-1105/26 known as "Nandini" at New Nallakunta, Bagh Amberpet, Hyderabad.

Boundaries:

East: Neighbours land.

North: Proposed road 40 ft. wide. South: Proposed road 40 ft. wide.

West: Neighbours land.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 6-10-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 6th October 1975

Ref. No. RAC-129/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATA-RAMAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 6 situated at Domalguda, flanked by H. No. 1/2/593/31 and 1/2/593/29 situated at Domalguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad on 15-2-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri B. Ranga Reddy, Rtd. Revenue Secretary, Land Lord, resident of Bholakpur, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri Amarjeet Singh S/o Harbajan Singh, R/o 1-2-593/31 at Domalguda, Hyderabad. Being minor represented by father guardian Shri Harbhajan Singh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: All the piece of land numbered as plot No. 6, forming part of the sanctioned layout No. 44/layout 1/71 dated 22-11-1971 admeasuring 600 sq. yds. equivalent to about 530 sq. mets. and bounded on the:

East: House M. No. 1-2-593/31, West: House M. No. 1-2-593/29, North: Public Road 30 ft. wide. South: Andhra Vidalaya Building.

situated at Gaganmahal Village, Domalguda, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 6-10-1975.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th September 1975

Ref. No. 188/Acq/GBD/74-75/1440 -- Whereas, I, F. J. Bahadur,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad, on 22-2-75

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mahalakshmi Land & Finance Co. (P) Ltd. 8-B, Jindal Trust Bldg. Asaf Ali Road, New Delhi-1.

(Transferor)

(2) Shri Hans Raj Dhingra S/o Shri Lachman Dass R/o Flat No. 30, Central Market, Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable house property No. 136, Brindaban Gardens Colony situated at Vill. Pasonda, Pargana-Loni, Teh. Ghazia-bad. Distt. Meerut, transferred for an apparent consideration of Rs. 70,000/-.

F. J. BAHADUR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 6-9-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 5th September 1975

Ref No. 13/Acq/Agra/75-76/1441—Whereas, I, F. J. Bahadur

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1951) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer, at Agra on 22-2-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- Shri Kailash Nath S/o
 Shri Ram Saran
 Smt. Phulu Devi W/o Mahendra Prasad R/o
 Puniapara, Lohamandi, Agra.
- Shri Vijai Kumar Jain S/o Padam Kumar Jain R/o Lohamandi, Agra.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property No. 23/85, Puniapara, Lohamandi, Agra transferred for an apparent consideration of Rs. 48,000/-.

F. J. BAHADUR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 5-9-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER, OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 15th September 1975

Ref No. 16/Acq/Agra/75-76/1442—Whereas, I, F. J. Bahadur.

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961

(43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at as per schedule

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Agra on 10-3-75

for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Jai Prakash Goswami
 Shri Mahendra Kumar Goswami Ss/o Sri Jairam Dass, R/o Kare Ka Tal, Delhi Drawaja, Agra.

3. Sri Lajjaram S/o Gokal Chand, self and Authorised Rep. of His Wife Smt, Indrawati R/o Swadeshi Bima Nagar, Agra.

(Transferor)

 Shri Shiv Charan Lal Agarwal S/o Jamna Das Agarwal, R/o Kadimwadi, Dhaulpur. Present Add. 25, Innercity Ring Road, Agra.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE STHEDULE

Immovable property consisting of land measuring 670 sq. yds, situated at Nagla Fadi, Distt. Agra transferred for an apparent consideration of Rs. 33,500/-.

F. J. BAHADUR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 15-9-1975

FORM JTNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 15th September 1975

Ref No. 17/Acq/Agra/75-76/1443—Whereas, I, F. J. Bahadur.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No, as per schedule situated at as per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Agra on 10-3-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:

Jai Prakash Goswami
 Sri Mahendra Kumar Goswami Ss/o Sri Jairam Das. R/o Karc Ka Tal, Delhi Darwaja, Agra.
 Shri Lajja Ram S/o Gokul Chand, self and Authorised Rep. of his wife Smt. Indirawati R/o Swadeshi Magar, Agra.

(Transferor)

(2) Dr. Chotey Lal Garg S/o Jamna Das Agarwal R/o Kadimwadi, Dhaulpur. Present Address: 25, Innercity Ring Road. Agra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land measuring 677 4/9 sq. yds. situated at Nagla Padi, Distt. Agra transferred for an apparent consideration of Rs. 33,872/-.

F. J. BAHADUR, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur

Date: 15-9-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 15th September 1975

Ref. No. 15/Acq/Agra/75-76/1444—Whereas, I, F. J. Bahadur.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at as per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Agra on 10-3-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Shri Jai Prakash Goswami
 Shri Mahendra Kumar Goswami Ss/o Jairam Das R/o Kare Ka Tal, Delhi Darwaja, Agra.
 Shri Lajjaram S/o Gokal Chand, self and authorised Rep, of Smt. Indrawati, his wife R/o Swadeshi Bima Nagar, Agra.

(Transferor)

(2)Smt. Vecnu Agarwal W/o Dr. Chotey Lal Garg, R/o 25, Innercity Ring Road, Agra.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land measuring 675 7/9 sq. yds. situated at Nagla Padi, Distt. Agra, transferred for an apparent consideration of Rs. 33,789/-.

F. J. BAHADUR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 15-9-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 15th September 1975

Ref. No. 18/Acq/Agra/75-76/1445—Whereas, I. F. J. Bahadur,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Register-

ing Officer at

Agara on 12-3-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of section 269°C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269°D of the Said Act, to the following persons, namely:—

Jai Prakash Goswami,
 Shri Mahendra Kumar Goswami Ss/o Sri Jairam Das, R/o Kare Ka Tal, Delhi Drawaja, Agra.
 Shri Lajja Ram S/o Gokul Chand, self and authorised Rep. of his wife Smt. Indirawati R/o Bima Swadeshi Nagar, Agra.

(Transferor)

(2) Sri Dau Dayal Agrawal S/o Sri Shiv Charan Lal Agrawal, R/o 25, Innercity Ring Road, Agra. (Transferse)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land measuring 673 2/9 sq. yds, situated at Nagla Padi, Distt. Agra, transferred for an apparent consideration of Rs. 33,661/-.

F. J. BAHADUR.
Competent Authority
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 15-9-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri Ram Narain S/o Lala Panna Lal Vaish R/o Barahpura, Balangani, Agra.

Objections, if any, to the acquisition of the said

perty may be made in writing to the undersigned-

(Transferor)

(2) Shri Yatish Chandra S/o Shri Rajendra Prasad Vaish, R/o Pipal Mandi. Agra.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 16th September 1975

Ref. No. 64/Acq/Agra/75-76/1446—Whereas, I, F. J. Bahadur,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at as per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under

the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Agra on 21-3-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, of the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of house No. 31/55 and 31/56, Rawatpara, Agra transferred for an apparent consideration of Rs. 98,000/-.

F. J. BAHADUR, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur

Date: 16-9-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 5th September 1975

Ref. No. 191/Acq/D. Dun/74-75/1447—Whereas, I, F. J. Bahadur.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Dehradun on 11-2-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) 1. Shri P. N. Kapoor, I.A.S.

Smt. Kamlesh Kapoor
 Sri Arvind Kapoor,

4. Sri Anil Kapoor all members of H.U.F. R/oC-

1-41, Pandara Park, New Delhi-3.

(Transferor)

(2) Shri Bhupendra Kohli, 65-J, Rajpur Road, Dehradun,

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property No. 65-J, Rajpur Road, Dehradun transferred for an apparent consideration of Rs. 1,25,000/-.

F. J. BAHADUR,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range, Kappur

Date: 5-9-1975

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 16th September 1975

Ref. No. 283/Acq/Knp/74-75/1348—Whereas, I, F. J. Bahadur.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering office

at Kanpur on 21-3-1975

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act" or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely:—

- (1) Shri Kamal Shukla S/o Shri Laxmi Narain Shukla R/o 128/46 E-Block, Kidwai Nagar, Kanpur. (Transferor)
- (2) Shrimati Kamla Devi Misra W/o Shri Om Prakash Misra R/o 152, Kassawangali, Dasna Gate, Ghaziabad.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable house property No. 133/M/57, Kidwai Nagar, Kanpur transferred for an apparent consideration of Rs. 40,000/-.

F. J. BAHADUR, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur

Date: 16-9-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 19th September 1975

Ref. No. 298/Acq/Kanpur/74-75/1449—Whereas, I, F. J. Bahadur.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 6-4-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shrimati Sultan Jahan W/o Late Shri Tajmeer Khan, R/o 112/1, Taj Mension, Benajhabar, Kanpur.
 (Transferor)

(2 Shrimati Asha Oberoi W/o Shri G. S. Oberai R/o 7/202A, Swarup Nagar, Kanpur. (Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable house property No. 112/1, Taj Mension, Benajhabar. Kanpur transferred for an apparent consideration of Rs. 45,000/-.

F. J. BAHADUR,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Kanpur

Date: 19-9-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kappur, the 19th September 1975

Ref. No. 1/Acq/Kaimganj/74-75/1450—Whereas, I, F. J. Bahadur, being the competent authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. as per schedule situated at as per schedule Shahjahanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kaimganj on 29-4-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by move than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly

stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Smt. Rajrani Widow of Shri Chandra Prakash, and
 Shri Sriprakash S/o Chandra Prakash R/o
 Moh. Majid, Distt. Farrukhabad,

(Transferor)

- (2) 1. Shri Ashok Kumar, self and representative of
 - 2. Shri Ajai Kumar
 - 3. Ajit Kumar

4. Atul Kumar (minors) All sons of Shri Rajendra Singh Gangwar R/o Manjana, Shamshabad, Distt. Farrukhabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property (Agricultural land) No. 98 situated at Manjana, Teh. Kaimganj, Distt. Farrukhabad transferred for an apparent consideration of Rs. 50,000/-.

F. J. BAHADUR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 19-9-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 19th September 1975

Ref. No. 225/Acq/N.Nagar/74-75/1451—Whereas, I, F. J. Bahadur,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarnagar on 25-4-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrumen' of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely:—

(1) Shri Hari Cold Storage and Central Mills Co. (P) Ltd. Mazaffarnagar, through Managing Director Lala Madhav Kumar Swaroop S/o Lala Hariraj Swaroop R/o Kothi Rambagh, Muzaffarnagar.

(Transferor)

1. Dr. Ved Bhushan S/o Dr. Anand Prakash.
 2. Smt. Shakunila Bhushan W/o Dr. Ved Bhushan.

Sri Bankey Behari.
 Sri Kunj Behari Ss/o Kasho Das R/o Muzaffarnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land situated at Sujdu, Pargana & Distt. Mazassarragar transferred for an apparent consideration of Rs. 1,94,600/-.

F. J. BAHADUR, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur

Date: 19-9-1975

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 16th October 1975

Ref. No. 16/Acq/Unnao/74-75/1655.—Whereas, I, F. J. Bahadur,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at As per schedule, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Unnao on 25-1-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section of section 269°D of the said Act to the following persons,

ely:--

(1) Shri Ram Nath Bhargava, Shri Jagannath Bhargava and Shri Prem Nath Bhargava S/o Shri Chhajuram Bhargava, R/o 17/3(1), Mal Road, Kanpur. (Transferor)

(2) Shri Mohd, Gulzar S/o Noor Mohd., Shri Mohd. Sahid S/o Dost Mohd., Mohd. Nasim, and Mohd. Nayeem (minors) Sons of Shri Noor Mohd., Shri Modh. Khalid and Shri Mohd. Sajid (minors) Sons of Shri Dost Mohd. R/o H. No. 7373, Kassabpura, Sadar Bazar, Delhi-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 11 Bigha 4 Biswa 10 Biswansi, Bhumdhari Numbari 593, 594 and 595 and 588 situated at Vill, Shekhpur Distt. Unnao transferred for an apparent consideration of Rs. 75,000/-.

F. J. BAHADUR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 16-10-1975